नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

रांची के मोराहाबादी मैदान में आयोजित झारखंड कृषि व्यापार मेला का निरीक्षण करतीं कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की

• बोकारो, गुरुवार 18 जून 2026 • वर्ष : 10 • अंक : 41 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

सूबे के 11 नये उत्पादों को जीआइ टैग मिलना गौरव की बात : हेमंत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक कला, हस्तशिल्प और स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में 11 नए उत्पादों को जीआइ टैग मिलना राज्य के लिए गौरव की बात है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि सूबे के कुचाई सिल्क साड़ी एवं फैब्रिक्स, भगैया साड़ी एवं फैब्रिक्स, दुमका चादर-बदोनी पपेट्स, पंछी परहन पंछी साड़ी एवं फैब्रिक्स, झारखंड तसर सिल्क साड़ी एवं फैब्रिक्स, झारखंड डोकरा शिल्प, झारखंड जनजातीय आभूषण, झारखंड बांस शिल्प, केसरिया कलाकंद, झारखंड बेनम तथा झारखंड जादोपटिया पेंटिंग को जीआइ टैग हमारे मेहनतकश कारीगरों, बुनकरों, शिल्पकारों, किसानों तथा आदिवासी समुदायों के परिश्रम, कौशल और पारंपरिक ज्ञान का सम्मान है। वर्ष 2019 में सिर्फ एक उत्पाद को जीआइ टैग मिला था जो अब बढ़कर 12 हो गया है। यह पूरे राज्य के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। श्री सोरेन ने कहा कि जीआइ टैग न केवल इन उत्पादों को कानूनी संरक्षण प्रदान करेगा बल्कि उनकी प्रामाणिकता को स्थापित करते हुए राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों में नई पहचान और बेहतर आर्थिक अवसर भी सुनिश्चित करेगा। इसके साथ ही राज्य के कई अन्य विशिष्ट उत्पादों जैसे मांदर, पायतकर पेंटिंग, निमुचा/करनी शॉल, देवघर पेड़ा, कुसुमी लाह, लाह की चूड़ियां, साल बीज, महुआ फूल, करंज बीज, रागी, रुगड़ा और धुस्का जीआइ टैग हेतु प्रक्रियाधीन है। झारखंड की पहचान उसकी संस्कृति, परंपरा और लोक ज्ञान में निहित है। अबुआ सरकार इन धरोहरों के संरक्षण, संवर्धन और वैश्विक प्रचार-प्रसार के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करती रहेगी ताकि स्थानीय उत्पादों को उनका उचित सम्मान और हमारे कारीगरों को समृद्धि का नया मार्ग मिल सके।

राज्यसभा चुनाव को लेकर हाई अलर्ट

राजधानी रांची में चप्पे-चप्पे पर सादी वर्दी में स्पेशल ब्रांच, सीआईडी और इनकम टैक्स के कर्मचारी और अधिकारियों की तैनाती

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में राज्यसभा की दो सीटों के लिए आज गुरुवार को मतदान होना है। चुनाव को लेकर राज्य की सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हो गई हैं। इसी को देखते हुए पुलिस मुख्यालय की ओर से हाई अलर्ट जारी किया गया है। चुनाव प्रक्रिया को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए विशेष निगरानी व्यवस्था की गई है। बताया जा रहा है कि शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए राजधानी रांची में चप्पे-चप्पे पर सादी वर्दी में स्पेशल ब्रांच के कर्मचारी और पदाधिकारी, सीआईडी के कर्मचारी और इनकम टैक्स के कर्मचारियों को तैनात किया गया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार राज्यसभा चुनाव से जुड़े घटनाक्रम पर नजर रखने के लिए स्पेशल ब्रांच के करीब 20 पदाधिकारियों और कर्मचारियों को रांची में तैनात किया गया है। इन अधिकारियों और कर्मचारियों को महत्वपूर्ण और संवेदनशील स्थानों पर जिम्मेदारी सौंपी गई है। बताया जा रहा है कि ये सभी कर्मी सादे लिबास में रहकर अपनी ड्यूटी निभा रहे हैं और हर गतिविधि पर पैनी नजर बनाए हुए हैं। उनकी ओर से समय-समय पर मुख्यालय को रिपोर्ट भी भेजी जा रही है। सूत्रों के मुताबिक स्पेशल ब्रांच के अधिकारियों और कर्मचारियों को होटल रेडिशन, झारखंड विधानसभा, मुख्यमंत्री आवास, प्रमुख राजनीतिक दलों के कार्यालयों और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर तैनात किया गया है। इन स्थानों पर चुनाव से संबंधित गतिविधियों के अलावा सुरक्षा व्यवस्था पर भी विशेष नजर रखी जा रही है। राजनीतिक दलों के नेताओं की आवाजाही और चुनावी गतिविधियों से जुड़े हर घटनाक्रम की जानकारी लगातार एकत्र की जा रही है। इसके साथ ही किसी भी असामान्य स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक सूचनाएं तत्काल मुख्यालय तक पहुंचाई जा रही हैं। सूत्र बताते हैं कि राज्यसभा चुनाव की निगरानी की पूरी जिम्मेदारी स्पेशल ब्रांच को सौंपी गई है। इसी कारण चुनाव से जुड़े सभी पहलुओं पर नजर रखी जा रही है। इसमें विधायकों की गतिविधियां, राजनीतिक दलों की रणनीति और चुनावी माहौल से जुड़े अन्य घटनाक्रम भी शामिल हैं। खुफिया इकाई के अधिकारी लगातार सूचनाएं जुटा रहे हैं ताकि किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि की स्थिति में समय रहते आवश्यक कदम उठाए जा सकें। जानकारी के अनुसार मतदान और उससे जुड़ी पूरी प्रक्रिया संपन्न होने तक स्पेशल ब्रांच के अधिकारी और कर्मचारी सादे लिबास में अपनी ड्यूटी करते रहेंगे। उन्हें स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि या असामान्य घटनाक्रम की सूचना तुरंत मुख्यालय को दी जाए ताकि आवश्यक कार्रवाई की जा सके। राज्यसभा चुनाव को लेकर बढ़ी यह चौकसी बताती है कि लोकतंत्र का यह पर्व अब सिर्फ मतदान तक सीमित नहीं रह गया है। इसके साथ सुरक्षा और निगरानी का ऐसा तंत्र भी सक्रिय हो जाता है जिसकी मौजूदगी आम लोगों को दिखाई कम देती है लेकिन उसकी गतिविधियां लगातार चलती रहती हैं।

संक्षिप्त समाचार

तेज रफ्तार कार पेड़ से टकराई, तीन घायल

कोडरमा(नबिटा ब्यूरो)। जिले के सदर थाना क्षेत्र में बुधवार दोपहर एक सड़क दुर्घटना हुई। कोडरमा-जयनगर मुख्य मार्ग पर पथलडीहा के पास जयनगर से कोडरमा जा रही तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। इस हादसे में कार सवार चालक सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान महेश दास, शमसुल अंसारी और बाजो राम के रूप में हुई है। पथलडीहा के पास कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई।

ट्रैक्टर पलटने से चालक की मौत

गुमला(नबिटा ब्यूरो)। जिले के रायडीह थाना क्षेत्र में बुधवार दोपहर सड़क हादसे में ट्रैक्टर चालक की मौत हो गई। गुमला-चैनपुर सड़क पर मांझा टोली मोड़ के पास चिप्स से लदा एक अनियंत्रित ट्रैक्टर पलट गया जिससे चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही रायडीह थानेदार संदीप कुमार अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। घायल चालक को तुरंत एंबुलेंस से गुमला सदर अस्पताल भेजा गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

टाटा जू की शेरनी जोया की 16 साल की उम्र में मौत

जमशेदपुर(नबिटा ब्यूरो)। जिले के बिष्टुपुर क्षेत्र में स्थित टाटा जू की शेरनी जोया की 16 वर्ष की उम्र में मौत हो गई। शेरनी जोया काफी दिनों से बीमार चल रही थी। उसे अफ्रीका से जमशेदपुर टाटा जूलॉजिकल पार्क लाया गया था। इसके पहले भी अफ्रीका से लाई गई दो और शेरनियों की मौत हो चुकी है। जू प्रबंधन ने बताया कि शेरनी जोया जन्मजात एक बीमारी से ग्रसित थी जिसके चलते उसकी मौत हुई है।

झारखंड एटीएस अब सीआइडी के अधीन काम करेगी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में देश विरोधी ताकतों से निपटने वाली एटीएस अब झारखंड सीआइडी के अधीन काम करेगी। डीजीपी तदाशा मिश्रा ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। पूर्व में एटीएस को लेकर जारी किए गए सभी निर्देशों को विलोपित कर दिया गया है। डीजीपी के आदेश में यह बताया गया है कि झारखंड में आतंकवाद पर प्रभावी नियंत्रण के लिए आतंकवाद विरोधी दस्ता का गठन 2015 में किया गया था। गृह कर एवं आपदा प्रबंधन विभाग की अधिसूचना के तहत आतंकवाद निरोधी दस्ता के राज्य स्तरीय थाने को भी अधिसूचित किया गया है। इसके साथ ही अधिसूचना संख्या 102/2021 के माध्यम से आतंकवाद निरोधी दस्ता में संगठित अपराध को शांत के गठन को भी स्वीकृति प्रदान करते हुए संगठित अपराधियों के विरुद्ध पूरे राज्य में विधि सम्मत कार्रवाई के लिए अधिकृत किया गया है। डीजीपी के आदेश में यह लिखा गया है कि सभी कांडों के अनुसंधान के लिए झारखंड एटीएस पूर्णता अपराध अनुसंधान विभाग के अधीन कार्य करेगा। डीजीपी के आदेश में यह लिखा गया है कि आतंक निरोधी दस्ता पूर्णता अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) के अधीन कार्य करेगा। इसके साथ-साथ प्रशासनिक, अनुसंधान जांच परिचालन समन्वय के लिए पूर्ण रूप से सीआईडी के निर्देशन में ही कार्य होगा। निर्देश में यह भी बताया गया है कि झारखंड एटीएस का गठन मुख्यतः आतंकवादियों से जुड़े लोगों की गिरफ्तारी, स्लीपर सेल के उद्भेदन, आतंकवादी गतिविधियों पर नियंत्रण और आतंकी घटना के बचाव के लिए किया गया है। अतः आतंकी कृतियों के बचाव और अभियान के लिए पुलिस अधीक्षक एटीएस पुलिस महानिरीक्षक अभियान के निर्देशन में कार्य करेंगे। डीजीपी के आदेश में निर्देश दिया गया है कि एटीएस सभी कांडों का अनुसंधान सीआईडी के अधीन करेगी। पत्र के अनुसार कांडों का प्रभार ग्रहण करने का आदेश अनुसंधानकर्ता, पर्यवेक्षककर्ता निर्धारित करना, पर्यवेक्षन टिप्पणियां एवं प्रगति प्रतिवेदन निर्गत करना इत्यादि अपराध अनुसंधान विभाग की संचालन प्रक्रिया के अनुरूप अपराध अनुसंधान विभाग के प्रमुख के द्वारा करवाए जाएंगे। झारखंड एटीएस को यह निर्देश दिया गया है कि वह अपने कार्यों के प्रति उच्च श्रेणी में गोपनीयता बरकरार रखें।

नाबालिग से हैवानियत करने वाले को सश्रम कारावास

गुमला(नबिटा ब्यूरो)। गुमला अदालत ने बच्चों के साथ होने वाले अपराधों पर सख्त संदेश दिया है। कोर्ट ने करीब दो साल पुराने एक मामले में बड़ा फैसला सुनाते हुए आरोपी निरल तिग्गा को दोषी पाया और उसे 10 साल की कड़ी जेल की सजा सुनाई। इसके साथ ही कोर्ट ने दोषी पर 10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। अगर वह यह जुर्माना नहीं भरता है तो उसे एक साल और जेल में रहना होगा। गुमला कोर्ट के जज संजीव भाटिया की अदालत ने बुधवार को यह फैसला सुनाया। सरकारी वकील और पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक यह घटना 23 अगस्त 2024 की है। उस दिन पीड़ित लड़की अपने घर के बाहर शौच के लिए निकली थी। इसी ताक में बैठे आरोपी निरल तिग्गा ने उसे अकेले पाकर पकड़ लिया। आरोपी लड़की को जबरन खींचकर पास की झाड़ियों के पीछे ले गया और वहां उसके साथ गलत काम किया।

आरएसएस कार्यालय में फेंका पेट्रोल बम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। राजधानी रांची के निवारणपुर स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यालय पर मंगलवार देर रात पेट्रोल बम से हमले की कोशिश की गई। पुलिस के अनुसार दो अज्ञात युवकों ने सॉस की बोतल में पेट्रोल भरकर उसे कार्यालय परिसर में फेंकने का प्रयास किया लेकिन दोनों बोतलें बाउंड्री के बाहर ही गिर गईं। इस वजह से बड़ा हादसा टल गया। कार्यालय को किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि घटना सुनियोजित लग रही है। हालांकि अभी तक हमलावरों की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस को आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों से अहम सुराग मिले हैं। फुटेज में दो युवक संदिग्ध गतिविधि करते नजर आ रहे हैं। जानकारी के अनुसार जब पहला पेट्रोल बम फेंका गया तो उसमें लगा जलता हुआ सुतली जमीन पर ही गिर गया जिससे वह प्रभावी नहीं हो पाया। इसके बाद दूसरा बम फेंका गया लेकिन वह कार्यालय परिसर तक पहुंच ही नहीं सका। जांच में यह भी सामने आया है कि हमलावरों ने चिली सॉस की बोतल को पेट्रोल बम के रूप में इस्तेमाल किया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक साइंस लैब सहित कई टीमों को जांच में लगाया गया है। सिटी एसपी ने बताया कि जल्द ही आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तारी की जाएगी। इस बीच पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने घटना की कड़े शब्दों में निंदा की है। उन्होंने कहा कि यह घटना केवल आरएसएस कार्यालय पर हमला नहीं बल्कि राष्ट्रवाद पर हमला है।

मादक पदार्थों की तस्करी मामले में तीन को 15-15 साल की सजा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

खूंटी। खूंटी जिला और सत्र न्यायालय ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। मारंगहादा थाना क्षेत्र से भारी मात्रा में अफीम के साथ रंगे हाथों पकड़े गए तीन आरोपियों को अदालत ने दोषी करार देते हुए 15-15 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही कोर्ट ने तीनों दोषियों पर एक-एक लाख रुपये का आर्थिक जुर्माना भी लगाया है। अदालत ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि यदि दोषी इस जुर्माने की राशि को जमा नहीं करते हैं, तो उन्हें एक-एक साल की अतिरिक्त जेल की सजा काटनी होगी। खूंटी के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रसिकेस कुमार की अदालत ने बुधवार को मामले की गंभीरता को देखते हुए यह सख्त फैसला सुनाया। अदालत द्वारा सजा पाए गए अपराधियों में खूंटी जिले के हितुटोला का रहने वाला शत्रुघ्न स्वांसी उर्फ नरेश स्वांसी, सारिदकेल का निवासी संजय कुमार नायक उर्फ जोले और चतरा जिले के पत्थलगाड़ा थाना क्षेत्र के कुबा गांव का निवासी प्रेमचंद ठाकुर उर्फ पिंटू शामिल हैं। इन तीनों को पुलिस ने करीब 7 साल पहले, 3 अप्रैल 2019 को मारंगहादा थाना क्षेत्र के कुजराम पुल के पास से गिरफ्तार किया था। तब से यह मामला खूंटी की विशेष अदालत में चल रहा था, जहां बुधवार को न्यायाधीश ने दोनों पक्षों की दलीलें और साक्ष्य देखने के बाद इन तीनों को जेल की सलाखों के पीछे भेजने का फरमान जारी कर दिया।

धनबाद में 17 करोड़ की लागत से बनेगा अत्याधुनिक पुलिस कॉम्प्लेक्स

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। पुलिस व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ और जनसुविधा केंद्रित बनाने की दिशा में बड़ी पहल की गई है। जल्द ही शहर में जी+6 अत्याधुनिक पुलिस कॉम्प्लेक्स का निर्माण होगा। जिसमें धनबाद थाना, महिला थाना, एससी-एसटी थाना, यातायात थाना और साइबर थाना एक ही परिसर से संचालित होंगे। इस महत्वाकांक्षी परियोजना को लेकर बुधवार को एसएसपी प्रभात कुमार ने धनबाद थाना परिसर का निरीक्षण कर अधिकारियों और निर्माण एजेंसी के इंजीनियरों के साथ स्थल का जायजा लिया। फिलहाल सदर थाना परिसर में महिला थाना और यातायात थाना संचालित हो रहे हैं। नई योजना के तहत करीब 17 करोड़ रुपये की लागत से ग्राउंड प्लस छह मंजिला आधुनिक भवन का निर्माण होगा। इस भवन में पांचों थानों को एकीकृत कर पुलिस सेवाओं को अधिक प्रभावी और सुगम बनाया जाएगा। परियोजना को लगभग डेढ़ वर्ष में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। निरीक्षण के दौरान एसएसपी प्रभात कुमार ने बताया कि इस परियोजना की योजना पहले से तैयार थी और अब इसे धरातल पर उतारने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। राज्य सरकार की ओर से पहुंची इंजीनियरों की टीम ने निर्माण स्थल का निरीक्षण कर तकनीकी पहलुओं पर चर्चा की और आगे की कार्ययोजना तैयार की। एसएसपी ने कहा कि नए पुलिस कॉम्प्लेक्स के बनने से आम लोगों को अलग-अलग थानों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। एक ही परिसर में सभी आवश्यक पुलिस सेवाएं उपलब्ध होंगी जिससे शिकायतों के निस्तारण में तेजी आएगी और पुलिसिंग व्यवस्था अधिक सुव्यवस्थित होगी। साथ ही जिले के सभी थाना परिसरों के सौंदर्यीकरण का कार्य भी कराया जा रहा है ताकि फरियादियों को बेहतर, सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण मिल सके।

स्वच्छता और हरियाली के मामले में राहे बालिका आवासीय विद्यालय देश में अव्वल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। राजधानी रांची के राहे प्रखंड स्थित झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय ने स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान बनाई है। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा जारी स्वच्छ एवं हरित विद्यालय रेटिंग यानी एसएचवीआर 2025-26 में विद्यालय ने 99.20 प्रतिशत अंक प्राप्त कर पूरे देश में पहला स्थान हासिल किया है। इस उपलब्धि के साथ विद्यालय को सर्टिफिकेट ऑफ मेरिट, एक लाख रुपये की अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि और विद्यालय के प्रधानाध्यापक को एजुकेशनल एक्सपोजर विजिट का अवसर मिलेगा। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के अनुसार स्वच्छ एवं हरित विद्यालय रेटिंग का उद्देश्य विद्यालयों में स्वच्छता, सुरक्षित पेयजल, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास की गतिविधियों को बढ़ावा देना है। इस रैंकिंग के लिए देशभर के हजारों सरकारी और निजी विद्यालयों का मूल्यांकन किया गया। इसमें राहे का झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय अपनी श्रेणी में प्रथम स्थान पर रहा। स्वच्छ एवं हरित विद्यालय रेटिंग के तहत विद्यालयों का मूल्यांकन स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता, छात्राओं के लिए अलग स्वच्छ शौचालय, साबुन से हाथ धोने की व्यवस्था, जल संरक्षण, ऊर्जा दक्षता, ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन, परिसर की हरियाली, संचालन और अनुरक्षण, व्यवहार परिवर्तन, क्षमता निर्माण और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विभिन्न मानकों पर किया गया। इन सभी बिंदुओं पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय ने 99.20 प्रतिशत अंक हासिल किए। मार्च 2022 में स्थापित झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय ने बहुत कम समय में राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। विद्यालय में शुरुआत से ही स्वच्छता, जल संरक्षण, हरित परिसर और छात्राओं की सहभागिता को प्राथमिकता दी गई। इन प्रयासों का परिणाम है कि चार वर्षों के भीतर विद्यालय ने कई राष्ट्रीय उपलब्धियां अपने नाम दर्ज की है। वर्ष 2024-25 में आयोजित राष्ट्रीय जल पुरस्कार (नेशनल वाटर अवॉर्ड) में भी विद्यालय ने देशभर में तीसरा स्थान प्राप्त किया था। अब स्वच्छ एवं हरित विद्यालय रेटिंग में पहला स्थान हासिल कर विद्यालय ने एक और राष्ट्रीय उपलब्धि अपने नाम कर ली है। विद्यालय परिसर में छात्राओं के लिए स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कई आधुनिक सुविधाएं विकसित की गई हैं। यहां स्वच्छ पेयजल के लिए वॉटर प्यूरीफायर, हैंडवॉशिंग यूनिट, अलग शौचालय, माहवारी कक्ष, रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, दिव्यांग अनुकूल रैंप, स्वच्छ छात्रावास, ऊर्जा संरक्षण की व्यवस्था तथा सूखा और गीला कचरा अलग-अलग संग्रहित करने की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा विद्यालय परिसर में औषधीय पौधों के साथ बागवानी विकसित की गई है। इको पार्क तैयार किया गया है जहां छात्राओं के बैठने की व्यवस्था है। विद्यालय की दीवारों और चहारदीवारी पर शिक्षा, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सोहराय कला से जुड़े संदेश और चित्र भी बनाए गए हैं।

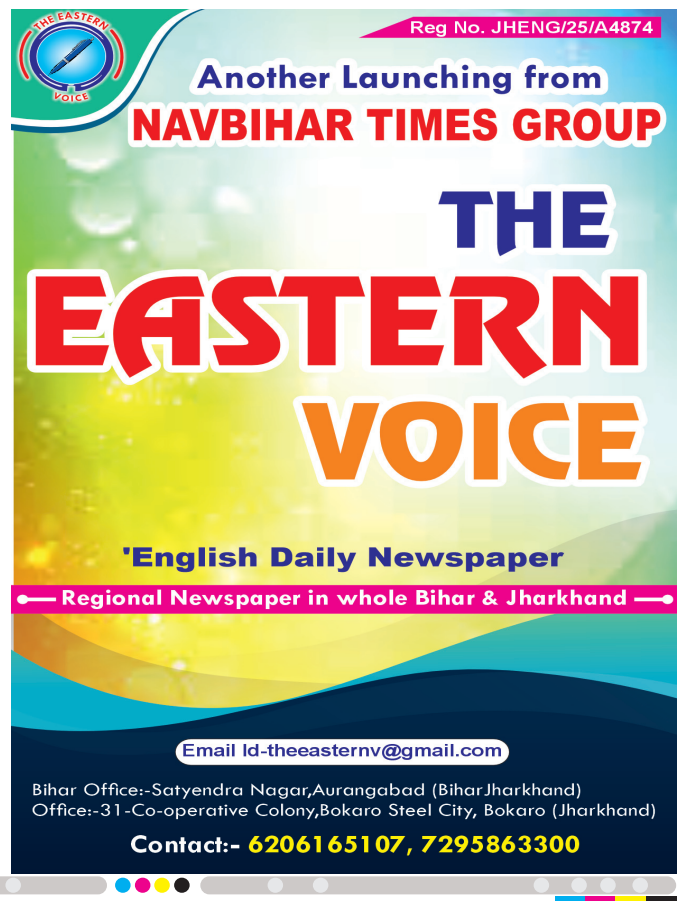

धनवार को मिला केंद्रीय विद्यालय का तोहफा, शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक शुरूआत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। गिरिडीह जिले के धनवार प्रखंड में शिक्षा के क्षेत्र में एक नई उपलब्धि जुड़ गई है। केंद्रीय विद्यालय धनवार के संचालन का विधिवत शुभारंभ बुधवार को केंद्रीय मंत्री एवं कोडरमा सांसद अन्नपूर्णा देवी तथा उपायुक्त रामनिवास यादव ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर एवं फीता काटकर किया। इस अवसर पर नवप्रवेशित विद्यार्थियों के स्वागत समारोह का भी आयोजन किया गया कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर अतिथियों का स्वागत किया। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, अभिभावक, जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी समारोह में उपस्थित रहे।केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि केंद्र सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को भी गुणवत्तापूर्ण और राष्ट्रीय स्तर की शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि धनवार में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना क्षेत्र के विद्यार्थियों को आधुनिक शैक्षणिक संसाधन, बेहतर अवसर और प्रतिस्पर्धी वातावरण प्रदान करेगी। इससे छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए बड़े शहरों की ओर पलायन करने की आवश्यकता कम होगी। उन्होंने विद्यार्थियों से अनुशासन, मेहनत और लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने का आह्वान किया वहीं उपायुक्त रामनिवास यादव ने इसे जिले के लिए ऐतिहासिक और सराहनीय पहल बताते हुए कहा कि फिलहाल विद्यालय का संचालन वैकल्पिक व्यवस्था के तहत शुरू किया गया है। उन्होंने जानकारी दी कि अगले दो वर्षों के भीतर केंद्रीय विद्यालय का अत्याधुनिक एवं भव्य स्थायी भवन तैयार कर लिया जाएगा।उपायुक्त ने आश्वस्त किया कि नामांकन प्रक्रिया में सभी निर्धारित मानकों का शत-प्रतिशत पालन किया जाएगा तथा विद्यार्थियों को पुस्तकें एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन लगातार निगरानी करेगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा किसी भी क्षेत्र के विकास की आधारशिला होती है और केंद्रीय विद्यालय की स्थापना से ग्रामीण प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने का अवसर मिलेगा धनवार में केंद्रीय विद्यालय के शुभारंभ को क्षेत्र के शैक्षणिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जिससे आने वाले वर्षों में हजारों विद्यार्थियों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

सिंदूर चौक में स्थापित हुई आधुनिक क्विक ऑयल चेंजर मशीन, मिनटों में होगा इंजन ऑयल परिवर्तन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग ब्यूरो । वाहन सर्विसिंग के क्षेत्र में आधुनिक तकनीक का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। इसी क्रम में सिंदूर चौक स्थित मुकेश हीरो होंडा वर्कशॉप में अत्याधुनिक क्विक ऑयल रूलर सर्विस एक्सप्रेस चेंजर (आर एस ई) मशीन स्थापित की गई है। इस मशीन के माध्यम से इंजन ऑयल बदलने की प्रक्रिया पहले की तुलना में अधिक आसान, तेज और स्वच्छ हो गई है। क्विक ऑयल चेंजर मशीन वैक्यूम तकनीक पर आधारित मशीन है, जो इंजन से पुराने ऑयल को डिपस्टिक पाइप के माध्यम से बाहर निकालती है। इससे वाहन के नीचे जाकर ड्रेन बोल्ट खोलने की आवश्यकता पड़ती, जिससे समय की बचत होती है और ऑयल के बिखरने या गंदगी फैलने की संभावना भी कम हो जाती है।

मुकेश हीरो होंडा वर्कशॉप के संचालक लक्ष्मण कुमार ने बताया कि आधुनिक मशीन के उपयोग से ग्राहकों को बेहतर और तेज सेवा उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि यह मशीन इंजन ऑयल परिवर्तन की प्रक्रिया को सुरक्षित, सुविधाजनक और प्रभावी बनाती है, जिससे वाहन मालिकों का समय भी बचता है और सर्विसिंग की गुणवत्ता भी बेहतर होती है। निमार्ता कंपनी द्वारा टीम लीडर कैस्ट्रोल योगेश केसरी द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार मशीन को शेड के नीचे स्थापित करना चाहिए तथा इसे सीधे धूप और बारिश से बचाना आवश्यक है। मशीन का उपयोग केवल इंजन ऑयल निकालने के लिए ही किया जाना चाहिए। इसके अलावा पेट्रोल, डीजल, ज्वलनशील पदार्थ या अन्य ठोस सामग्री को मशीन से खींचना प्रतिबंधित है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस प्रकार की आधुनिक मशीनों के उपयोग से वाहन सर्विसिंग कार्य में दक्षता बढ़ रही है और कम समय में अधिक वाहनों की सेवा संभव हो रही है। उन्होंने वाहन मालिकों को सलाह दी है कि इंजन ऑयल परिवर्तन का कार्य हमेशा प्रशिक्षित और अनुभवी मैकेनिक से ही करवाएं, ताकि वाहन के इंजन की कार्यक्षमता और आयु लंबे समय तक बनी रहे।

संक्षिप्त समाचार

परीक्षा स्पेशल ट्रेनों से हजारों परीक्षार्थियों को मिली राहत

कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। बिहार पुलिस भर्ती परीक्षा में शामिल होने वाले परिक्षार्थियों की सुविधा के लिए रेलवे द्वारा संचालित परीक्षा स्पेशल ट्रेनों का लाभ हजारों परीक्षार्थियों ने उठाया। कटिहार जंक्शन पर बुधवार को बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों की आवाजाही के बावजूद जिला प्रशासन के साथ रेलवे प्रशासन, आरपीएफ एवं जीआरपी की सतर्कता के कारण रेल परिचालन पूरी तरह शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित रहा।रेल एसपी हरिशंकर कुमार एवं आरपीएफ कमांडेंट संदीप कुमार पीएस के संयुक्त दिशा-निर्देश पर कटिहार स्टेशन सहित विभिन्न रेल परिसरों में विशेष

सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। स्टेशन पर हजारों की संख्या में पहुंचे परिक्षार्थियों के बीच सुरक्षा बलों के अधिकारी एवं जवान लगातार मुस्तैद रहे। प्लेटफॉर्म, प्रवेश एवं निकास द्वारों पर लंबी कतारों के बीच यात्रियों की निगरानी की गई तथा किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए विशेष चौकसी बरती गई। सुरक्षा व्यवस्था की मॉनिटरिंग स्वयं वरीय सुरक्षा अधिकारियों द्वारा की जा रही थी। वहीं डीआरएम किरेंद्र नरह के मार्गदर्शन एवं सीनियर डीसीएम अनूप कुमार सिंह के निर्देश पर वाणिज्य विभाग के कर्मियों द्वारा स्टेशन परिसर में लगातार उद्घोषणा कर अभ्यर्थियों को आवश्यक जानकारी एवं सुरक्षा संबंधी जागरूकता संदेश दिए जाते रहे।सीनियर डीसीएम सह पीआरओ अनूप कुमार सिंह ने बताया कि परीक्षा स्पेशल ट्रेनों के परिचालन से अभ्यर्थियों को काफी सुविधा मिली और भीड़ का बेहतर प्रबंधन संभव हो सका। कड़ी सुरक्षा, बेहतर यात्री प्रबंधन एवं रेलवे कर्मियों की सक्रियता के बीच कटिहार स्टेशन पर परीक्षा स्पेशल ट्रेनों का संचालन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

गन्ना उत्पादन बढ़ाने के लिए गन्ना नर्सरी स्थापना योजना को मंजूरी

पटना (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। राज्य में गन्ना उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि तथा किसानों को उच्च गुणवत्ता के रोगमुक्त एवं उन्नत किस्मों के गन्ना पौधे उपलब्ध कराने के उद्देश्य से गन्ना उद्योग विभाग, बिहार सरकार द्वारा ह्लसिंगल बड प्लांटलेट्स पर आधारित गन्ना नर्सरी स्थापना योजनाह्व को वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए स्वीकृति प्रदान की गई है। इस योजना के माध्यम से आधुनिक तकनीक पर आधारित गन्ना पौध उत्पादन को बढ़ावा दिया जाएगा, जिससे किसानों को समय पर गुणवत्तायुक्त बीज सामग्री उपलब्ध हो सकेगी। योजना के अंतर्गत स्थापित प्रत्येक नर्सरी की वार्षिक उत्पादन क्षमता 5 लाख प्लांटलेट्स होगी। इससे राज्य में रोगमुक्त एवं प्रमाणित गन्ना बीज की उपलब्धता बढ़ेगी तथा किसानों को बेहतर उपज प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। चयनित लाभुकों को परियोजना लागत का 75 प्रतिशत अनुदान, अधिकतम 11.25 लाख रुपये तक प्रदान किया जाएगा। योजना का लाभ लेने के लिए प्रगतिशील कृषक, कृषक उत्पादक संगठन (एफपीओ), सहकारी समितियाँ तथा इच्छुक उद्यमी निर्धारित अवधि के भीतर कैन केयर पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। प्राप्त आवेदनों का परीक्षण सहायक निदेशक, ईख विकास की अध्यक्षता में गठित स्क्रीनिंग समिति द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार किया जाएगा। चयनित लाभुकों को विभाग द्वारा स्वीकृति पत्र निर्गत किया जाएगा। अनुदान राशि का भुगतान कार्य प्रगति के आधार पर तीन किस्तों में क्रमशः 40 प्रतिशत, 40 प्रतिशत एवं 20 प्रतिशत की दर से किया जाएगा, जिससे परियोजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके। गन्ना उद्योग विभाग का मानना है कि यह योजना राज्य में गुणवत्तापूर्ण गन्ना बीज की उपलब्धता बढ़ाने, गन्ना क्षेत्र विस्तार को प्रोत्साहित करने, किसानों की आय में वृद्धि करने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार के नए अवसर सृजित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी। इसके माध्यम से आधुनिक एवं वैज्ञानिक गन्ना खेती को बढ़ावा मिलेगा तथा राज्य के गन्ना क्षेत्र के सतत विकास को नई गति प्राप्त होगी।

मुठभेड़ में प्रभात मिश्रा हत्याकांड का आरोपी अमित कुमार का एनकाउंटर, पैर में लगी गोली

मुजफ्फरपुर (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। मुसहरी थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात पुलिस और चर्चित प्रभात मिश्रा हत्याकांड के नामजद आरोपी अमित कुमार के बीच मुठभेड़ हो गई। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली अमित के पैर में लगी, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर इलाज के लिए एसकेएमसीएच में भर्ती कराया गया। अमित कुमार वैशाली जिले का रहने वाला है और हाल ही में हुए प्रॉपर्टी डीलर अंकित रंजन उर्फ प्रभात मिश्रा हत्याकांड में नामजद आरोपी है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि अमित कुमार अपने एक साथी के साथ बाइक से किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने निकल रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने भटौलिया पुल के पास बैरिकेडिंग कर वाहन जांच अभियान शुरू किया। इसी दौरान अमित अपने साथी के साथ बाइक से वहां पहुंचा। पुलिस की घेराबंदी देखकर उसने बाइक मोड़कर भागने का प्रयास किया। पुलिस टीम ने पीछा शुरू किया तो खुद को घिरता देख अमित कुमार ने पुलिस पर चार राउंड फायरिंग कर दी। इसके बाद पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की, जिसमें एक गोली अमित के पैर में लग गई। गोली लगते ही वह बाइक समेत सड़क पर गिर पड़ा और पुलिस ने उसे मौके से गिरफ्तार कर लिया। हालांकि उसका साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार होने में सफल रहा। घटना की जानकारी मिलने के बाद बुधवार की अहले सुबह एसएसपी कांतेश कुमार मिश्रा घटनास्थल पर पहुंचे और पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने एसकेएमसीएच पहुंचकर घायल अमित कुमार से पूछताछ की। पुलिस सूत्रों के अनुसार पूछताछ के दौरान प्रभात मिश्रा हत्याकांड से जुड़े कई अहम सुराग मिले हैं। अमित के बयान के आधार पर अन्य शूटरों, लाइनरों और साजिशकर्ताओं की पहचान की जा रही है। एसएसपी ने बताया कि जल्द ही इस हत्याकांड में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी भी की जाएगी। इसके लिए संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी जारी है।

डीएवी पब्लिक स्कूल में अंतर-सदनीय एरोबिक्स प्रतियोगिता, विद्यार्थियों ने दिखाया दमखम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग ब्यूरो। स्थानीय डीएवी पब्लिक स्कूल, सीनियर विंग, हजारीबाग में बुधवार को अंतर-सदनीय एरोबिक्स प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साह, लयबद्धता और शारीरिक दक्षता का शानदार प्रदर्शन कर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम का संचालन कक्षा नवमी ह्यजीह्ल की छात्राओं अंकिता एवं रक्षिता ने किया। प्रतियोगिता में संगीत शिक्षक श्री बी. के. दुबे एवं श्रीमती अपूर्वा बरदियार ने निर्णायक की भूमिका निभाई।

जूनियर वर्ग में विराज (कक्षा क्श्-इ, यमुना सदन) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। शिकायना (कक्षा क्क्क-अ, गंगा सदन) द्वितीय स्थान पर रहीं, जबकि अर्नव (कक्षा क्क्क-अ, कावेरी सदन) एवं त्रिशा (कक्षा क्श्-अ, गंगा सदन) ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान हासिल किया। वहीं सीनियर वर्ग में साक्षी (कक्षा क्ऱ्ह्न सतलुज सदन) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। श्रेया (कक्षा क्ऱ्ह्न यमुना सदन) द्वितीय स्थान पर रहीं, जबकि तनिष्का (कक्षा क्ऱ्ह्न यमुना सदन) एवं अदिति (कक्षा क्ल्ह्न, गंगा सदन) ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ. रजनीश कुमार ने विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया। अपने संबोधन में उन्होंने सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता, आत्मविश्वास तथा स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को विकसित करती हैं। उन्होंने छात्रों को शारीरिक गतिविधियों में नियमित रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ तथा विद्यार्थियों ने भविष्य में भी ऐसे आयोजनों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का संकल्प लिया।

फॉरवर्ड ब्लॉक ने बालमुकुंद फैक्ट्री आंदोलन का किया समर्थन, मजदूरों की मांगों को बताया जायज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक ने बालमुकुंद फैक्ट्री प्रबंधन के खिलाफ असंगठित मजदूर मोर्चा और भाकपा माले द्वारा चलाए जा रहे आंदोलन का समर्थन करते हुए जिला प्रशासन से मजदूरों को न्याय दिलाने तथा फैक्ट्री प्रबंधन के खिलाफ उचित कार्रवाई की मांग की है संगठन के जिला संयोजक एवं पूर्व जिला परिषद सदस्य राजेश यादव ने कहा कि फैक्ट्री द्वारा कई मजदूरों की मनमानी छंटनी किए जाने के विरोध में महीनों से आंदोलन जारी है। उन्होंने आरोप लगाया कि मजदूरों के अधिकारों का लगातार उल्लंघन हो रहा है, स्थानीय श्रमिकों को पर्याप्त रोजगार नहीं दिया जा रहा है तथा प्रदूषण से आसपास के लोगों का जीवन प्रभावित हो रहा है उन्होंने कहा कि मामले की जानकारी होने के बावजूद प्रशासन द्वारा अब तक ऐसी कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई जिससे मजदूरों को न्याय मिल सके। साथ ही केंद्र और राज्य सरकार पर मजदूर विरोधी नीतियां अपनाने का आरोप लगाया राजेश यादव ने कहा कि आंदोलन तेज होने के बाद जिला प्रशासन द्वारा जांच समिति गठित कर कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है, जो स्वागतयोग्य कदम है। उन्होंने मांग की कि बिना किसी दबाव के निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, अन्यथा आंदोलन का दायरा और व्यापक होगा।

प्रशासन, शिक्षा और समाजसेवा में उत्कृष्ट पहचान बना रहे डॉ. सुरेश वर्मा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। गिरिडीह के शिक्षाविद् दिनेश्वर वर्मा के पुत्र डॉ. सुरेश वर्मा अपनी प्रशासनिक दक्षता, शिक्षा, साहित्य और समाजसेवा के कार्यों से राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना रहे हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में सब-नोडल ऑफिसर के रूप में उन्होंने 13 हजार से अधिक सुरक्षा बलों के समन्वय की जिम्मेदारी सफलतापूर्वक निभाई, जिसके लिए उन्हें कई प्रशस्ति पत्र प्राप्त हुए डॉ. वर्मा ने ह्लसनातन श्री सहायताह्व मिशन के माध्यम से पाकिस्तानी हिंदू शरणार्थियों की सहायता का कार्य भी किया है।

दिल्ली विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले डॉ. वर्मा ने यूपीएससी 2014 में सफलता हासिल की तथा सेवा के दौरान पीएचडी की उपाधि भी अर्जित की। उन्होंने आईआईएम रांची से लीडरशिप एंड पब्लिक पॉलिसी का विशेष कोर्स भी किया है बहुभाषी विद्वान और साहित्यकार के रूप में प्रसिद्ध डॉ. वर्मा ह्यप्रियदर्शीह्ल नाम से लेखन करते हैं। उनकी पुस्तकें ह्यपतझड़ह्ल, ह्यश्रीरामह्ल और ह्यग्लोबल साहित्य मंजरीह्ल चर्चित रही हैं। मानवाधिकार, शिक्षा और सामाजिक योगदान के लिए उन्हें इंडिया प्राइड अवार्ड सहित कई राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हो चुके हैं।वर्तमान में वे अंतर्राष्ट्रीय खोरठा महोत्सव, चंद्रगुप्त मौर्य इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी और ग्लोबल बुद्ध यूनिवर्सिटी जैसी महत्वाकांक्षी पहलों से जुड़े हुए हैं। शिक्षा, संस्कृति और राष्ट्रसेवा के क्षेत्र में उनके योगदान ने उन्हें युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बना दिया है।

मुख्यमंत्री भिक्षावृत्ति निवारण योजना का उद्देश्य हुआ सफल

सहायक निदेशक के मार्गदर्शन में एक युवती को 6 वर्षों के बाद परिवार से मिली

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पूर्णिया (कटिहार) । समाज कल्याण विभाग बिहार सरकार की ओर से कड़े विभागीय निर्देशों और दिशा-निर्देशों के शत-प्रतिशत अनुपालन के आलोक में पूर्णिया जिले में 'मुख्यमंत्री भिक्षावृत्ति निवारण योजना के तहत एक बड़ी सफलता हासिल की गई है। सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा, पूर्णिया अमरेश कुमार के सीधे निर्देशन और कुशल प्रबंधन में, शांति कुटीर" महिला भिक्षुक पुनर्वास गृह द्वारा एक अत्यंत भावुक और सफल पारिवारिक पुनर्वास को अंजाम दिया गया है। इसके तहत एक युवती को 6 लंबे वर्षों के बाद उसके परिवार से सकुशल मिला दिया गया।विभागीय गाइड लाइन्स के अनुसार मुख्यमंत्री भिक्षावृत्ति निवारण योजना का मूल उद्देश्य केवल आश्रय देना नहीं, बल्कि भटके हुए निराश्रित और असहाय व्यक्तियों की काउंसिलिंग कर, उन्हें समाज की मुख्यधारा में वापस लाना और उनके परिवारों तक सुरक्षित पहुँचाना है। इसी अनुपालन के क्रम में संस्था में रह रहीं युवती शाहजुरुन खातून स्नेहवश खेजू खातून को उनके पिता मो. सज्जाद और भाई जहाँगीर के सुपुर्द किया गया। 6 वर्षों के लंबे और कष्टदायी अंतराल के बाद अपनी बेटी को वापस पाकर परिवार भावुक हो उठा। परिजनों ने विभागीय व्यवस्था और "शांति कुटीर" संस्था के प्रति गहरा आभार व्यक्त करते हुए कहाकि"हम इस कार्य की काफी सराहना करते हैं। शांति कुटीर के अथक प्रयास से ही मेरी बेटी ६ सालों के बाद मुझसे मिल पाई है; नहीं तो इसे ढूंढ पाना या यह मिलन संभव ही नहीं था। विभागीय निर्देशों के तहत कार्य करने वाली समर्पित टीम सहायक निदेशक अमरेश कुमार के कुशल मार्गदर्शन एवं विभागीय प्रक्रियाओं के अक्षरशः पालन के कारण ही यह जटिल पुनर्वास प्रक्रिया सुलभ हो सकी। इस कार्य में निम्नलिखित अधिकारियों और कर्मियों का विशेष और सराहनीय योगदान रहा। अमरेश कुमार, सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा, पूर्णिया, उषा कुमारी, जिला प्रबंधक, प्रिया भारती, एएनएम, शांति कुटीरनिकिता कुमारी, काउंसलर, शांति कुटीर जया परवीन, केस वर्कर सोनी, कर्मी सफलतापूर्वक संपन्न हुआ पुनर्वास विभागीय दिशा-निर्देशों के अनुरूप, युवती की उचित मेडिकल जांच, पहचान सत्यापन और सामाजिक व मानसिक काउंसिलिंग की प्रक्रिया पूरी की गई।

कटिहार मंडल के 150 से अधिक अधिकारी स्थानांतरित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार । रेलवे बोर्ड की ओर से आरपीएफ में बड़े पैमाने पर किए गए रूटीन तबादले के तहत भारतीय रेल के सैकड़ों इंस्पेक्टर एवं सब इंस्पेक्टर का स्थानांतरण किया गया है। इस क्रम में कटिहार रेल मंडल में कार्यरत लगभग 150 से अधिक आरपीएफ इंस्पेक्टर और सब इंस्पेक्टर भी तबादला सूची में शामिल हैं।

वही स्थानांतरण आदेश जारी होने के बाद आरपीएफ महकमे में हलचल तेज हो गई है। जिसके बाद आरपीएफ के अधिकारी नए कार्यस्थलों के लिए तैयारी में जुट गए हैं। वही इस संबंध में कटिहार रेल मंडल के आरपीएफ कमांडेंट संदीप कुमार पी.एस. ने बताया कि यह रेलवे बोर्ड की नियमित प्रशासनिक प्रक्रिया के तहत किया गया रूटीन तबादला है। इसका उद्देश्य संगठन में कार्यकुशलता बढ़ाना तथा विभिन्न क्षेत्रों में अधिकारियों के अनुभव का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करना है।

कांग्रेस सभी प्रकोष्ठों का करेगी जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन : अमर यादव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । जिला परिषद भवन में मंगलवार को कांग्रेस पार्टी के विभिन्न विभागों एवं प्रकोष्ठों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में युवा कांग्रेस, एनएसयूआई, ओबीसी, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक, महिला कांग्रेस, सेवा दल, स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य अग्रिम संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता संबंधित प्रकोष्ठों के जिला अध्यक्षों ने की, जबकि संचालन सेवा दल के जिला अध्यक्ष सीताराम पासवान ने किया बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश कॉर्डिनेटर सह गिरिडीह प्रभारी अमर यादव उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि जिले में कांग्रेस के सभी मोर्चा एवं संगठन को मजबूत और सक्रिय बनाया जाएगा। साथ ही राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पंचायत स्तर के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए कार्यकताओं को जिम्मेदारी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की नीतियों और सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए व्यापक अभियान चलाया जाएगा तथा निकट भविष्य में सभी प्रकोष्ठों का जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।कांग्रेस स्वास्थ्य विभाग के जिला अध्यक्ष मेराज अहमद (गोल्डी) ने कहा कि स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के समाधान और लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रखंडों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य कार्यक्रम चलाए जाएंगे युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष मोहम्मद सोहेल ने कहा कि संगठन जिलेभर में जनता की समस्याओं का सर्वे कर संबंधित अधिकारियों के समक्ष उन्हें उठाएगा। आवश्यकता पड़ने पर जनहित के मुद्दों को लेकर धरना-प्रदर्शन एवं घेराव भी किया जाएगा कांग्रेस किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष नरेश पाठक ने किसानों को समय पर बीज उपलब्ध कराने के लिए विशेष अभियान चलाने की बात कही। वहीं सेवा दल के जिला अध्यक्ष सीताराम पासवान ने कहा कि वृद्धा पेंशन एवं अन्य सरकारी योजनाओं से वंचित लोगों की सूची तैयार कर उन्हें लाभ दिलाने का प्रयास किया जाएगा। एनएसयूआई जिला अध्यक्ष विनीत भास्कर ने केंद्र सरकार पर शिक्षा व्यवस्था को लेकर निशाना साधते हुए कहा कि नीट पेपर लीक, सीबीएसई मूल्यांकन तथा यूपीएससी जैसी परीक्षाओं के संचालन में लगातार समस्याएं सामने आ रही हैं, जिसके खिलाफ संगठन आवाज उठाएगा। बैठक में चांद रशीद, अमजद अंसारी, मोहम्मद गुलाम शाकिर, गोपाल राय, सुरेश प्रसाद वर्मा, राजेश शर्मा, अशरफ आर. काजमी, रतन शर्मा, मेराजुल हक नाजरी (गोल्डी), परवेज अली, शहनवाज आलम, शमशाद, शैफ, मोहम्मद असलम, नवाज सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में राजस्व संग्रहण एवं राजस्व विभाग से जुड़े मामलों की विभागीय समीक्षा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। उपायुक्त मो० जावेद हुसैन की अध्यक्षता में आज समाहरणालय स्थित सभागार में राजस्व संग्रहण, राजस्व विभाग एवं भू-अर्जन से संबंधित कार्यों की गहन समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर समाहर्ता सुषमा लकड़ा, अनुमंडल पदाधिकारी दिपेश कुमारी, सभी संबंधित विभागों के पदाधिकारी, सभी अंचलाधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में राजस्व, उत्पाद, मत्स्य, परिवहन, नगर पंचायत समेत अन्य विभागों द्वारा मासिक एवं वार्षिक लक्ष्य के विरुद्ध किए गए राजस्व संग्रहण की विस्तृत समीक्षा की गई। उपायुक्त ने विभागों को निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति हेतु आवश्यक प्रयास सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने परिवहन विभाग को जिले में यातायात नियमों का सख्ती से अनुपालन कराने तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर नियमानुसार जुर्माना लगाने के निर्देश दिए। साथ ही नगर पंचायत के साथ समन्वय स्थापित कर नो पार्किंग जोन में खड़े होने वाले वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई करने को कहा, ताकि यातायात व्यवस्था सुगम बनी रहे एवं सड़क जाम की समस्या पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके। राजस्व विभाग से संबंधित दाखिल खारिज समेत अन्य मामलों की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि अंचल कार्यालयों से जुड़े किसी भी मामले को निर्धारित समय-सीमा से अधिक लंबित न रखा जाए। उन्होंने सभी अंचल अधिकारियों को ईमानदारी एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करते हुए प्राथमिकता के आधार पर मामलों का निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही किसी भी आवेदन अथवा मामले को अस्वीकृत करने की स्थिति में स्पष्ट एवं तथ्यात्मक कारण दर्ज करने का निर्देश दिया। बैठक में भू-लगान एवं सेस संग्रहण की अद्यतन स्थिति की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने सभी अंचल अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से दायित्वों का निर्वहन करने तथा अनावश्यक रूप से मामलों को लंबित नहीं रखने के निर्देश दिए। सक्सेशन म्यूटेशन, परिशोधन, ग्रीवांस, सर्टिफिकेट केस, जाति, आय एवं आवासीय प्रमाण-पत्र, अवैध जमाबंदी सहित अन्य महत्वपूर्ण मामलों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने कहा कि आमजनों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कैंपों के माध्यम से भी समस्याओं का समाधान करने पर बल दिया, ताकि लोगों को अनावश्यक कठिनाइयों का सामना न करना पड़े। भूमि अधिग्रहण एवं मुआवजा भुगतान से संबंधित मामलों को लंबित नहीं रखने का निर्देश दिया गया। इसके अतिरिक्त टाना भगत समुदाय से संबंधित अंचलवार अद्यतन विवरणी की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक के अंत में उपायुक्त मो० जावेद हुसैन ने सभी विभागीय अधिकारियों को आपसी समन्वय एवं टीम भावना के साथ कार्य करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त की अध्यक्षता में डीईजीएस, मोबाइल टावर एवं कनेक्टिविटी कमेटी की समीक्षात्मक बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त मो० जावेद हुसैन की अध्यक्षता में जिला ई-गवर्नेंस सोसायटी, मोबाइल टावर एवं कनेक्टिविटी कमिटी की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के प्रखंड एवं पंचायत भवनों में स्थापित भारतनेट एवं झारनेट कनेक्शनों की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक के दौरान झारसेवा एवं कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से आम नागरिकों को उपलब्ध कराई जा रही विभिन्न ऑनलाइन सेवाओं की कार्यप्रणाली पर विस्तृत चर्चा की गई। उपायुक्त ने जिला पंचायती राज विभाग को सभी क्रियाशील भारतनेट कनेक्शनों को शीघ्र रिचार्ज कर नियमित उपयोग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही, ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर को झारसेवा पोर्टल के माध्यम से प्राप्त आवेदनों का समयबद्ध एवं त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने कहा कि ऑनलाइन सेवाओं का प्रभावी क्रियान्वयन एवं त्वरित सेवा वितरण शासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। बैठक में जिले के डार्क जोन गांवों एवं नेटवर्क विहीन क्षेत्रों में मोबाइल कनेक्टिविटी सुदृढ़ करने पर भी चर्चा की गई। उपायुक्त ने बीएसएनएल के प्रतिनिधि को ऐसे क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को संचार सुविधाओं का बेहतर लाभ मिल सके। बैठक में उप विकास आयुक्त प्रवीण कुमार प्रकाश, अपर समाहर्ता सुषमा लकड़ा, अनुमंडल पदाधिकारी दीपेश कुमारी, डीसीएलआर, जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

जपला आरपीएफ को मिला नया नेतृत्वः इंस्पेक्टर संतोष कुमार झा ने संभाली कमान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हुसैनाबाद (पलामू)। जपला आरपीएफ पोस्ट के नवपदस्थापित निरीक्षक प्रभारी संतोष कुमार झा ने मंगलवार को अपने कार्यालय कक्ष में योगदान देकर विधिवत पदभार ग्रहण कर लिया। पदभार संभालने के साथ ही उन्होंने रेल यात्रियों की सुरक्षा और रेल संपत्ति की रक्षा को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बताया।पदभार ग्रहण करने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए निरीक्षक संतोष कुमार झा ने कहा कि अपराधमुक्त रेल परिसर और यात्रियों को सुरक्षित एवं भयमुक्त माहौल उपलब्ध कराना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि रेलवे परिसर और ट्रेनों में यात्रियों की सुरक्षा से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि रेल संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाएगी। साथ ही यात्रियों की शिकायतों और समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए रेलवे हेल्पलाइन 139 पर प्राप्त सूचनाओं पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। कार्यभार संभालने के बाद निरीक्षक झा ने आरपीएफ पोस्ट के अधीनस्थ अधिकारियों और जवानों के साथ परिचयात्मक बैठक की। इस दौरान उन्होंने वर्तमान सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की और ट्रेनों में सफर कर रहे यात्रियों, विशेषकर महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया।

नवनियुक्त प्रभारी ने आम जनता और रेल यात्रियों से भी सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की संदिग्ध वस्तु, संदिग्ध व्यक्ति या असामान्य गतिविधि नजर आने पर तुरंत आरपीएफ को सूचित करें अथवा रेलवे की आपातकालीन हेल्पलाइन 139 पर संपर्क करें। उन्होंने विश्वास जताया कि रेल यात्रियों, स्थानीय लोगों और आरपीएफ के संयुक्त प्रयास से जपला रेलवे क्षेत्र को और अधिक सुरक्षित तथा अपराधमुक्त बनाया जा सकेगा।

डीजल खरीद पर नए नियमों से बढ़ी चिंता, पलामू पेट्रोल पंप एसोसिएशन ने की संशोधन की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हुसैनाबाद, पलामू। भारत सरकार द्वारा वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में उत्पन्न व्यवधानों को देखते हुए डीजल की खुदरा बिक्री को लेकर नए नियम लागू किए गए हैं। नए प्रावधानों के तहत अब आम उपभोक्ता एक दिन में अधिकतम 200 लीटर डीजल ही खरीद सकेंगे। साथ ही, डीजल केवल वाहन की टंकी में अथवा पीईएसओ (पेट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन) से अनुमोदित कंटेनरों में ही दिया जाएगा। सरकार के इस फैसले से किसानों, स्कूलों, कॉलेजों, अस्पतालों, निर्माण कार्यों और डीजल आधारित उपकरणों एवं जनरेटर पर निर्भर संस्थानों के सामने नई चुनौतियां खड़ी होने की आशंका जताई जा रही है। नए नियमों के अनुसार सामान्य गैलन या गैर-अनुमोदित कंटेनरों में डीजल की बिक्री पर रोक रहेगी। नियम के तहत कार, ट्रैक्टर, बस और अन्य वाहनों के मालिकों के लिए भी प्रति

वाहन प्रतिदिन 200 लीटर डीजल खरीदने की सीमा निर्धारित की गई है।

इस संबंध में पलामू प्रमंडल पेट्रोल पंप एसोसिएशन के सचिव विनोद कुमार सिंह ने कहा कि यदि सरकार इस नियम में व्यावहारिक संशोधन नहीं करती है, तो इसका सबसे अधिक असर किसानों और छोटे व्यवसायों पर पड़ेगा। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकांश किसान सामान्य गैलन में डीजल लेकर कृषि कार्यों का संचालन करते हैं। नए नियम लागू होने के बाद किसानों को डीजल लेने के लिए ट्रैक्टर या अन्य कृषि उपकरणों के साथ पेट्रोल पंप तक आना पड़ सकता है, जिससे अतिरिक्त डीजल की खपत होगी और उन पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा।उन्होंने कहा कि स्कूलों, कॉलेजों, अस्पतालों तथा जनरेटर आधारित आवश्यक सेवाओं से जुड़े संस्थानों को भी पीईएसओ से अनुमोदित कंटेनरों की व्यवस्था करनी होगी, जिससे उनकी परिचालन लागत बढ़ सकती है। पलामू प्रमंडल पेट्रोल पंप एसोसिएशन ने केंद्र सरकार से किसानों और आवश्यक सेवाओं से जुड़े संस्थानों की व्यावहारिक समस्याओं को ध्यान में रखते हुए इस नियम पर पुनर्विचार करने तथा आवश्यक संशोधन करने की मांग की है।

कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की छात्राओं ने निकाली नशा मुक्ति जागरुकता रैली

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हुसैनाबाद। युवाओं और समाज को नशे के चंगुल से बचाने तथा एक स्वस्थ समाज के निर्माण के उद्देश्य से सोमवार को हुसैनाबाद प्रखंड अंतर्गत 'पीएम श्री कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय' में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत एक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यालय की छात्राओं और शिक्षकों ने पूरे जोश के साथ लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक किया। यह जागरूकता रैली विद्यालय की वार्डेन सह शिक्षिका वंदना पांडेय के नेतृत्व में निकाली गई। रैली में विद्यालय के सभी शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मी और भारी संख्या में छात्राएं शामिल हुईं। हाथों में नशा विरोधी नारों की तख्तियां लिए छात्राओं ने विद्यालय परिसर से निकलकर आसपास के विभिन्न पोषक क्षेत्रों का भ्रमण किया। रैली के दौरान छात्राओं ने गगनभेदी

नारों के जरिए आम लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। उन्होंने समाज के हर वर्ग, विशेषकर युवाओं से हर प्रकार के नशे तंबाकू, शराब और अन्य नशीले पदार्थ से दूर रहने की अपील की। रैली को संबोधित करते हुए विद्यालय की वार्डेन वंदना पांडेय ने कहा की नशा न केवल एक व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक रूप से खोखला करता है, बल्कि पूरे परिवार और समाज को बर्बादी की कगार पर लाकर खड़ा कर देता है। आज की युवा पीढ़ी को इस लत से बचाना बेहद जरूरी है। हमारी छात्राओं ने आज संकल्प लिया है कि वे अपने घर और आस-पड़ोस को नशा मुक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयास करेंगी।" उन्होंने आगे कहा कि जब बच्चे किसी सामाजिक बुराई के खिलाफ आवाज उठाते हैं, तो उसका समाज पर गहरा और सकारात्मक असर पड़ता है। रैली के समापन पर सभी ने सामूहिक रूप से देश और समाज को नशा मुक्त बनाने की शपथ ली। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षिका शारदा भारती, आरजू खान, नीलम मेहता, सुमन कुमारी, मीना देवी, चांदनी कुमारी, मनीष सिंह, विशाल सिंह आदि का सराहनीय योगदान रहा।

मित्रसेनपुर जाने वाली सड़क बदहाल, आवागमन में भारी परेशानी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। अंबा-नवीनगर मुख्य पथ से मुड़ीला नहर होते हुए मित्रसेनपुर और बसौरा गांव को जोड़ने वाली सड़क पूरी तरह जर्जर हो चुकी है। सड़क की बदहाल स्थिति के कारण ग्रामीणों का आवागमन कठिन हो गया है। हालात ऐसे हैं कि सड़क पर वाहन चलाना तो दूर, पैदल चलना भी जोखिम भरा हो गया है। ग्रामीणों के अनुसार सड़क पर बने बड़े-बड़े गड्ढों के कारण आए दिन दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। सड़क निर्माण के दौरान बिछाए गए पत्थर अधिकांश स्थानों पर धंस चुके हैं, जिससे जगह-जगह खतरनाक गड्ढे बन गए हैं। वहीं मुड़ीला गांव के समीप सड़क किनारे स्थित बिजली का झुका हुआ पोल भी यात्रियों के लिए जानलेवा साबित हो रहा है और आवागमन में अतिरिक्त बाधा उत्पन्न कर रहा है। स्थिति यह है कि साइकिल और बाइक सवार किसी तरह इस मार्ग से गुजरते हैं, जबकि चारपहिया वाहनों को औरंगाबाद-डाल्टेनगंज पथ स्थित एरका सिंचाई कॉलोनी होते हुए उत्तर कोयल नहर मार्ग से गांव पहुंचना पड़ता है। जर्जर सड़क के कारण लोगों का समय और ईंधन दोनों अधिक खर्च हो रहे हैं। यह सड़क मुड़ीला, मित्रसेनपुर और बसौरा गांव के ग्रामीणों के लिए प्रमुख संपर्क मार्ग है। साथ ही बरहेता और मांझार गांव के लोगों के लिए यह एक महत्वपूर्ण शॉर्टकट मार्ग के रूप में उपयोग होती है। बरसात के दिनों में बरहेता गांव के अधिकांश ग्रामीण इसी सड़क से आवागमन करते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि लंबे समय से सड़क की मरम्मत और पुनर्निर्माण की मांग की जा रही है।

शहर के कई मोहल्लों में नालियां पड़ी है जर्जर, बढ़ी परेशानी

औरंगाबाद। शहर में बुनियादी सुविधाओं के नाम पर किए जा रहे विकास कार्यों की वास्तविक तस्वीर अब सामने आने लगी है। शहर के विभिन्न वार्डों में नाली व सड़क निर्माण का काम तो हुआ परंतु घटिया कार्य और गुणवत्ता के अभाव में निर्माण लंबे समय तक ठीक नहीं पा रही है। स्थिति यह है कि कई जगहों पर नालियों की पट्टियां व सड़के बनने के एक वर्ष के अंदर ही टूटकर बिखरने लगी है। इससे जहां आम लोगों की परेशानी हो रही है। वहीं नगर परिषद व संवेदक के कार्यशैली पर भी गंभीर प्रश्नचिन्ह लग गए हैं। बता दें कि पिछले दो वर्षो में शहर के कई वार्डों में नालियां व सड़कों के निर्माण पर लाखों रुपये खर्च किए गए थे। जिसका उद्देश्य था कि जलजमाव की समस्या से राहत दिलाना व बेहतर आवागमन उपलब्ध कराना था परंतु मानकों की अनदेखी के कारण इसका उल्टा असर दिखने लगा है। कई इलाकों में नालियों की पट्टियां जगह-जगह से टूट चुकी है। कुछ धंस भी गई है। टूटे हुए नाली में फिसलकर कई लोग चोटिल हो चुके हैं। खासकर बच्चों को अधिक परेशानियां झेलनी पड़ती है।

28 से 30 जून तक चलेगा पल्स पोलियो अभियान, 22 जून को समन्वय समिति की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हुसैनाबाद, पलामू। जिले के हुसैनाबाद अनुमंडल क्षेत्र में आगामी पल्स पोलियो (एनआईडी-2026) अभियान को सफल बनाने की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इस संबंध में अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) हुसैनाबाद ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों को पत्र जारी कर समन्वय समिति की बैठक में भाग लेने का अनुरोध किया है।

जारी पत्र के अनुसार, पोलियो उन्मूलन कार्यक्रम के तहत 28 जून से 30 जून 2026 तक विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। अभियान के सफल संचालन और व्यापक जनजागरूकता के उद्देश्य से 22 जून 2026 को पूर्वाह्न 11 बजे अनुमंडल पदाधिकारी के सभागार में समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई है।

बैठक में हुसैनाबाद, हैदरनगर और मोहम्मदगंज प्रखंडों के प्रमुख, उपप्रमुख, बीडीओ, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, आपूर्ति पदाधिकारी, कृषि पदाधिकारी, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, महिला पर्यवेक्षिका, जीविका प्रतिनिधि, नेहरू युवा केंद्र, निजी विद्यालय संघ तथा प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है। अनुमंडल प्रशासन ने सभी संबंधित विभागों और संस्थाओं से बैठक में अनिवार्य रूप से शामिल होकर पल्स पोलियो अभियान को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग देने की अपील की है।

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी आमंत्रण सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 अनुबंध प्रदान करने के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के मार्फ़त आईआरईपीएस पोर्टल के ज़रिए ई-नीलामी आमंत्रित करते हैं। इसका विवरण निम्नानुसार है:- **कैटलॉग संख्या:** एमएसएस-एएसएन-29-06। **नीलामी शुरू होने की तारीख और समय:** 29.06.2026 को दोपहर 12:00 बजे। **एसईक्यू.संख्या:** एए/1। **लॉट संख्या:** एमएसएस-एएसएन-डीयूएमके-एसटीजीईएन-171-26-1 (मिसलेनियस-स्टैटिक-सर्विसेज-स्टैटिक जनरल)। **विवरण:** 03 वर्षों की अवधि के लिए दुमका रेलवे स्टेशन के स्टेशन भवन के सामने स्केच प्लान में दर्शाये गए अनुसार निर्धारित स्थान पर मनोरंजन सम्बन्धी गतिविधियों के प्रावधान सहित पार्क का परिचालन, रखरखाव एवं देखभाल। सभी भावी बोलीदाताओं को यह सलाह दी जाती है कि वे पूरी जानकारी के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखें और अनुसूची के अनुसार ऊपर बताए गए ई-नीलामी के तहत भाग लें।

(ASN-140/2026-27)

निविदा सूचना वेबसाइट:www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

वरिष्ठ मंडल अभियंता/2, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के नज़दीक, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस या किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के पास पंजीकृत समेत समरूप प्रकृति के कार्य का अनुभव एवं आवश्यक वित्तीय क्षमता रखने वाले निविदादाताओं से ऑनलाइन के जरिये निम्नलिखित ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **[वरिष्ठ डीईएन/2/हावड़ा]: ई-निविदा संख्या: 125_2026-27, दिनांक: 15.06.2026। कार्य का विवरण:** वरिष्ठ मंडल अभियंता/2/ हावड़ा के न्यायक्षेत्र के अधीन वेल्डिंग पोर्शन की आपूर्ति। **अनुमानित लागत:** ₹ 2,02,94,270। **बयाना राशि:** ₹ 4,05,900। **निविदा प्रपत्र की कीमत:** शून्य। **पूरा करने की अवधि:** 12 महीना। निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित बंद होने की तारीख को किसी कारणवश छुट्टी/बंद/हड़ताल घोषित होने पर ऑनलाइन निविदा के बंद होने की तारीख में कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में आवेदन निविदा बंद होने की तारीख एवं समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि, ऑनलाइन निविदा को अगले कार्य दिवस में खोला जाएगा। **निविदा बंद होने की तारीख और समय:** 06.07.2026 को दोपहर 2:00 बजे। निविदा का सम्पूर्ण विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदादाताओं से अनुरोध है कि वे उपर्युक्त वेबसाइट पर अपने प्रस्ताव ऑनलाइन जमा करें। मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

(HWH-161/2026-27)

निविदा सूचना वेबसाइट:www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना संख्या: एसजी.टेंडर/डीवाईसीपीएम/एसएनटी/एएसएन/01, दिनांक: 17.06.2026। उप मुख्य परियोजना प्रबंधक, गति शक्ति यूनिट, संकेत एवं दूरसंचार, पूर्व रेलवे, सियालदह, काइज़र स्ट्रीट, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **ई-निविदा संख्या: डीसीपीएम-जीएस-एसएनटी-एएसएन-01-26-27। कार्य का नाम सहित उसका स्थान:** दुमका-बासुकीनाथ और दुमका-बारापलासी खंड में न्यू मदनपुर (एमपीयूआर) स्टेशन पर; अंडाल जंक्शन (यूडीएल)-सीतारामपुर (एसटीएन) खंड में तपसी (टीओपी) स्टेशन पर; और सीतारामपुर (एसटीएन)-प्रधानखांटा (पीकेए) खंड में छोटा अंबाना (सीएएम) स्टेशन पर आरडीएसओ ईआई स्पेसिफिकेशन आरडीएसओ/एसपीएन/192/2019 (नवीनतम संशोधनों के साथ) के अनुरूप नए इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (ईआई) सिस्टम के प्रावधान के सम्बन्ध में एस एंड टी कार्य के सम्बन्ध में एस एंड टी कार्य, न्यू मदनपुर, छोटा अंबाना, तपसी और सोनाचारा स्टेशनों पर अनुमोदित एसआईपी के अनुसार यार्ड रीमॉडलिंग कार्य के सम्बन्ध में अंडाल जंक्शन (यूडीएल)-सीतारामपुर (एसटीएन) खंड में सोनाचारा (एसएससीआर) स्टेशन पर मौजूदा अलसंडो (हिताची) निर्मित माइक्रोलोक-II ईआई सिस्टम में बदलाव/ रूपांतरण; और पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल के मार्शलिंग यार्ड में अंडाल न्यू आरओएच शेड में साइट की ज़रूरतों के अनुसार विभिन्न एस एंड टी मदों से जुड़े संकेत एवं दूरसंचार कार्य। **निविदा मूल्य:** ₹ 33,10,99,035.76। **निविदा दस्तावेज की कीमत:** शून्य। **जमा की जानेवाली बयाना राशि/बोली प्रतिभूति:** ₹ 66,22,000। **कार्य पूरा करने की अवधि:** 12 महीना। **निविदा जमा शुरू होने की तारीख:** 15.06.2026। **निविदा जमा बंद होने की तारीख:** 08.07.2026 को अपराह्न 3.00 बजे तक। **निविदा बोली खुलने की तारीख:** 08.07.2026 को अपराह्न 3.30 बजे। **विवरण जहाँ उपलब्ध है: www.ireps.gov.in। तकनीकी पात्रता की शर्तें:** निविदादाता को जिस महीने में निविदा आमंत्रित की गई है उसके ठीक पहले वाले महीने के अंतिम दिन को समाप्त विगत 07 (सात) वर्षों के दौरान कार्य (र्यों) की निम्नलिखित श्रेणियों में से कोई भी एक कार्य को सफलतापूर्वक पूरा किया हुआ होना अथवा काफी हद तक पूरा किया हुआ होना चाहिए: (i) समरूप प्रकृति के तीन कार्य, जिसमें से प्रत्येक की कीमत निविदा के विज्ञापित मूल्य के कम से कम 30% की राशि के समान हो अथवा (ii) समरूप प्रकृति के दो कार्य, जिसमें से प्रत्येक की कीमत निविदा के विज्ञापित मूल्य के कम से कम 40% की राशि के समान हो अथवा (iii) समरूप प्रकृति का एक कार्य, जिसकी कीमत निविदा के विज्ञापित मूल्य के कम से कम 60% की राशि के समान हो। **वित्तीय पात्रता की शर्तें:** निविदादाता के पास वी/एन अथवा 'वी', जो भी कम हो, का न्यूनतम औसतन वार्षिक ठेकागत कारोबार अवश्य होना चाहिए; जहाँ वी = निविदा का विज्ञापित मूल्य करोड़ रुपये में, एन = कार्य संपादन हेतु निर्धारित वर्षों की संख्या, जिसके लिए बोलियां आमंत्रित की गई हैं। औसत वार्षिक ठेकागत कारोबार की गणना लेखा-परीक्षित तुलन पत्र के अनुसार विगत तीन वित्तीय वर्षों में "कुल ठेकागत भुगतान" के औसत के रूप में की जाएगी। तथापि, पिछले वर्ष का तुलन पत्र अभी तक तैयार/लेखा-परीक्षित ना होने के मामले में, औसत वार्षिक ठेकागत कारोबार की गणना के लिए पिछले चौथे वर्ष के लेखा-परीक्षित तुलन पत्र पर विचार किया जायेगा। निविदादाता को लेखा-परीक्षित तुलन पत्र द्वारा यथोचित समर्थित सनदी लेखापाल से प्राप्त प्रमाणपत्र/सनदी लेखापाल द्वारा यथोचित प्रमाणित लेखा-परीक्षित तुलन पत्र की प्रतियों के साथ जीसीसी 2022 के अनुलग्नक-VIबी (इंस्टेंट निविदा दस्तावेज की प्रपत्र-6) के अनुसार आवश्यक जानकारियां अवश्य जमा करनी होंगी। **जमा किये जाने वाले अन्य दस्तावेज:** निविदा दस्तावेज में उल्लिखित अनुसार। **समरूप प्रकृति का कार्य:** इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग कार्य [इंडोर या (इंडोर+आउटडोर)] तथा/या पैनल इंटरलॉकिंग कार्य [इंडोर या (इंडोर+आउटडोर)] तथा/या रूट रिले इंटरलॉकिंग कार्य [इंडोर या (इंडोर+आउटडोर)]। **द्रष्टव्य:** निविदादाता को निविदा प्रस्ताव के साथ निविदा दस्तावेज में उल्लिखित अनुसार पात्रता की शर्तों को पूरा करने के उनके/उसके दावे के समर्थन में दस्तावेज अवश्य जमा करना होगा। निविदादाता द्वारा जमा किये जाने वाले अनुशंसा पत्र के समर्थन में दस्तावेजों/प्रमाणपत्रों की प्रतियों के प्रत्येक पृष्ठ पर निविदादाता या निविदा देने वाली फर्म के अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा स्व-अभिप्रमाणन/डिजीटल रूप से हस्ताक्षर अवश्य होने चाहिए। स्व-सत्यापन में शामिल हैं हस्ताक्षर, मुहर एवं तारीख (प्रत्येक पृष्ठ पर)।

(SDAH-85/2026-27)

निविदा सूचना वेबसाइट:www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 अनुबंध प्रदान करने के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के मार्फ़त आईआरईपीएस पोर्टल के ज़रिए खुली ई-नीलामी आमंत्रित करते हैं। इसका विवरण निम्नानुसार है:- **नीलामी श्रेणी:** पे एंड यूज़ लाउन्जेस। **ई-नीलामी कैटलॉग संख्या:** पीएएन-लाउन्ज-26-3। **ई-नीलामी शुरू होने की तारीख और समय:** 01.07.2026 को दोपहर 12:00 बजे। **प्रकार:** प्रीमियम लाउन्ज के क्रमोन्नयन, परिचालन एवं रखरखाव के लिए अनुबंध। **स्टेशन/लोकेशन का नाम:** पानागढ़ रेलवे स्टेशन। सभी भावी बोलीदाताओं को यह सलाह दी जाती है कि वे पूरी जानकारी के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखें और अनुसूची के अनुसार ऊपर बताए गए ई-नीलामी के तहत भाग लें।

(ASN-139/2026-27)

निविदा सूचना वेबसाइट:www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी आमंत्रण सूचना

ई-नीलामी सूचना संख्या: सीओएम/पीयूबी/एचडब्ल्यूएच/26/18 दिनांक: 15.06.2026

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा मंडल, न्यू डीआरएम बिल्डिंग, चौथी मंज़िल, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा-711101 द्वारा पूर्व रेलवे के हावड़ा मंडल के **डानकुनी एवं खागड़ाघाट रोड स्टेशन पर वातानुकूलित प्रतीक्षालय तथा हावड़ा स्टेशन, न्यू कॉम्प्लेक्स में स्लीपिंग पॉड्स का अनुबंध** प्रदान करने हेतु ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। नीलामी कैटलॉग को वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर अपलोड किया गया है। **कैटलॉग संख्या : पीयूबी-एचडब्ल्यूएच-26-18। नीलामी शुरू होने की तारीख और समय:** 30.06.2026 को दोपहर 2.00 बजे। **क्रम संख्या; एसईक्यू.संख्या; लॉट संख्या** एवं **विवरण** निम्नानुसार हैं: **1**; एए/1; **पीएनयू-एचडब्ल्यूएच-डीकेएई-डब्ल्यूआरएल-84-26-1** (पे एंड यूज़- लाउंजेस/वेटिंग/रिटायरिंग/क्लोक रूम्स) एवं पांच (05) वर्षों की अवधि के लिए हावड़ा मंडल के अधीन डानकुनी रेलवे स्टेशन पर वातानुकूलित प्रतीक्षालय का क्रमोन्नयन, रखरखाव तथा पहरा देने के लिए अनुबंध प्रदान करना। **2**; एए/2; **पीएनयू-एचडब्ल्यूएच-केजीएलई-डब्ल्यूआरएल-85-26-1** (पे एंड यूज़ - लाउंजेस/वेटिंग/रिटायरिंग/क्लोक रूम्स) एवं पांच (05) वर्षों की अवधि के लिए हावड़ा मंडल के अधीन खागड़ाघाट रोड रेलवे स्टेशन पर वातानुकूलित प्रतीक्षालय का क्रमोन्नयन, रखरखाव तथा पहरा देने के लिए अनुबंध प्रदान करना। **3**; बीए/1; **एमएसएस-एचडब्ल्यूएच-एचडब्ल्यूएच-एसएलपीओडी-87-26-1** (मिसलेनियस-स्टैटिक-सर्विसेज-स्लीपिंग पॉड्स एट स्टेशन) एवं दस (10) वर्षों की अवधि के लिए हावड़ा स्टेशन, न्यू कॉम्प्लेक्स पर आरओएमटी (रेनोवेट ऑपरेट मेन्टेन एंड ट्रांसफर) के आधार पर आधुनिक सुख-सुविधाओं के साथ स्लीपिंग पॉड्स की स्थापना, परिचालन एवं रखरखाव के लिए अनुबंध प्रदान करना।

(HWH-160/2026-27)

निविदा सूचना वेबसाइट:www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway easternrailwayheadquarter

आद्रा मंडल के तहत पे एंड यूज टॉयलेट, पार्किंग एवं कैटरिंग अनुबंध के लिए ई–नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे, आद्रा द्वारा पे एंड यूज टॉयलेट, पार्किंग और कैटरिंग अनुबंध के लिए ई–नीलामी आमंत्रित की जाती है: **क्रम सं., कैटेगरी, नीलामी कैटलॉग सं., लॉट सं./कैटेगरी, नीलामी शुरू और नीलामी समाप्त होने की तिथि/समय** निम्नानुसार हैं **: (1), पे एंड यूज,** पेएनयू33, पीएनयू–एडीआरए–बीकेएससी–टीओआई–59–26–1 (पे एंड यूज–टॉयलेट), 02.07.26 को 12.00.00, 02.07.26 को 12.30.00, **(2), पार्किंग,** पार्क117, पार्किंग–एडीआरए–एडीआरए–आरडब्ल्यू–88–26–1 (पार्किंग–थ्री व्हीलर), 02.07.26 को 12.00.00, 02.07.26 को 12.30.00, **(3), कैटरिंग,** सीएटीजी49, सीएटीजी–एडीआरए–जीयूजी–जीएमयू–102–26–1 (कैटरिंग जनरल माइनर यूनिट (जीएमयू)), 08.07.26 को 12.00.00, 08.07.26 को 12.30.00, **(4), कैटरिंग,** सीएटीजी49, सीएटीजी–एडीआरए–जेओसी–एसएमयू–98–26–1 (कैटरिंग स्पेशल माइनर यूनिट (एसएमयू)), 08.07.26 को 12.00.00, 08.07.26 को 12.40.00, **टिप्पणी:** प्रत्याशित बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे आईआरईपीएस वेबसाइट: **(www.ireps.gov.in)** पर ई–नीलामी लीजिंग मॉड्यूल देखें। यदि कोई पूछताछ/स्पष्टीकरण हो, तो कृपया अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय से संपर्क करें।

(PR-343) **वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, आद्रा**

दक्षिण पूर्व रेलवे
मुस्कान के साथ सेवा

करंट के संपर्क में आने से बस में बैठे दंपत्ति की मौत

जान बचाने के लिए चलती बस से कूदे लोग, दस से अधिक झुलसे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। मजदूरी कर घर लौटने की खुशी महज दो किलोमीटर पहले ही मातम में बदल गई। बुधवार को गिरियक थाना क्षेत्र के शंभू शरण मंदिर के समीप मजदूरों से भरी एक स्लीपर बस अचानक मौत का जाल बन गई, जब उसमें तेज करंट दौड़ गया।

इस दर्दनाक हादसे में घोषरावा गांव निवासी रूदल मांझी (50) और उनकी पत्नी फूलो देवी (45) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि करीब 10 लोग गंभीर रूप से झुलस गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बस में सवार सभी मजदूर बेतिया के नरकटियागंज प्रखंड स्थित चौतरवा गांव के ईंट भट्टे से काम कर अपने गांव घोषरावा लौट रहे थे।

घर से महज दो किलोमीटर पहले पावापुरी-घोषरावा मुख्य मार्ग पर शंभू शरण मंदिर के पास यह हादसा हो गया।

बताया जाता है कि सड़क के ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन बिजली तार काफी नीचे झूल रही थी।

इसी दौरान बस की छत पर रखी साइकिल का हैंडल तार से टकरा गया। संपर्क होते ही पूरी बस में तेज करंट दौड़ गया और कुछ ही पलों में चीख-पुकार मच गई।

अचानक हुए इस हादसे से बस में अफरातफरी मच गई। जान बचाने के लिए कई यात्री चलती बस से ही कूद पड़े, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं बस के अंदर फंसे कई लोग करंट की चपेट में आकर झुलस गए।

रूदल मांझी और उनकी पत्नी फूलो देवी बस के अंदर ही थे। करंट लगते ही दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद बस में सवार लोगों के बीच दहशत फैल गई।

मृतक दंपति अपने पीछे सात बच्चों का भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। इनमें चार पुत्र और तीन पुत्रियां शामिल हैं। दो बेटियों की शादी हो चुकी है, जबकि बाकी छोटे-छोटे बच्चों के सिर से अब माता-पिता का साया उठ गया है।

घटना की सूचना मिलते ही घोषरावा गांव में कोहराम मच गया। पूरे इलाके में मातमी सन्नाटा पसर गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

घटना की जानकारी मिलते ही पावापुरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बस से बाहर निकाला गया।

सभी घायलों को तत्काल भगवान महावीर आयुर्विज्ञान संस्थान, पावापुरी में भर्ती कराया गया है, जहां कई की हालत गंभीर बनी हुई है।

विवाहिता ने की फांसी लगाकर आत्महत्या

नवादा। नेमदारगंज थाना क्षेत्र के तेयार गांव में बुधवार को एक हृदयविदारक घटना हुई। जहां घर से पति के बाहर जाने के कुछ ही देर बाद पत्नी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है।

मृतका की पहचान तेयार गांव निवासी दीपक साहू की पत्नी राखी देवी के रूप में की गई है। बताया जाता है कि घटना के समय पति किसी काम से घर से बाहर गए हुए थे। इसी दौरान राखी देवी ने घर के अंदर गले में फंदा लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली।

घटना की जानकारी मिलते ही स्वजन में कोहराम मच गया। ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई। राखी देवी अपने पीछे दो छोटे बच्चों को छोड़ गई हैं, जिनके सिर से मां का साया उठ जाने से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

सूचना मिलने पर नेमदारगंज थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, नवादा भेज दिया। इस संबंध में नेमदारगंज थानाध्यक्ष रंजीत कुमार ने बताया कि मामले को लेकर अभी तक कोई लिखित आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है।

नाली विवाद ने लिया हिंसक रूप, दोनों पक्ष से 15 घायल

जमकर चले लाठी-डंडे और कुदाल, पुलिस कर रही छानबीन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुंगेर। असरगंज थाना क्षेत्र के मसूदानपुर कमराय गांव में नाली को लेकर हुए विवाद ने बुधवार को हिंसक रूप ले लिया। दो पक्षों के बीच जमकर लाठी-डंडे और कुदाल चले, जिसमें दोनों पक्षों के कुल 15 लोग घायल हो गए। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

सूचना मिलते ही असरगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र असरगंज में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद 11 गंभीर घायलों को बेहतर इलाज के लिए भागलपुर स्थित मायागंज अस्पताल रेफर कर दिया गया।

पहले पक्ष से 23 वर्षीय पीयूष आनंद, 30 वर्षीय हिमांशु शेखर, 40 वर्षीय रंजीत ठाकुर, 28 वर्षीय दिव्यांशु शेखर, 55 वर्षीय जदयू प्रदेश महासचिव (अति पिछड़ा प्रकोष्ठ) विनोद कुमार ठाकुर तथा 17 वर्षीय आयुष आनंद को मायागंज रेफर किया गया। वहीं रीता देवी और पूनम देवी को मामूली चोटें आई हैं।

दूसरे पक्ष से 46 वर्षीय शैम्पुल देवी, 22 वर्षीय राजा कुमार, 35 वर्षीय मंगल कुमार, 60 वर्षीय केलू साह और 61 वर्षीय सुनीता देवी को गंभीर हालत में मायागंज अस्पताल भेजा गया। रामकुमार और सुलेखा देवी को हल्की चोटें आई हैं।

ग्रामीणों के अनुसार विवाद उस समय शुरू हुआ, जब मंगल कुमार साह अपने घर के बाहर स्थित नाले को मिट्टी से भर रहे थे। इसका विनोद कुमार ठाकुर और उनके परिजनों ने विरोध किया। देखते ही देखते कहासुनी मारपीट में बदल गई और दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए।

मंगल कुमार साह का दावा है कि नाला उनकी निजी जमीन पर है, जबकि विनोद कुमार ठाकुर का कहना है कि वह सरकारी नाला है और उस पर नल-जल योजना का पाइप भी लगा हुआ है। इसी विवाद ने हिंसक संघर्ष का रूप ले लिया।

घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है।

हालांकि पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित कर लिया है। पुलिस के अनुसार अभी तक किसी भी पक्ष की ओर से थाने में लिखित आवेदन नहीं दिया गया है। आवेदन मिलने के बाद प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

प्रतिबंधित संगठन पीएफआई का सक्रिय सदस्य गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। प्रतिबंधित संगठन पीएफआई (पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया) के पूर्व सक्रिय सदस्य और जिला परिषद सदस्य हंजला शेख को पाकुड़ जिले की मुफस्सिल थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस ने यह कार्रवाई न्यायालय द्वारा जारी सजायाफ्ता वारंट के आधार पर की।

मुफस्सिल थाना प्रभारी गौरव कुमार ने गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि वर्ष 2019 में किए गए एक अवैध प्रदर्शन से जुड़े मामले में हंजला शेख के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। मामले की सुनवाई के बाद न्यायालय ने उन्हें क्रिमिनल लॉ अमेंडमेंट एक्ट के तहत दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई थी। इसी मामले में जारी वारंट के आलोक में पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार किया।

पुलिस के अनुसार, न्यायालय से सजा मिलने के बाद हंजला शेख के खिलाफ सजायाफ्ता वारंट लंबित था। वारंट के निष्पादन के लिए पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही थी। इसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

हंजला शेख वर्तमान में जिला परिषद सदस्य भी हैं और क्षेत्रीय राजनीति में सक्रिय माने जाते हैं। उनकी गिरफ्तारी के बाद स्थानीय स्तर पर इस मामले को लेकर चचाओं का दौर तेज हो गया है। राजनीतिक और सामाजिक हलकों में भी इस कार्रवाई को लेकर प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।

गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने वर्ष 2022 में पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) और उससे जुड़े कई संगठनों पर गैरकानूनी गतिविधियों में संलिप्तता के आरोपों के आधार पर प्रतिबंध लगाया था। हालांकि, हंजला शेख की गिरफ्तारी वर्ष 2019 के एक मामले में न्यायालय द्वारा सुनाई गई सजा और जारी वारंट के संबंध में की गई है।

महंगाई, बेरोजगारी को ले सड़क पर उतरे लोग

राजद कार्यकर्ताओं ने लगाये सरकार विरोधी नारे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। बिहार में बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के मुद्दे को लेकर राष्ट्रीय जनता दल ने बुधवार को गयाजी में सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। मगध प्रमंडल मुख्यालय स्थित गांधी मैदान के समीप नंबर गेट पर राजद नेताओं और कार्यकर्ताओं ने धरना-प्रदर्शन कर केंद्र और बिहार सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की तथा जनहित के मुद्दों पर आंदोलन तेज करने का ऐलान किया।

धरना-प्रदर्शन में राजद के विधायक, पूर्व विधायक और सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में बैनर और तख्तियां लेकर सरकार विरोधी नारे लगाए। नेताओं ने कहा कि आम जनता महंगाई और बेरोजगारी से परेशान है, लेकिन सरकार मूल समस्याओं का समाधान करने के बजाय लोगों का ध्यान भटकाने का प्रयास कर रही है।

धरने को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक विनय कुमार यादव, राजद नेत्री तनुश्री तथा वरिष्ठ नेता रौशन मांझी ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। नेताओं ने कहा कि बिहार में युवा रोजगार मांग रहे हैं, लेकिन उन्हें नौकरी के बजाय लाठियां मिल रही हैं। राजद नेताओं ने कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई ने आम जनता की कमर तोड़ दी है। दैनिक उपयोग की वस्तुओं के साथ-साथ बिजली, पानी और रसोई गैस जैसी बुनियादी सुविधाएं भी लोगों के लिए महंगी होती जा रही हैं।नेताओं ने दावा किया कि राजद जनता की आवाज बनकर संघर्ष करता रहेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों से ध्यान हटाकर समाज को बांटने की राजनीति कर रही है। प्रदर्शन के दौरान नेताओं ने सरकार से महंगाई पर नियंत्रण, युवाओं को रोजगार, भ्रष्टाचार पर प्रभावी कार्रवाई और आम जनता को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की।

चयन से खिले छात्रों के चेहरे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शिवाजीनगर। प्रखंड स्थित डीडीएस अकादमी ने एक बार फिर शानदार सफलता हासिल करते हुए क्षेत्र का नाम रोशन किया है। अकादमी के आठ छात्रों का चयन बिहार पुलिस में तथा एक छात्र का सीमा सुरक्षा बल बीएसएफ में हुआ है। इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी और उत्साह का माहौल है।

चयनित अभ्यर्थियों के सम्मान में अकादमी परिसर में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों और समाजसेवियों ने भाग लिया। छात्रों ने कहा कि शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन, अनुशासित प्रशिक्षण और निरंतर प्रेरणा के कारण ही वे इस मुकाम तक पहुंच सके हैं।

शिविरों में हो रहा लोगों की समस्याओं का समाधान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शिवाजीनगर। प्रखंड मुख्यालय में आयोजित तीन दिवसीय प्रखंड सहयोग सह जनकल्याण शिविर में प्रखंड क्षेत्र के सभी 17 पंचायतों से बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याओं और शिकायतों को लेकर पहुंच रहे हैं। शिविर का मुख्य उद्देश्य आम जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान करना तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाना है। शिविर में आने वाले फरियादियों की सुविधा के लिए विभिन्न विभागों के अलग-अलग काउंटर बनाए गए हैं। इनमें राजस्व, आपूर्ति, सामाजिक सुरक्षा, मनरेगा, बाल विकास परियोजना, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, पंचायत राज, आवास योजना, जीविका सहित अन्य विभागों के काउंटर शामिल हैं।

प्रत्येक काउंटर पर संबंधित विभाग के कर्मी एवं पदाधिकारी उपस्थित रहकर लोगों की समस्याएं सुन रहे हैं तथा आवेदन प्राप्त कर उनका निष्पादन करने की प्रक्रिया शुरू कर रहे हैं।

अधिकारियों का कहना है कि शिविर में आने वाले प्रत्येक लाभुक की शिकायत एवं समस्या का निष्पक्ष तरीके से निस्तारण करने का प्रयास किया जा रहा है। जिन मामलों का समाधान तत्काल संभव है, उनका मौके पर ही निष्पादन किया जा रहा है, जबकि जांच से संबंधित मामलों को संबंधित विभागों को भेजकर शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। शिविर में राशन कार्ड, वृद्धावस्था पेंशन, आवास योजना, भूमि विवाद, जाति, आय एवं निवास प्रमाण पत्र, मनरेगा भुगतान, स्वास्थ्य सुविधाओं सहित विभिन्न योजनाओं से जुड़ी समस्याओं के आवेदन बड़ी संख्या में प्राप्त हो रहे हैं।

लाभुकों ने बताया कि एक ही स्थान पर सभी विभागों के अधिकारी उपलब्ध रहने से उन्हें अपनी समस्याएं रखने और समाधान प्राप्त करने में काफी सुविधा हो रही है।

बदमाशों ने सैलून संचालक को मारी गोली

दुकान बंद कर घर लौट रहा था घायल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पूर्णिया। जिले में अपराधियों का दुस्साहस एक बार फिर सामने आया है। मधुबनी थाना क्षेत्र में बाइक सवार बदमाशों ने एक सैलून संचालक को गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। बताया जा रहा है कि अपराधी युवक का मोबाइल छीनने का प्रयास कर रहे थे। विरोध करने पर उन्होंने फायरिंग कर दी और मोबाइल लेकर फरार हो गए। घटना मंगलवार देर रात डीएवी चौक स्थित सौंदर्य विहार के पास हुई। घायल की पहचान चूनापुर निवासी धनीराम ठाकुर के 35 वर्षीय पुत्र मुकेश कुमार ठाकुर के रूप में हुई है। मुकेश इलाके में सैलून की दुकान चलाते हैं। घायल मुकेश कुमार ठाकुर ने बताया कि वह रोजाना की तरह रात में अपनी दुकान बंद कर साइकिल से घर लौट रहा था। डीएवी चौक से कुछ दूरी पर पहुंचते ही पहले से घात लगाए बाइक सवार दो युवकों ने उसे रोक लिया। बदमाशों ने उसका मोबाइल छीनने की कोशिश की। जब उसने विरोध किया तो अपराधियों ने उस पर गोली चला दी।

गोली मुकेश की बाईं जांघ में लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। इस बीच बदमाश मोबाइल लेकर अंधेरे का फायदा उठाते हुए फरार हो गए। लोगों ने घायल मुकेश को तत्काल पूर्णिया जीएमसीएच में भर्ती कराया। अधिक रक्तस्राव होने के कारण उसकी स्थिति चिंताजनक बताई जा रही है। डॉक्टरों की निगरानी में उसका इलाज जारी है।

घटना की सूचना मिलते ही मधुबनी थानाध्यक्ष सूरज प्रसाद पुलिस बल के साथ अस्पताल पहुंचे और घायल से पूछताछ की। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष ने बताया कि घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। जल्द ही आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तारी की जाएगी।

नशा मुक्त समाज बनाने की ली शपथ

नगरनौसा(नालंदा)। नगरनौसा प्रखंड कार्यालय में बुधवार को नशा मुक्त भारत अभियान में नशा मुक्त समाज बनाने को लेकर बीडीओ ओम प्रकाश व अंचलाधिकारी सत्येंद्र कुमार के नेतृत्व में शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने कहा कि नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत एक जुट होकर प्रतिज्ञा करते हैं कि न केवल समुदाय,परिवार,मित्र,बल्कि स्वयं को भी नशा मुक्त करेंगे। शपथ पत्र में युवा किसी भी राष्ट्र की ऊर्जा होते हैं तथा युवाओं की शक्ति का समाज एवं देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान है।

प्राण प्रतिष्ठा सह रुद्र महायज्ञ में प्रवचन का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

डोभी/गयाजी। प्रखंड क्षेत्र के कुशा बीजा पंचायत अंतर्गत तड़वा गांव में आयोजित श्री श्री 108 श्री शिव प्राण प्रतिष्ठा सह रुद्र महायज्ञ के अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। महायज्ञ परिसर में प्रतिदिन धार्मिक अनुष्ठानों के साथ-साथ कथा प्रवचन का भी भव्य आयोजन किया जा रहा है। महायज्ञ में श्रीधाम अयोध्या से पधारे कथावाचक श्री मुक्तामणि शस्त्री के श्रीमुख से श्रद्धालु भगवान शिव की महिमा, सनातन धर्म एवं मानव जीवन के आध्यात्मिक मूल्यों की कथा का रसपान कर रहे हैं। कथा के दौरान श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित होकर भक्ति भाव से प्रवचन सुन रहे हैं। यज्ञ समिति के सदस्यों ने बताया कि महायज्ञ का आयोजन 11 जून से 17 जून तक किया जा रहा है। आयोजन को लेकर पूरे गांव को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। महायज्ञ स्थल पर भव्य प्रवेश द्वार, भगवा ध्वज एवं धार्मिक सजावट श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

कथा के दौरान संत श्री ने कहा कि भगवान शिव की आराधना से मनुष्य के जीवन में सुख, शांति एवं समृद्धि का वास होता है।

उन्होंने लोगों से धर्म, संस्कार और मानव सेवा के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। महायज्ञ को सफल बनाने में यज्ञ समिति एवं ग्रामीणों की सक्रिय भूमिका रही। इसके मुख्य कार्य कर्ता युगेश्वर यादव, जगदेव यादव,डॉ मुकेश कुमार यादव,कुलदीप यादव, मनोज यादव हैं।इसमें समाजसेवी डॉक्टर विनोद कुमार यादव के द्वारा प्रसाद वितरण किया गया हैं।

शिविर आयोजित

कटिहार। सरकार की विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने तथा उससे जुड़ी समस्याओं के त्वरित समाधान को लेकर माह के तीसरे मंगलवार को जिले के सभी प्रखंडों के एक पंचायत में सहयोग शिविर एवं प्रखंडस्तर पर सहयोग-सह- जन कल्याण शिविर का आयोजन किया गया।

हत्या का आरोपित उप्र से गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा। नगर थाना क्षेत्र के लाइनपार मिजार्पुर निवासी किशोर प्रिंस हत्याकांड में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। मामले के मुख्य आरोपित को उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले से गिरफ्तार कर नवादा लाया गया है। इसके साथ ही इस चर्चित हत्याकांड में नामजद तीनों आरोपित अब पुलिस गिरफ्त में आ चुके हैं।

पुलिस का दावा है कि आरोपितों के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य जुटा लिए गए हैं और जल्द ही आरोप पत्र दाखिल कर स्पीडी ट्रायल के माध्यम से सजा दिलाई जाएगी।

पुलिस के अनुसार, तकनीकी सर्विलांस और मानवीय सूचना के आधार पर गठित विशेष टीम ने फरार चल रहे मुख्य आरोपित को हरदोई से दबोच लिया। गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। जांच में सामने आया है कि ई-रिक्शा चलाने वाले किशोर प्रिंस और आरोपितों के बीच उधार के रुपये तथा ई-रिक्शा में टक्कर को लेकर विवाद चल रहा था। कुछ दिन पहले हुई कहासुनी के बाद दोनों पक्षों के बीच तनाव बढ़ गया था।

इसी रंजिश में आरोपितों ने प्रिंस को बातचीत और समझौते के बहाने बुलाया। वहां शराब पार्टी के दौरान विवाद बढ़ने पर उसकी हत्या कर दी गई।

बीते 13 मई 2026 को प्रिंस अचानक लापता हो गया था। स्वजन की शिकायत पर नगर थाना में गुमशुदगी की प्राथमिकी दर्ज की गई। बाद में पुलिस जांच में हत्या की परतें खुलीं और 22 मई 2026 को शव बरामद किया गया। इसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक-एक कर सभी आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया।

कर्तव्यहीनता के आरोप में थानाध्यक्ष निलंबित

मुजफ्फरपुर। पुलिस कार्यप्रणाली में लापरवाही और कर्तव्यहीनता के आरोपों को गंभीरता से लेते हुए एसएसपी कांतेश कुमार मिश्रा ने औराई थानाध्यक्ष हेमलता कुमारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (पूर्वी-01) की जांच रिपोर्ट के आधार पर की गई है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार औराई थाना क्षेत्र के विभिन्न मामलों में समय पर विधिसम्मत कार्रवाई नहीं किए जाने की शिकायतें सामने आई थीं। जांच के दौरान पाया गया कि एक मामले में बिना प्राथमिकी दर्ज किए दो व्यक्तियों को लंबे समय तक थाना परिसर में बैठाकर रखा गया।

किसान के घर बदमाशों ने बरसायी गोलियां

घटनास्थल से खोखे बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

समस्तीपुर। जिले के विद्यापतिनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत सिमरी पंचायत के बलभद्रपुर गांव में मंगलवार देर रात अज्ञात बदमाशों द्वारा एक किसान के घर पर फायरिंग किए जाने से इलाके में सनसनी फैल गई।

वार्ड संख्या 10 निवासी किसान उपेंद्र राय के घर को निशाना बनाकर की गई गोलीबारी के बाद ग्रामीणों में भय का माहौल है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, घटना मंगलवार की मध्य रात्रि करीब 2:10 बजे की है। अचानक गोलियों की तड़तड़ाहट सुनकर परिवार के सदस्य और आसपास के ग्रामीण घरों से बाहर निकल आए। वहीं कई लोग भयवश अपने घरों में ही दुबके रहे। देर रात हुई इस घटना से गांव में अफरातफरी की स्थिति बन गई।

सूचना मिलते ही विद्यापतिनगर थाना पुलिस बलभद्रपुर गांव पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। जांच के दौरान पुलिस ने मौके से दो खोखा बरामद किए हैं।

बरामद खोखों को साक्ष्य के रूप में जब्त कर लिया गया है। पुलिस फायरिंग की दिशा और अन्य परिस्थितियों का भी अध्ययन कर रही है।

फायरिंग के पीछे का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सका है। घटना में किसी व्यक्ति के घायल होने अथवा किसी प्रकार के जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं है।

पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि बदमाशों का उद्देश्य डर फैलाना था या किसी विशेष कारण से किसान के घर को निशाना बनाया गया।मामले की गहन पड़ताल के लिए फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) टीम को भी बुलाया गया है।

रोजगार मेला 22 से

हाजीपुर। युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग, बिहार सरकार के तत्वावधान में जिला नियोजन कार्यालय, वैशाली की ओर से नियोजक आपके द्वार नीति के तहत जिले के सभी प्रखंडों में रोजगार मेला का आयोजन किया जाएगा। जिला नियोजन पदाधिकारी अनीश तिवारी ने बताया कि यह अभियान 22 जून से शुरू हो रहा है। इसका समापन 17 जुलाई को हाजीपुर सदर स्थित जिला निबंधन एवं परामर्श केंद्र (डीआरसीसी) में होगा। कैंप का समय सुबह 11 बजे से शाम चार बजे तक निर्धारित किया गया है। जिला नियोजन पदाधिकारी के अनुसार 22 जून को महुआ, 23 जून को पातेपुर, 24 जून को चेहराकलां, 25 जून को जंदाहा, 27 जून को महनार, 30 जून को देसरी, 1 जुलाई को सहदेई बुजुर्ग, 2 जुलाई को बिदुपुर, 3 जुलाई को राघोपुर, 4 जुलाई को राजापाकर, 5 जुलाई को वैशाली, 7 जुलाई को पटेढ़ी बेलसर, 8 जुलाई को भगवानपुर, 9 जुलाई को गोरौल, 10 जुलाई को लालगंज तथा 11 जुलाई को हाजीपुर सदर स्थित डीआरसीसी में रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा।

इपीएफ के गड़बड़झाले में पूर्व बीटीएम पर प्राथमिकी की प्रक्रिया तेज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सुपौल। किसान सलाहकारों के भविष्य निधि (इपीएफ) अंशदान गबन मामले में हर दिन नए और चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। जिला कृषि विभाग की आंतरिक जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे इस बड़े घोटाले की परतें खुलती जा रही हैं। ताजा जांच में यह सनसनीखेज बात सामने आई है कि इस पूरे महाघोटाले के मुख्य मास्टरमाइंड सह लेखापाल हर्ष रंजन ने तत्कालीन बीटीएम शमन अकरीम के बैंक खाते में सीधे 77 लाख 16 हजार 500 रुपये ट्रांसफर किए थे।

इस बड़े खुलासे के बाद कृषि विभाग ने शमन अकरीम के विरुद्ध सुपौल सदर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए लिखित आवेदन दे दिया है। आपको बता दें कि इस मामले में पहले ही मुख्य आरोपी लेखापाल हर्ष रंजन के विरुद्ध नामजद प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी है। आरोपी शमन अकरीम वर्ष 2025 तक जिला आत्मा कार्यालय में बीटीएम के पद पर कार्यरत थीं।

बाद में शमन अकरीम का तबादला अररिया जिले में हो गया, जहां वर्तमान में वे प्रखंड कृषि पदाधिकारी के महत्वपूर्ण पद पर पदस्थापित हैं। इस करोड़ों के घोटाले की गंभीरता को देखते हुए उच्च स्तरीय कृषि विभाग ने तुरंत एक तीन सदस्यीय विशेष जांच टीम गठित कर दी है। यह टीम अब पीड़ित किसान सलाहकारों के वेतन से काटी गई ईपीएफ राशि की पूरी कुंडली खंगाल रही है।

जांच टीम अब यह पता लगाने में जुटी है कि विभागीय खाते से सरकारी रकम आखिर किन-किन संदिग्ध खातों में पहुंची और बाद में उसका क्या हुआ। इधर, संयुक्त निदेशक शस्य कोसी प्रमंडल, सहरसा ने भी अपने स्तर से एक अलग जांच टीम गठित कर दी है। सूत्रों के अनुसार यह टीम कभी भी सुपौल पहुंचकर छापेमारी और जांच शुरू कर सकती है। आरोपी लेखापाल हर्ष रंजन केवल अपने खाते में ही राशि ट्रांसफर नहीं करता था।

वह आत्मा कार्यालय में कार्यरत तत्कालीन बीटीएम शमन अकरीम के खाते का भी जमकर इस्तेमाल करता था। बताया जा रहा है कि ऑडिट और जांच से बचने के लिए सरकारी रकम को एक ही दिन में कई अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर किया जाता था, ताकि ट्रेल का पता लगाना मुश्किल हो जाए। विभागीय सूत्रों के अनुसार जिस बैंक खाते में राशि भेजी जाती थी, उसका लिंक मोबाइल नंबर स्वयं लेखापाल हर्ष रंजन का था।

यानी बैंक खाते में सरकारी राशि पहुंचने के बाद इंटरनेट बैंकिंग और ओटीपी आधारित वित्तीय लेन-देन पर पूरा नियंत्रण मास्टरमाइंड लेखापाल का ही था। जांच एजेंसियां अब इसी बिंदु को पूरे घोटाले की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी मान रही हैं।

नशा मुक्ति सप्ताह के तहत लोगों को दिलाई गई शपथ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

समेली । कटिहार-समेली प्रखंड मुख्यालय परिसर में बुधवार को नशा मुक्ति भारत अभियान के तहत नशा मुक्त सप्ताह के अवसर पर शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों, कर्मियों एवं जनप्रतिनिधियों ने नशा मुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया। इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी सत्येंद्र सिंह ने उपस्थित लोगों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई तथा युवाओं से नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवा किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति और ऊर्जा होते हैं। देश एवं समाज के विकास में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसलिए नशा मुक्त भारत अभियान से अधिक से अधिक युवाओं को जोड़ना समय की आवश्यकता है।बीडीओ ने कहा कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि परिवार और समाज को भी नुकसान पहुंचाता है। उन्होंने कहा कि हम सभी को यह संकल्प लेना चाहिए कि न केवल स्वयं नशे से दूर रहेंगे, बल्कि अपने परिवार, मित्रों एवं आसपास के लोगों को भी नशा मुक्त बनाने के लिए प्रेरित करेंगे। बदलाव की शुरूआत स्वयं से होती है और यदि प्रत्येक व्यक्ति इस दिशा में प्रयास करे तो समाज को नशा मुक्त बनाया जा सकता है।उन्होंने उपस्थित लोगों से अपील करते हुए कहा कि कटिहार जिले को नशा मुक्त बनाने के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा। उपस्थित लोगों ने नशा न करने एवं दूसरों को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करने की शपथ ली।कार्यक्रम में बीडीओ सत्येंद्र सिंह, बीस सूत्री कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष राधेश्याम मंडल, सीडीपीओ कुमारी स्नेहलता, श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी विमल कुमार, जीविका बीपीएम प्रकाश सिंह, एसी सुमित कुमार, पूजा नायक, किसान सलाहकार सुनील कुमार शर्मा, नंदन राज, संजय सुमन, उमेश दास सहित कई पदाधिकारी शामिल रहे।

मोदी के नेतृत्व में भारत विश्वगुरु बनने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा : शिवराज सिंह चौहान

मोदी सरकार ने 12 वर्षों में बदली देश की तस्वीर, बढ़ा दुनिया में भारत का सम्मान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर पटना में भाजपा महानगर द्वारा आयोजित 'प्रबुद्ध सम्मेलन' को संबोधित करते हुए केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में भारत ने विकास, सुशासन, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की है। उन्होंने कहा कि आज भारत विश्व मंच पर एक मजबूत, आत्मविश्वासी और प्रभावशाली राष्ट्र के रूप में स्थापित हुआ है। सम्मेलन में उपस्थित बुद्धिजीवियों, शिक्षाविदों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और पार्टी पदाधिकारियों का अभिनंदन करते हुए शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भीषण गर्मी के बावजूद बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति राष्ट्र और समाज के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का परिचायक है। उन्होंने कहा कि लोग उन्हें मंत्री या बड़ा नेता कहते हैं, लेकिन वे स्वयं को हमेशा 'कार्यकर्ताओं का कार्यकर्ता' मानते हैं और यही उनकी सबसे बड़ी पहचान है। अपने संबोधन में उन्होंने स्वामी विवेकानंद के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत के पुनर्जागरण और विश्वगुरु बनने का जो सपना स्वामी विवेकानंद ने देखा था, वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में साकार होता दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि आज भारत वैभवशाली, गौरवशाली, शक्तिशाली और आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एक समय ऐसा था जब दुनिया भारत को भ्रष्टाचार और घोटालों के नजरिए से देखती थी, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व ने देश की छवि को पूरी तरह बदल दिया। आज भारत निवेश, नवाचार, आर्थिक विकास और वैश्विक नेतृत्व के लिए पहचाना जाता है। राष्ट्रीय सुरक्षा का उल्लेख करते हुए शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि आज का भारत आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने में सक्षम है। भारत की सुरक्षा और सम्मान से समझौता किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि गरीब कल्याण है। करोड़ों परिवारों को पक्के मकान, शौचालय, पेयजल, बिजली और अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई गई है। महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' जैसे अभियानों ने समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया है। बिहार में भी महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए उल्लेखनीय कार्य हुए हैं। इस मौके पर कृषि मंत्री विजय सिन्हा, सहकारिता मंत्री रामकृपाल यादव, विधायक संजीव चौरसिया, रत्नेश कुमार, संजय गुप्ता, प्रदेश महामंत्री नितिन अभिषेक, प्रीति शेखर, जिला अध्यक्ष रूप नारायण, पूर्व विधायक पवन जायसवाल, प्रभाकर मिश्रा, हरि भूषण ठाकुर बचौल, सीता साहू सहित प्रदेश के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पश्चिम बंगाल के पुनर्निर्माण का संकल्प हो रहा साकार : मंगल पांडेय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पूर्व स्वास्थ्य मंत्री व पश्चिम बंगाल भाजपा प्रभारी मंगल पांडेय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के पुनर्निर्माण का संकल्प लिया है। राज्य में अब डबल-इंजन सरकार स्थापित हो गई है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल को अन्य राज्यों की तरह केंद्र सरकार की सभी योजनाओं का लाभ मिलने लगा है। भारत दुनिया का नेतृत्व करने और विश्वगुरु बनने की दिशा में कई कदम आगे बढ़ा है। राम मंदिर निर्माण जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के माध्यम से विकास और विरासत के बीच संतुलन बना है। सेवा और सुशासन के 12 वर्षों ने हर नागरिक के जीवन को बदल दिया है और विश्वास जताया कि हर देशवासी 2047 तक 'विकसित भारत' के निर्माण की दिशा में काम करेगा। श्री पांडेय ने कहा कि पीएम मोदी के मार्गदर्शन में सीएम सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल सरकार राज्य के चहुंमुखी विकास, सुशासन और जन कल्याण के लिए कई सकारात्मक कदम उठा रही है। अब राज्य में स्वास्थ्य, उद्योग और अनुसंधान के क्षेत्र में केंद्र और राज्य सरकार मिलकर काम कर रहे हैं।

अनुग्रह नारायण सिन्हा की जयंती पर डॉ. प्रेम कुमार ने अर्पित की श्रद्धांजलि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने बिहार के प्रथम उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री रहे अनुग्रह नारायण सिन्हा की जयंती पर उन्हें कोटिशः नमन करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। अपने संदेश में डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि अनुग्रह नारायण सिन्हा आधुनिक बिहार के प्रमुख निर्माताओं में से एक थे। जनसेवा, राष्ट्र निर्माण और सुशासन के प्रति उनके समर्पण के कारण उन्हें 'बिहार विभूति' के नाम से सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि अनुग्रह बाबू ने स्वतंत्रता संग्राम से लेकर स्वतंत्र भारत के निर्माण तक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और अपना संपूर्ण जीवन जनता की सेवा के लिए समर्पित किया। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि अनुग्रह नारायण सिन्हा एक प्रखर स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षक और दूरदर्शी राजनीतिज्ञ थे। उन्होंने महात्मा गांधी और डॉ. राजेंद्र प्रसाद के साथ चंपारण सत्याग्रह में महत्वपूर्ण योगदान दिया तथा राष्ट्रीय आंदोलन को नई दिशा प्रदान करने में सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि अनुग्रह बाबू का जीवन देश की स्वतंत्रता, नवनिर्माण, न्यायप्रियता और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अटूट आस्था का प्रतीक था। उनकी सादगी, ईमानदारी, प्रशासनिक दक्षता और जनकल्याण के प्रति प्रतिबद्धता आज भी सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोगों के लिए प्रेरणास्रोत है। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि बिहार के विकास और प्रगति में अनुग्रह नारायण सिन्हा का योगदान अविस्मरणीय है। राज्य और देश के प्रति उनकी सेवाओं को सदैव सम्मान और कृतज्ञता के साथ याद किया जाएगा।

बैंक ऑफ बड़ौदा का दो दिवसीय प्रॉपर्टी एक्सपो 2026 सफलतापूर्वक संपन्न

ग्राहकों के गृह स्वामित्व के सपनों को साकार करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध : सुब्रत कुमार स्वाईं

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बैंक ऑफ बड़ौदा के पटना अंचल द्वारा ज्ञान भवन, गांधी मैदान में आयोजित दो दिवसीय 'प्रॉपर्टी एक्सपो 2026' का सफलतापूर्वक समापन हो गया। इस भव्य आयोजन को गृह खरीदारों, रियल एस्टेट डेवलपर्स तथा आम नागरिकों से उत्साहजनक प्रतिसाद प्राप्त हुआ। इस अवसर पर बैंक ऑफ बड़ौदा, पटना के महाप्रबंधक एवं राज्य प्रमुख सुब्रत कुमार स्वाईं ने कहा कि प्रॉपर्टी एक्सपो का मुख्य उद्देश्य राज्य के प्रमुख बिल्डर्स एवं डेवलपर्स को एक मंच पर लाना तथा गृह खरीदारों के लिए अपने सपनों का घर चुनने और खरीदने की प्रक्रिया को सरल एवं सुविधाजनक बनाना है। उन्होंने कहा कि बैंक ऑफ बड़ौदा प्रतिस्पर्धी ब्याज दरों, त्वरित ऋण स्वीकृति और उत्कृष्ट ग्राहक सेवा के माध्यम से ग्राहकों के गृह स्वामित्व के सपनों को साकार करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। एक्सपो में पटना के 31 प्रतिष्ठित बिल्डर्स एवं डेवलपर्स ने भाग लिया जहां शहर की प्रमुख आवासीय एवं व्यावसायिक परियोजनाओं को एक ही मंच पर प्रदर्शित किया गया। आयोजन के माध्यम से संभावित गृह खरीदारों को विभिन्न परियोजनाओं की जानकारी प्राप्त करने, बिल्डर्स से सीधे संवाद स्थापित करने तथा बैंक ऑफ बड़ौदा की आकर्षक गृह ऋण योजनाओं के बारे में जानकारी हासिल करने का अवसर मिला। दो दिनों तक चले इस मेगा आयोजन में 4,000 से अधिक आगंतुकों एवं संभावित गृह खरीदारों ने सहभागिता की। बड़ी संख्या में लोगों ने विभिन्न आवासीय परियोजनाओं में रुचि दिखाई और गृह ऋण सुविधाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

जागृति योजना का बीडीओ और बीपीआरओ करेंगे प्रचार-प्रसार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गया। जिले में जागृति योजना का बीडीओ और बीपीआरओ प्रचार-प्रसार करेंगे। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की जागृति योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और व्यापक प्रचार-प्रसार को लेकर जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने निर्देश जारी किया है। यह निर्देश प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष प्रदीप कुमार मलिक के मार्गदर्शन व सचिव अरविंद कुमार दास के नेतृत्व में जारी किया गया है। निर्देश के अनुसार गुरुवार से 20 जून तक अनुमंडल पदाधिकारी परिसर शेरघाटी स्थित सुविधा केंद्र में वरिष्ठ नागरिकों के विधिक अधिकार, संरक्षण, कल्याण व गरिमा से संबंधित योजनाओं की जानकारी देने और निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराने की विशेष व्यवस्था की गई है।

राज्य के 13 महाविद्यालयों में 2026-27 से शुरू होगी रोजगारपरक शिक्षा

हैदराबाद स्थित सेंटर फॉर रिसर्च इन स्किम्स एंड पॉलिसीज के संस्थापक सदस्य के साथ हुआ समझौता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राज्य के 4 विश्वविद्यालयों के 13 महाविद्यालयों में रोजगार परक शिक्षा (एइडीपी) होने जा रही है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 से चुनिंदा कॉलेजों में इसकी शुरुआत हो जाएगी। लोकभवन में राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को आयोजित बैठक में इस पर सहमति बनी। साथ ही हैदराबाद स्थित सेंटर फॉर रिसर्च इन स्किम्स एंड पॉलिसीज के साथ एक महत्वपूर्ण सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किया गया। इस अहम बैठक के बाद सूचना भवन के संवाद कक्ष में आयोजित प्रेस वार्ता में इसकी जानकारी दी गई। वार्ता में सीआरआईएसपी के संस्थापक सदस्य आरएस जुलानिया ने कहा कि इसे शैक्षणिक सत्र 2026-27 से लागू कर दिया गया है। एईडीपी एक चार वर्षीय स्नातक स्तरीय शैक्षणिक कार्यक्रम है जिसमें 75 प्रतिशत अकादमिक ज्ञान और 25 प्रतिशत उद्योग विशिष्ट कौशल को समाहित है। इसकी महत्वपूर्ण विशेषता तृतीय वर्ष में स्टाइपेंड के साथ अनिवार्य अप्रेंटिसशिप है। छात्रों को अप्रेंटिसशिप के दौरान 12 हजार 300 रुपये प्रतिमाह स्टाइपेंड देने का प्रावधान है। कार्यक्रम की सबसे आकर्षक विशेषता इसका 'प्री-प्लेसमेंट' स्वरूप है जिस उद्योग में छात्र अप्रेंटिसशिप पूरा करेंगे, वहीं उन्हें रोजगार का प्राथमिकता प्राप्त अवसर मिल सकेगा। यह 'अर्न व्हाइल यू लर्न' का बेहतरीन मॉडल है। बैठक में सीआरआईएसपी के बिहार स्टेट लीड वैद्यनाथ यादव ने कार्यक्रम की तकनीकी एवं शैक्षणिक पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के बोर्ड ऑफ प्रैक्टिकल ट्रेनिंग के साथ छात्रों के स्टाइपेंड सुनिश्चित करने के लिए समझौता ज्ञापन भी हो चुका है। जिन विश्वविद्यालयों में कोर्स की शुरुआत हो रही है, उसमें पटना विश्वविद्यालय, पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के अलावा मुजफ्फरपुर के बीआरए बिहार विश्वविद्यालय, भागलपुर स्थित तिलका मांझी विश्वविद्यालय और दरभंगा के मिथिला विश्वविद्यालय के चुनिंदा 13 कॉलेजों में कुछ विशेष तरह के कोर्सों की शुरुआत की जाएगी। बैठक में उच्च शिक्षा विभाग के सचिव राजीव रौशन, पटना विश्वविद्यालय, पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, बीआरएबी विश्वविद्यालय मुजफ्फरपुर, तिलका मांझी विश्वविद्यालय भागलपुर और मिथिला विश्वविद्यालय के कुलसचिव तथा 13 महाविद्यालयों के प्राचार्य और एईडीपी कोऑर्डिनेटर शामिल हुए।

डाबर पुदीन हरा का वंडर हर्ब अभियान शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों के लाभों को बढ़ावा देने के अपने मिशन को आगे बढ़ाते हुए भारत की सबसे बड़ी विज्ञान आधारित आयुर्वेद कंपनी डाबर इंडिया लिमिटेड ने पुदीना को एक आश्चर्यजनक जड़ी-बूटी के रूप में प्रतिष्ठित करने के लिए एक विशेष अभियान वंडर हर्ब शुरू किया। इस अभियान का शुभारंभ आज पटना में आयोजित एक कार्यक्रम में किया गया। इस अवसर पर आयुर्वेद फिजिशियन डॉ. विनोद कुमार उपाध्याय ने पुदीना की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पुदीना एंटीऑक्सिडेंट्स और फाइटोन्यूट्रिएंट्स युक्त होता है जो मानव पेट के लिए खासकर तेज गर्मी के दौरान चमत्कार कर सकते हैं, गर्म-लहरों और बढ़ते पारा के स्तर की त्वरित आवृत्ति के साथ, गर्मियों के मौसम के दौरान स्वास्थ्य समस्याएं आम हो गई है। इस तीव्र मौसम में संभावित स्वास्थ्य समस्याओं को देखते हुए डाबर उन लोगों को पुदीना के उपयोग की सलाह देते हैं जो दिन में लंबे समय तक धूप में रहते हैं और आम गर्मी की बीमारियों के शिकार होते हैं।

कदाचार संबंधी कार्रवाई में नियमों का अनुपालन जरूरी : अपर मुख्य सचिव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। सामान्य प्रशासन विभाग के मुख्य जांच आयुक्त निदेशालय की ओर से आयोजित उन्मुखीकरण कार्यक्रम में महानिदेशक-सह-मुख्य जांच आयुक्त दीपक कुमार सिंह ने कहा कि अधिकारियों के लिए बिहार सरकारी सेवक वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील (सीसीए) नियमावली 2005 का अध्ययन जरूरी है। वह मंगलवार को दशरथ मांझी श्रम एवं नियोजन अध्ययन संस्थान के सभागार में कृषि सेवा के अधिकारियों के लिए आयोजित प्रशिक्षण सत्र को संबोधित कर रहे थे। श्री सिंह ने कहा कि निदेशालय करीब छह महीने से प्रशिक्षण सत्र का आयोजन कर रहा है। पहले निगरानी, संचालन, प्रस्तुतीकरण, अखिल भारतीय सेवा के पदाधिकारियों के साथ-साथ अब अन्य संवर्ग के पदाधिकारियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकारी सेवा में तैनात सभी पदाधिकारियों को सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से जारी सीसीए रूल संबंधी पुस्तक और उसमें दिए गए सर्कुलर का अध्ययन करना जरूरी है। कोई भी कार्रवाई पदाधिकारी के खुद की समझ या पारंपरिक आधार पर नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कोर्ट में अधिकांश मामले कार्रवाई की प्रक्रिया में त्रुटि और नैसर्गिक न्याय के अभाव में खारिज होते हैं। राज्य सरकार के पदाधिकारियों के लिए सीसीए रूल में दी गई 33 कंडिकाओं का अध्ययन जरूरी है। नियमों के अनुपालन से सरकारी सेवक के खिलाफ आने वाले शिकायत या परिवाद में दंड देने की मात्रा का सही निर्धारण होता है और नैसर्गिक न्याय के अनुपालन का रास्ता साफ होगा। इस अवसर पर प्रशिक्षक सतीश तिवारी ने सरकारी सेवकों के खिलाफ आने वाले शिकायत और परिवाद के बीच का अंतर बताते हुए सीसीए रूल के तहत प्रकरण की प्राथमिक जांच, आरोप पत्र का गठन, बचाव का लिखित अभिकथन, समीक्षा, संचालन, प्रस्तुतीकरण पदाधिकारी की नियुक्ति और अनुशासनिक प्राधिकार के समक्ष रखे गए निष्कर्षों के अलग-अलग प्रावधानों से सभी पदाधिकारियों को रूबरू कराया। उन्होंने कहा कि विभागीय कार्यवाही या कार्रवाई के बजाए अनुशासनिक कार्यवाही या कार्रवाई नियम संगत है। प्रपत्र क की जगह आरोप पत्र, स्पष्टीकरण आदि की बजाय बचाव का लिखित अभिकथन शब्द का प्रयोग सही माना जाएगा। उन्होंने किसी भी सरकारी सेवक की प्रोन्नति रोकने के पीछे के तीन अलग-अलग परिस्थियों से अवगत रूबरू कराते हुए कहा कि आपराधिक मामलों में कोर्ट जिस दिन चार्ज फ्रेम करेगा, प्रकरण उसी दिन से प्रारंभ माना जाएगा। श्री तिवारी ने सरकारी सेवकों के खिलाफ बेनाम, छद्मनाम या खुले पत्र के माध्यम से प्राप्त होने वाले परिवाद, शिकायतों पर कार्रवाई संबंधी बारीक पहलुओं की भी जानकारी दी।

कैबिनेट बैठक में नहीं हुई कुशल युवा कार्यक्रम पर चर्चा, केंद्र संचालकों में बढ़ा आक्रोश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार सरकार की महत्वाकांक्षी योजना कुशल युवा कार्यक्रम (के.वाई.पी) को लेकर राज्यभर के केंद्र संचालकों में लगातार असंतोष बढ़ता जा रहा है। संचालकों का कहना है कि 17 जून को आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में भी के.वाई.पी से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर कोई चर्चा नहीं की गई जिससे उनमें निराशा और रोष व्याप्त है। केंद्र संचालकों का आरोप है कि लंबे समय से नए नामांकन, लंबित भुगतान, तकनीकी समस्याओं तथा योजना के भविष्य को लेकर स्पष्ट नीति की मांग की जा रही है, लेकिन अब तक सरकार की ओर से कोई ठोस घोषणा नहीं की गई है। कैबिनेट बैठक से संचालकों को उम्मीद थी कि के.वाई.पी के संबंध में कोई सकारात्मक निर्णय लिया जाएगा, परंतु ऐसा नहीं होने से उनकी चिंताएं और बढ़ गई हैं। संचालकों का कहना है कि के.वाई.पी बिहार के लाखों युवाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने वाली महत्वपूर्ण योजना है। यदि समय रहते आवश्यक निर्णय नहीं लिए गए तो इसका प्रतिकूल प्रभाव छात्रों, प्रशिक्षण केंद्रों और कौशल विकास की पूरी व्यवस्था पर पड़ सकता है। केंद्र संचालकों ने सरकार से मांग की है कि के.वाई.पी से जुड़े सभी लंबित मुद्दों का शीघ्र समाधान किया जाए तथा योजना के संचालन और विस्तार को लेकर स्पष्ट रोडमैप जारी किया जाए, ताकि छात्रों और केंद्र संचालकों के बीच बनी अनिश्चितता समाप्त हो सके।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गोलघर में चलाया स्वच्छता अभियान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की एनडीए सरकार के सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण और विकास के 12 गौरवपूर्ण वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मंगलवार को राजधानी पटना में स्वच्छता अभियान, पौधारोपण कार्यक्रम एवं प्रगति पथ यात्रा का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्य रूप से भाग लिया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ, हरित एवं विकसित भारत के संकल्प को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। कार्यक्रम की शुरुआत पटना के ऐतिहासिक गोलघर स्थित पार्क में आयोजित स्वच्छता अभियान से हुई। इस दौरान केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, बिहार के कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा, प्रदेश के पदाधिकारियों एवं बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्वच्छता अभियान में भाग लेकर परिसर की साफ-सफाई की तथा लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छता को केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनआंदोलन का स्वरूप दिया है। स्वच्छ भारत अभियान ने देश के करोड़ों नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया।

जल जीवन हरियाली अभियान के तहत छह वर्ष में 95 फीसदी योजनाएं पूर्ण : मंत्री

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राज्य सरकार के स्तर से 6 वर्ष पहले शुरू किए गए जल-जीवन-हरियाली अभियान के तहत लघु जल संसाधन विभाग की स्वीकृत कुल योजनाओं में 95 फीसदी योजनाएं पूरी हो चुकी है। यह जानकारी विभाग के मंत्री संतोष कुमार सुमन ने बुधवार को सूचना भवन स्थित संवाद कक्ष में आयोजित प्रेस वार्ता में दी। उन्होंने कहा कि सतही सिंचाई योजना के अंतर्गत मुख्यमंत्री की दो महत्वाकांक्षी योजनाएं जल जीवन हरियाली अभियान एवं 'हर खेत तक सिंचाई का पानी' कार्यक्रम के तहत विभाग द्वारा कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2019 में जल जीवन हरियाली अभियान शुरू किया गया था। इसके अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 तक कुल 2537 योजनाओं की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई थी जिसमें 2371 योजनाओं को पूर्ण कर लिया गया है। इन योजनाओं से लगभग 2,51,962 हेक्टेयर में सिंचाई क्षमता और करीब 1094 लाख घन मीटर जल संचयन क्षमता का पुनर्स्थापना हुआ है। इसी प्रकार वित्तीय वर्ष 2026-27 में 206.39 करोड़ प्राक्कलित राशि की कुल 154 योजनाओं का प्रस्ताव नाबार्ड से स्वीकृति हेतु वित्त विभाग को भेजा गया है।

कांग्रेस के पर्यवेक्षकों एवं पूर्व प्रत्याशियों की बैठक

सांगठनिक पदों की शीघ्र होगी घोषणा : राजेश राम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में बिहार कांग्रेस के जिला पर्यवेक्षकों और पूर्व प्रत्याशियों की अहम बैठक प्रदेश कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावारु और प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इसके तहत विभिन्न जोन की अद्यतन जानकारी भी बैठक में ली गई और रिपोर्ट का विश्लेषण किया गया। प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावारु ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन सृजन अभियान के तहत नए सांगठनिक पद देने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। 60% प्रखंड अध्यक्षों की सूची भी तैयार हो चुकी है और आगे भी दस दिनों में शेष बचे प्रखंडों के अध्यक्षों की सूची जारी हो जाएगी। इसके बाद जिला से लेकर प्रदेश स्तर तक के पदों की भी घोषणा हो जाएगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने विभिन्न पर्यवेक्षकों के कार्यों की समीक्षा के उपरांत अगले दस दिनों का लक्ष्य निर्धारित करते हुए कहा कि सांगठनिक पदों पर संगठन सृजन अभियान के तहत ही बहाली की जाएगी। इस अभियान के तहत संगठन को धारदार बनाने की कवायद राष्ट्रीय स्तर के मानकों के अनुरूप निर्धारित है और उसे बिहार में भी मजबूती से किया जाएगा। विधान परिषद में दल के नेता और पूर्व अध्यक्ष डॉ. मदन मोहन झा ने भी बैठक को संबोधित करते हुए सांगठनिक मजबूती के लिए पर्यवेक्षकों को आवश्यक सुझाव भी दिए और अभियान को शेष बचे दिनों के लिए गति देने की बात कही।

राजस्व महा अभियान के आवेदनों को मिल रही गति, 21 जून तक बढ़ी विशेष मुहिम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के राजस्व महा-अभियान के तहत प्राप्त 46 लाख से अधिक लंबित आवेदनों के निष्पादन के लिए चलाया जा रहा विशेष अभियान अब 21 जून 2026 तक जारी रहेगा। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने निर्देश दिया है कि इस अवधि में सभी लंबित आवेदनों की शत-प्रतिशत स्कैनिंग एवं संबंधित पोर्टलों पर अपलोडिंग सुनिश्चित की जाए, ताकि भूमि अभिलेख सुधार, उत्तराधिकार नामांतरण और बंटवारा आधारित नामांतरण से जुड़े मामलों का तेजी से निष्पादन किया जा सके। मंत्री ने कहा कि 11 जून से 17 जून तक चलाए गए विशेष अभियान के दौरान राज्यभर में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है। विभागीय आंकड़ों के अनुसार महा-अभियान के तहत प्राप्त कुल 46,25,957 आवेदनों में से 95.73 प्रतिशत आवेदनों की स्कैनिंग पूरी कर ली गई है जबकि 60.27 प्रतिशत आवेदन संबंधित ऑनलाइन पोर्टलों पर अपलोड किए जा चुके हैं। अभियान शुरू होने से पहले यह आंकड़ा क्रमशः 81.91 प्रतिशत और 26.43 प्रतिशत था। इस प्रकार एक सप्ताह के भीतर स्कैनिंग और अपलोडिंग दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। राजस्व मंत्री डॉ. जायसवाल ने कहा कि कई जिलों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। खगड़िया में 99.92 प्रतिशत, दरभंगा में 99.72 प्रतिशत, पूर्णिया और वैशाली में 99.67 प्रतिशत, रोहतास में 99.53 प्रतिशत तथा समस्तीपुर और सुपौल में 99 प्रतिशत से अधिक स्कैनिंग का कार्य पूरा हो चुका है। वहीं पोर्टल अपलोडिंग के मामले में शिवहर 89.92 प्रतिशत के साथ शीर्ष पर है जबकि किशनगंज (86.47 प्रतिशत), खगड़िया (84.83 प्रतिशत), दरभंगा (80.61 प्रतिशत), पूर्णिया (77.82 प्रतिशत) और वैशाली (75.17 प्रतिशत) भी अग्रणी जिलों में शामिल हैं। मंत्री ने कहा कि अभी भी कुछ जिलों में अपलोडिंग और निष्पादन की गति अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंची है। ऐसे जिलों के अधिकारियों को विशेष सतर्कता बरतने और अतिरिक्त मानव संसाधन लगाकर कार्यों को समयबद्ध रूप से पूरा करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अभियान की सफलता के लिए अंचल अधिकारियों, राजस्व अधिकारियों और अन्य संबंधित कर्मियों की व्यक्तिगत जवाबदेही तय की गई है तथा विभागीय स्तर पर प्रतिदिन प्रगति की निगरानी की जा रही है। डॉ. जायसवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार भूमि प्रशासन को पूरी तरह पारदर्शी, डिजिटल और जनोन्मुखी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। राजस्व महा-अभियान के तहत प्राप्त लाखों आवेदनों का निष्पादन आम लोगों को भूमि संबंधी समस्याओं से राहत दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सभी सैटेलाइट टाउनशिप में जमीन की खरीद-बिक्री पर लगी रोक हटी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राज्य सरकार के स्तर से पटना समेत 11 शहरों के पास घोषित सैटेलाइट टाउनशिप के लिए चिन्हित की गई जमीन पर लगी खरीद-बिक्री की रोक हटा दी गई है। ग्रीनफील्ड सैटनेलाइट टाउनशिप क्षेत्र में जमीन की खरीद-बिक्री की छूट देने से संबंधित प्रस्ताव पर कैबिनेट ने मुहर लगा दी है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में बुधवार को आयोजित कैबिनेट की बैठक में कुल 29 एजेंडों पर मुहर लगी। इसमें लिए गए निर्णयों के बारे में विस्तृत जानकारी मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के अपर मुख्य सचिव अरविंद कुमार चौधरी ने सूचना भवन स्थित सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में दी। अपर मुख्य सचिव ने बताया कि इन सैटेलाइट टाउनशिप की जद में जिनकी जमीन आई है, अब वे बिहार राज्य आवास बोर्ड को अपनी जमीन बेच सकते हैं। यह जमीन राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के स्तर से अधिसूचित बिहार रैयती भूमि क्रय नीति-2026 के अंतर्गत बिक्री की जा सकेगी। साथ ही राज्य निवेश प्रोत्साहन पर्षद के स्तर से अनुमोदित निवेश परियोजनाओं के लिए संबंधित निवेशक को जमीन की खरीद-बिक्री करने की अनुमति प्रदान करने की भी स्वीकृति दी गई है। इस प्रावधान से भू-स्वामी की तत्कालिक वित्तीय आवश्यकताएं पूरी की जा सकेगी और सरकारी प्राधिकार अपनी योजनाओं के लिए भूमि का प्रबंध भी कर सकेगी। राज्य निवेश प्रोत्साहन पर्षद के स्तर से अनुमोदित निवेश परियोजनाओं के लिए भी जमीन का प्रबंध हो सकेगा।

संपादकीय

विमान हादसों से सबक क्यों नहीं लिया जाता?

यह सवाल भी महत्वपूर्ण है कि क्या किसी विमान दुर्घटना के कारणों का गहराई से विश्लेषण कर संचालन व्यवस्था में सुरक्षात्मक उपायों को प्राथमिकता के आधार पर शामिल किया जाता है?देश में हवाई सफर को सुलभ एवं किफायती बनाने के लिए विमान सेवाओं के विस्तार को प्राथमिकता दी जा रही है। नए-नए अंतरराष्ट्रीय और घरेलू हवाई अड्डों का निर्माण किया जा रहा है। मगर यात्रियों की सुरक्षा के मोर्चे पर माकूल व्यवस्था का अभाव आज भी साफ नजर आता है।तकनीकी खराबी, प्रशिक्षित कर्मियों की कमी, मौसम की अप्रत्याशित चुनौतियां और सतर्कता की गंभीरता को नजरअंदाज किए जाने से होने वाली मानवीय चूक का ही नतीजा है कि विमान हादसों का सिलसिला थम नहीं रहा है। असम के जोरहाट में शनिवार को एएन-32 परिवहन विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें वायुसेना के पांच कर्मियों की जान चली गई।सवाल है कि देश भर में अब तक हुए विमान हादसों से सबक क्यों नहीं लिया जाता है? कोई एक ही तरह की खामी बार-बार हादसों का कारण कैसे बन रही है? क्या दुर्घटना में जान गंवाने वालों के परिवारों को आर्थिक मदद मुहैया करा देने भर से विमानन कंपनियों और संबंधित नियामक प्राधिकरणों की जिम्मेदारी पूरी हो जाती है! भविष्य में इस तरह के हादसों पर रोक लगाने और विमान यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का दायित्व आखिर किसका है?इसमें दोराय नहीं कि हाल के वर्षों में हवाई यात्रा की सुविधा को विस्तार देने के लिए उड़ानों की संख्या में बढ़ोतरी की गई है। मगर इसी अनुपात में पायलटों और अन्य प्रशिक्षित कर्मियों की तैनाती नहीं हो पाई है। इस कारण मौजूदा संचालन तंत्र पर दबाव बढ़ा है, जिससे मानवीय चूक की संभावनाएं भी बढ़ी हैं।अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन के अनुसार, लगभग पैंसठ फीसद विमान दुर्घटनाओं के पीछे मानवीय चूक एक प्रमुख कारक होती है। विमान के उड़ान भरने और जमीन पर उतरते समय जब स्थिति बिगड़ती है, तो काकपिट में होने वाला भ्रम भी हादसों का कारण बनता है।खबरों के मुताबिक, एएन-32 परिवहन विमान के साथ भी यही हुआ, हवाईअड्डे पर उतरते समय विमान का नियंत्रण बिगड़ गया और वह रनवे से फिसल कर दो हिस्सों में टूट गया, जिससे उसमें आग लग गई। इसके अलावा हिमालयी क्षेत्रों में मौसम और भौगोलिक बनावट भी उड़ान संचालन के लिए बेहद जोखिम भरी होती है। कई बार मौसम पूर्वानुमान की सटीक जानकारी न होने से विमान हादसे का शिकार हो जाता है। उपायों को प्राथमिकता के आधार पर शामिल किया जाता है?हालांकि, हादसों की जांच और विश्लेषण की प्रक्रिया में समूचे तंत्र की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि कई विमान दुर्घटनाओं की जांच रिपोर्ट तो सार्वजनिक ही नहीं की जाती है।

ईरान युद्ध के बाद पैदा हुई वैश्विक बेचैनी ने इस सम्मेलन को और अधिक संवेदनशील बना दिया है। युद्धविराम की घोषणा के बावजूद तेल बाजारों में अस्थिरता बनी हुई है, महंगाई को लेकर चिंता गहरा रही है और दुनिया की अर्थव्यवस्था फिर अनिश्चितता के मोड में पहुंचती दिखाई दे रही है। जी-7 शिखर सम्मेलन इस बार वैश्विक अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और व्यापार का मंच नहीं बल्कि बदलती विश्व व्यवस्था का आईना प्रतीत हुआ। फ्रांस में आयोजित इस सम्मेलन में जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पहुंचे तो उनके सामने वह यूरोप खड़ा था जो अब आंख मूंदकर वॉशिंगटन के पीछे चलने को तैयार नहीं दिखता।

जी-7 शिखर सम्मेलन में अमेरिका दिखा अलग थलग, दुनिया जता रही मोदी पर भरोसा

(नीरज कुमार दुबे)

लंबे समय तक टैरिफ की धमकियां, कूटनीतिक दबाव, सार्वजनिक अपमान और अचानक फैसलों का सामना करने के बाद अब यूरोपीय देशों ने यह मान लिया है कि ट्रंप बदलती अमेरिकी सोच का स्थायी चेहरा हैं। यही कारण है कि इस बार जी-7 सम्मेलन पर सबसे गहरी छाया अमेरिका और यूरोप के बीच बढ़ती दूरी की रही।

देखा जाये तो ईरान युद्ध के बाद पैदा हुई वैश्विक बेचैनी ने इस सम्मेलन को और अधिक संवेदनशील बना दिया है। युद्धविराम की घोषणा के बावजूद तेल बाजारों में अस्थिरता बनी हुई है, महंगाई को लेकर चिंता गहरा रही है और दुनिया की अर्थव्यवस्था फिर अनिश्चितता के मोड में पहुंचती दिखाई दे रही है। ट्रंप इस सम्मेलन में यह साबित करने पहुंचे कि उनकी आक्रामक और टकराव वाली विदेश नीति परिणाम दे रही है। वह चाहते हैं कि दुनिया अमेरिकी प्राथमिकताओं को स्वीकार करे, चाहे मामला व्यापार का हो, कृत्रिम बुद्धिमत्ता का, सुरक्षा का या फिर चीन को घेरने की रणनीति का। लेकिन इस बार यूरोप का स्वर बदला हुआ है। वह अमेरिका के साथ तो रहना चाहता है, मगर उसकी हर बात पर सिर झुकाने को तैयार नहीं है।

देखा जाये तो यूरोप के भीतर यह बदलाव अचानक नहीं आया। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों वर्षों से यूरोप की रणनीतिक स्वायत्तता की वकालत करते रहे हैं। उनका तर्क साफ है कि यूरोप को अपनी सुरक्षा और अपने हितों की रक्षा के लिए हमेशा अमेरिका पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। इस बार सम्मेलन की मेजबानी कर रहे मैक्रों ने साफ शब्दों में कह दिया है कि यह ऐसा समय है जब अमेरिकी, रूसी और चीनी नेतृत्व यूरोप के हितों के खिलाफ खड़ा दिखाई देता है। इसलिए यूरोप को अब जागना होगा और अपने हितों की रक्षा खुद करनी होगी।

हालांकि मैक्रों की रणनीति केवल विरोध की नहीं है। उन्होंने ट्रंप के साथ निजी संबंध बनाए रखने की भी भरपूर कोशिश की है। कभी एफिल टावर पर भोज, कभी सैन्य परेड में विशेष सम्मान और कभी नोट्रे डेम कैथेड्रल के पुनरोद्धार समारोह में आमंत्रण देकर उन्होंने ट्रंप को साधने की कोशिश की है। लेकिन ईरान युद्ध और ग्रीनलैंड विवाद के बाद यूरोप में ट्रंप विरोध चरम पर पहुंच गया। एक समय तो हालात ऐसे बन गए थे कि यूरोपीय नेताओं को लगने लगा कि ट्रंप डेनमार्क के अधीन ग्रीनलैंड पर कब्जे के लिए अमेरिकी सेना भेज सकते हैं। यह केवल एक भू-राजनीतिक विवाद नहीं था, बल्कि उस भरोसे के टूटने का प्रतीक था जिस पर दशकों से अटलांटिक गठबंधन टिका हुआ था।

दरअसल, ग्रीनलैंड प्रकरण ने यूरोप को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि कहीं नाटो की सबसे बड़ी सैन्य ताकत ही उसके लिए सबसे बड़ा खतरा न बन जाए। यही कारण है कि अब यूरोपीय देशों में यह बहस तेज हो गई है कि अगर अमेरिका हर वैश्विक संकट में नेतृत्व नहीं करता या करना नहीं चाहता, तो आगे की दुनिया कैसी होगी। इस चिंता ने नाटो और अटलांटिक गठबंधन की नींव तक को हिला दिया है।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर भी इस बार दबाव में दिखे। घरेलू राजनीति में चुनौती झेल रहे स्टारमर को ईरान पर अमेरिकी हमलों का समर्थन न करने के कारण ट्रंप की नाराजगी का सामना करना पड़ा। ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से ब्रिटेन का मजाक उड़ाया और उसे असहयोगी तक कह दिया। नतीजा यह हुआ कि ब्रेक्जिट के बाद अमेरिका के और करीब जाने की कोशिश कर रहा ब्रिटेन अब फिर यूरोप की ओर झुकता दिखाई दे रहा है।

इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी, जिन्हें कभी ट्रंप का स्वाभाविक सहयोगी माना जाता था, वह भी अब दूरी बनाती नजर आ रही हैं। जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची इस सम्मेलन में पहली बार शामिल हुईं और उन्होंने अमेरिका, यूरोप तथा पश्चिम एशिया के बीच संवाद की कड़ी बनने की कोशिश की। साफ है कि दुनिया अब केवल अमेरिकी नेतृत्व पर निर्भर रहने की बजाय बहुध्रुवीय संतुलन की तरफ बढ़ रही है।

देखा जाये तो ट्रंप की सबसे बड़ी चुनौती यह भी है कि वह निजी कूटनीति को सार्वजनिक तमाशे में बदल देते हैं। पिछले वर्ष नाटो प्रमुख मार्क रुटे के निजी संदेश सार्वजनिक कर उन्होंने यह दिखा दिया था कि यूरोपीय नेता निजी तौर पर अमेरिका के दबाव को स्वीकार करते हैं, भले ही सार्वजनिक मंचों पर विरोध का अभिनय करें। इस कारण अब यूरोपीय नेताओं के लिए संतुलन साधना और मुश्किल हो गया है। उन्हें अपने मतदाताओं को भी संतुष्ट रखना है और अमेरिका से रिश्ते भी नहीं बिगाड़ने हैं।

इसी उथल पुथल के बीच भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी इस सम्मेलन में विशेष महत्व रखती है। जब पश्चिमी दुनिया भीतर से विभाजित दिखाई दे रही है, तब भारत एक ऐसे संतुलित और भरोसेमंद साझेदार के रूप में उभरा है जिस पर हर शक्ति केंद्र भरोसा करना चाहता है। मोदी ने रूस और अमेरिका दोनों से संबंध बनाए रखे, पश्चिम एशिया के संकटों में संतुलन साधा और ग्लोबल साउथ की आवाज को मजबूती से उठाया। यही वजह है कि आज दुनिया भारत को केवल एक बाजार नहीं, बल्कि स्थिर नेतृत्व वाली निर्णायक शक्ति के रूप में देख रही है।

देखा जाये तो मोदी की कूटनीति की सबसे बड़ी ताकत यही है कि उन्होंने भारत को किसी एक खेमे में सीमित नहीं होने दिया। अमेरिका से रणनीतिक साझेदारी भी कायम रखी और रूस के साथ पुराने रिश्ते भी नहीं टूटने दिए। पश्चिम एशिया में भारत की स्वीकार्यता बनी रही और यूरोप के साथ आर्थिक तथा तकनीकी सहयोग भी लगातार बढ़ता गया। जी-7 जैसे मंचों पर मोदी की उपस्थिति इस बात का संकेत है कि बदलती विश्व व्यवस्था में भारत केंद्र में आ चुका है। जब दुनिया अविश्वास, टकराव और अनिश्चितता से जूझ रही है, तब भारत संवाद, संतुलन और स्थिरता का चेहरा बनकर उभरा है। यही प्रधानमंत्री मोदी की कूटनीतिक सफलता का सबसे बड़ा प्रमाण है।

बहरहाल, जी-7 शिखर सम्मेलन 2026 की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि गहरे मतभेदों और पश्चिमी देशों के भीतर बढ़ती अविश्वास की राजनीति के बावजूद संवाद की प्रक्रिया टूटी नहीं। ईरान संकट के बाद वैश्विक अर्थव्यवस्था में पैदा हुए तनाव, तेल आपूर्ति को लेकर आशंकाओं और यूक्रेन युद्ध की लंबी खिंचती स्थिति के बीच सदस्य देशों ने कम से कम इस बात पर सहमति दिखाई कि बहुपक्षीय सहयोग को जिंदा रखना जरूरी है। सम्मेलन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, वैश्विक आर्थिक असंतुलन, आपूर्ति श्रृंखला, महत्वपूर्ण खनिजों की सुरक्षा और विकासशील देशों के कर्ज संकट जैसे मुद्दों पर साझा चर्चा आगे बढ़ी। यूरोप ने अपनी सामरिक स्वायत्तता का स्वर बुलंद किया, जबकि अमेरिका ने भी यह संकेत दिया कि यूरोपीय देशों को अपनी सुरक्षा जिम्मेदारियों में अधिक भागीदारी निभानी होगी। भारत, ब्राजील, केन्या और दक्षिण कोरिया जैसे देशों की भागीदारी ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि ग्लोबल साउथ को अब नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकासशील देशों की आकांक्षाओं को मजबूती से उठाकर भारत की वैश्विक भूमिका को और मजबूत किया।

हालांकि सम्मेलन कई अहम मुद्दों पर ठोस नतीजे देने में विफल भी रहा। यूक्रेन युद्ध को लेकर कोई निर्णायक रोडमैप सामने नहीं आया, चीन को लेकर पश्चिमी देशों के भीतर मतभेद बने रहे और जलवायु परिवर्तन जैसे गंभीर विषय को जानबूझकर पीछे कर दिया गया ताकि अमेरिका और यूरोप के बीच टकराव नहीं बढ़े। ईरान समझौते पर भी स्पष्टता का अभाव रहा और ट्रंप की आक्रामक शैली के कारण साझा घोषणापत्र को लेकर एकजुटता कमजोर दिखाई दी। कुल मिलाकर यह सम्मेलन उपलब्धियों से अधिक बदलती विश्व राजनीति के अंतर्विरोधों का प्रतीक बनकर सामने आया, जहां संवाद तो जारी रहा लेकिन भरोसे का संकट अब भी गहराता दिखाई दिया।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

सिर्फ उत्पादन नहीं, सामाजिक न्याय की कसौटी पर कसी जाए ऊर्जा नीति

(विजयशंकर चतुर्वेदी)

वित्तीय सुधारों के बावजूद कई राज्यों में सबसिडी भुगतान में देरी, जर्जर स्थानीय अवसंरचना, राजनीतिक हस्तक्षेप और कमजोर वसूली प्रणाली जैसी चुनौतियां बनी हुई हैं। भारत की ऊर्जा नीति इस समय एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां उपलब्धियों के चमकदार आंकड़े और वितरण की जमीनी वास्तविकताएं साथ-साथ दिखाई देती हैं। पिछले एक दशक में देश ने बिजली उत्पादन, ग्रिड विस्तार और अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है।मगर किसी भी लोकतांत्रिक समाज के लिए असली प्रश्न केवल यह नहीं होता कि वह कितनी बिजली पैदा कर रहा है, बल्कि यह भी होता है कि उस बिजली का लाभ किसे और कितनी समानता के साथ मिल रहा है।

इसी बिंदु पर उत्पादन और वितरण, उपलब्धि एवं अधिकार और विकास तथा समानता के प्रश्न एक-दूसरे से टकराते हैं। ऊर्जा सुरक्षा की दिशा में मिली सफलताओं को ऊर्जा न्याय में बदल पाना आज भारतीय ऊर्जा नीति की सबसे बड़ी परीक्षा है।

बिजली उत्पादन के मोर्चे पर उपलब्धियां निर्विवाद हैं। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण और विद्युत मंत्रालय के अनुसार, 31 जनवरी 2026 तक देश की कुल स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता 5,20,511 मेगावाट तक पहुंच चुकी थी, जो वर्ष 2013-14 के लगभग 224 गीगावाट के स्तर की तुलना में दोगुने से भी अधिक है। कुल स्थापित क्षमता में गैर-जीवाश्म स्रोतों की हिस्सेदारी 52 फीसद से ऊपर पहुंच चुकी है और नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 273 गीगावाट के आस-पास है।

पिछले वित्तीय वर्ष के शुरुआती दस महीनों में 52,537 मेगावाट नई क्षमता जोड़ी गई, जिसमें अधिकांश योगदान अक्षय ऊर्जा का रहा। राष्ट्रीय ग्रिड अब 242 गीगावाट की रिकॉर्ड मांग को संभालने में सक्षम है। इन उपलब्धियों ने भारत को वैश्विक ऊर्जा संक्रमण के अग्रणी देशों में शामिल किया है, लेकिन क्या राष्ट्रीय ग्रिड की यह प्रचुरता हर नागरिक के लिए भी उतनी ही वास्तविक और विश्वसनीय है, जितनी वह सरकारी आंकड़ों में दिखाई देती है? माना कि देश में सार्वभौमिक घरेलू विद्युतीकरण का लक्ष्य लगभग हासिल किया जा चुका है। मगर बिजली का मीटर लगा देना और गुणवत्तापूर्ण आपूर्ति एक ही बात नहीं हैं। शहरी क्षेत्रों में औसतन 23 घंटे और ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 21 घंटे बिजली उपलब्ध होने के सरकारी दावों के बावजूद जमीनी वस्तुस्थिति को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। देश के अनेक सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों, आदिवासी अंचलों और पहाड़ी इलाकों में आज भी मामूली तकनीकी खराबी के बाद बिजली आपूर्ति लंबे समय तक बाधित हो जाती है। शहरों में ट्रांसफार्मर खराब होने पर मरम्मत अपेक्षाकृत तेजी से होती है, जबकि दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में यही प्रक्रिया अधिक समय लेती है। कृषि क्षेत्र में बिजली की अनिश्चित उपलब्धता किसानों की उत्पादकता को प्रभावित करती है। अनेक राज्यों में कृषि और घरेलू फीडरों के पृथक्करण का कार्य अभी भी अधूरा है। ऊर्जा क्षेत्र की यह विषमता वितरण व्यवस्था में और स्पष्ट दिखाई देती है। महानगरों और बड़े औद्योगिक केंद्रों में बिजली आपूर्ति की गुणवत्ता अपेक्षाकृत बेहतर है। निजी वितरण कंपनियों के प्रवेश के बाद कई शहरों में उपभोक्ता सेवाओं, शिकायत निवारण और बिलिंग व्यवस्था में सुधार हुआ है, लेकिन इससे यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि ऊर्जा वितरण की चुनौतियां समाप्त हो गई हैं। नतीजा यह कि राष्ट्रीय औसत में सुधार के बावजूद अनेक क्षेत्रों में सेवा की गुणवत्ता अब भी असंतोषजनक है। दरअसल, सेवा गुणवत्ता में यही असमानता उस बड़े नीतिगत प्रश्न की ओर संकेत करती है कि आखिर ऊर्जा व्यवस्था का उद्देश्य केवल बिजली बेचना है या उसे एक सार्वजनिक अधिकार के रूप में उपलब्ध कराना भी है? यहीं ऊर्जा न्याय का संवेदनशील प्रश्न सामने आता है। जब बिजली की मांग उपलब्धता के बराबर पहुंचने लगे या आपूर्ति पर दबाव बढ़े, तब प्राथमिकता किसे मिलनी चाहिए? बड़े उद्योगों को, जो आर्थिक विकास और रोजगार का आधार हैं या ग्रामीण अस्पतालों, स्कूलों, सिंचाई प्रणालियों और छोटे कस्बों को, जिनके लिए बिजली विकास ही नहीं बल्कि जीवन और आजीविका की बुनियादी आवश्यकता है? भारत की सौर ऊर्जा क्षमता दुनिया के सबसे बड़े अक्षय ऊर्जा कार्यक्रमों में शामिल है, लेकिन यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि हरित ऊर्जा का लाभ केवल बड़े निवेशकों और चुनिंदा क्षेत्रों तक सीमित न रह जाए। यदि इस ऊर्जा का लाभ दूरस्थ क्षेत्रों तक नहीं पहुंचा, तो नई ऊर्जा व्यवस्था भी पुरानी असमानताओं को दोहरा सकती है। यह आशंका भी बनी रहेगी कि जीवाश्म ईंधन आधारित व्यवस्था की खामियों का स्थान हरित ऊर्जा की नई कमियों से न भर दिया जाए। भारत की ऊर्जा यात्रा सुरक्षा से शुरू हुई थी। अब उसकी अगली मंजिल ऊर्जा न्याय होनी चाहिए। ऊर्जा केवल अर्थव्यवस्था का ईंधन नहीं, बल्कि समान अवसर, सामाजिक गरिमा और विकास की आधारशिला भी है। (यह लेखक के अपने विचार है)

मोदी की फ्रांस, स्लोवाकिया यात्रा से बदले वैश्विक समीकरण, दुनिया को दिखा नए भारत का दम

(नीरज कुमार दुबे)

देखा जाये तो यूरोप की धरती पर मोदी का स्वागत जिस गर्मजोशी, रणनीतिक सम्मान और राजनीतिक विश्वास के साथ हुआ, उसने दुनिया को यह संदेश दिया कि बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारत की भूमिका निर्णायक होती जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फ्रांस और स्लोवाकिया यात्रा ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। खासतौर पर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने मोदी का स्वागत जिस धुरंधर स्टाइल में किया, उसने दुनिया को साफ संदेश दे दिया कि मोदी वैश्विक राजनीति के सबसे बड़े धुरंधरों में गिने जाते हैं। इस यात्रा के दौरान यूरोप की धरती पर भारत की बढ़ती ताकत और मोदी की वैश्विक लोकप्रियता हर तरफ दिखाई दी। फ्रांस से लेकर स्लोवाकिया तक भारतीय समुदाय ने अपने प्रधानमंत्री का जिस उत्साह, जोश और भारतीय अंदाज में स्वागत किया, उसकी गूंज पूरी दुनिया में सुनाई दी।

हाथों में तिरंगा, भारत माता के जयकारे और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने यह दिखा दिया कि दुनिया भर में बसे भारतीय आज अपने देश की बढ़ती प्रतिष्ठा पर गर्व महसूस कर रहे हैं। यही वजह है कि मोदी की यह यात्रा केवल एक विदेशी दौरा नहीं रही, बल्कि दुनिया के सामने नए और शक्तिशाली भारत का दमदार प्रदर्शन बन गई।

देखा जाये तो यूरोप की धरती पर मोदी का स्वागत जिस गर्मजोशी, रणनीतिक सम्मान और राजनीतिक विश्वास के साथ हुआ, उसने दुनिया को यह संदेश दिया कि बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारत की भूमिका निर्णायक होती जा रही है। विशेष रूप से फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा को जिस तरह भारतीय रंग दिया, वह भारत की बढ़ती सांस्कृतिक और रणनीतिक ताकत की स्वीकारोक्ति थी। सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो, मोदी और मैक्रों की आत्मीयता और नाइस में आयोजित भारत इनोवेट्स सम्मेलन ने यह साबित किया कि भारत और फ्रांस का रिश्ता अब केवल हथियार खरीद तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह तकनीक, नवाचार, अंतरिक्ष, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और वैश्विक नेतृत्व की साझेदारी में बदल चुका है।

मोदी और मैक्रों की बैठक में जो सबसे महत्वपूर्ण संदेश उभरा, वह था रक्षा सहयोग का नया प्रारूप। भारत ने साफ कर दिया कि अब वह केवल विदेशी हथियारों का खरीदार नहीं रहेगा। राफेल कार्यक्रम को लेकर भारत ने सह विकास, सह डिजाइन, सह उत्पादन और सह निर्माण की नीति अपनाकर अपनी रणनीतिक दिशा स्पष्ट कर दी है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री का बयान इस बात का संकेत है कि मोदी सरकार रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को निर्णायक रूप से आगे बढ़ा रही है।

देखा जाये तो राफेल केवल एक युद्धक विमान नहीं है बल्कि यह भारत की सामरिक शक्ति का प्रतीक बन चुका है। भारतीय वायुसेना के पास पहले से मौजूद 36 राफेल विमानों ने दक्षिण एशिया में शक्ति संतुलन को बदल दिया है। अब भारतीय नौसेना के लिए 26 राफेल समुद्री विमानों का समझौता और भविष्य में बड़े राफेल कार्यक्रम की तैयारी यह दिखाती है कि भारत हिंद महासागर से लेकर हिमालय तक अपनी सैन्य क्षमता को नई ऊंचाई पर ले जा रहा है। इन विमानों की लंबी दूरी तक मार करने की क्षमता, अत्याधुनिक सेंसर प्रणाली और बहु भूमिका युद्ध कौशल भारत को चीन और पाकिस्तान दोनों के खिलाफ निर्णायक बढ़त देते हैं।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अब राफेल का निर्माण और उसके पुर्जों का उत्पादन भारत में करने की दिशा में बातचीत आगे बढ़ रही है। इसके जरिये भारत विश्व का

प्रमुख रक्षा विनिर्माण केंद्र बन सकता है। इससे न केवल लाखों कुशल रोजगार पैदा होंगे बल्कि भारत का रक्षा औद्योगिक ढांचा भी मजबूत होगा। यह बदलाव दक्षिण एशिया की सामरिक राजनीति पर गहरा प्रभाव डालेगा। अब तक हथियार आयात पर निर्भर भारत धीरे धीरे रक्षा निर्यातक राष्ट्र बनने की दिशा में बढ़ रहा है। इससे क्षेत्रीय शक्ति संतुलन भारत के पक्ष में और अधिक झुकता दिखाई देगा।

राफेल, एआई और रणनीति... मोदी ने यूरोप में रचा नया इतिहास

साथ ही फ्रांस के साथ भारत की साझेदारी केवल रक्षा तक सीमित नहीं है। दोनों देशों ने अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य तय किया है। भारत फ्रांस नवाचार रोडमैप 2030, कृत्रिम बुद्धिमत्ता कार्य समूह, आर्थिक सुरक्षा संवाद और महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति श्रृंखला पर सहयोग जैसे फैसले इस बात का संकेत हैं कि दोनों देश आने वाले दशकों की वैश्विक अर्थव्यवस्था और तकनीकी प्रतिस्पर्धा को साथ मिलकर आकार देना चाहते हैं।

नाइस में आयोजित भारत इनोवेट्स सम्मेलन इस यात्रा का सबसे प्रतीकात्मक क्षण साबित हुआ। एक सौ बीस से अधिक भारतीय डीप टेक स्टार्टअप, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों की भागीदारी और वैश्विक निवेशकों की मौजूदगी ने यह साबित कर दिया कि भारत अब केवल बाजार नहीं, बल्कि नवाचार का वैश्विक केंद्र बन चुका है। मोदी ने सही कहा कि भारत और फ्रांस का रिश्ता केवल हितों का नहीं, बल्कि साझा दृष्टि का रिश्ता है। मैक्रों द्वारा भारत की चंद्रयान उपलब्धि और नवाचार क्षमता की खुली प्रशंसा इस बात का प्रमाण है कि विश्व अब भारत को तकनीकी महाशक्ति के रूप में देखने लगा है।

फ्रांस यात्रा का एक और महत्वपूर्ण पहलू था अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा सहयोग। छोटे और उन्नत परमाणु रिएक्टरों पर सहयोग तथा मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम में साझेदारी भारत को भविष्य की रणनीतिक तकनीकों में अग्रणी स्थान दिला सकती है। यही कारण है कि भारत फ्रांस संबंध अब पारंपरिक कूटनीति से निकलकर भविष्य की वैश्विक व्यवस्था की धुरी बनते दिख रहे हैं। देखा जाये तो मोदी की यह पूरी यूरोपीय यात्रा दरअसल भारत की बहुस्तरीय कूटनीति का उदाहरण है। एक ओर फ्रांस जैसे शक्तिशाली राष्ट्र के साथ रक्षा और तकनीकी गठजोड़ को नई ऊंचाई दी जा रही है, वहीं दूसरी ओर स्लोवाकिया जैसे देशों के माध्यम से यूरोप में भारत का प्रभाव क्षेत्र विस्तारित किया जा रहा है। यह नीति भारत को ग्लोबल साउथ और पश्चिमी शक्तियों के बीच एक संतुलित, विश्वसनीय और प्रभावशाली शक्ति के रूप में स्थापित कर रही है।

इसमें कोई दो राय नहीं कि आज दुनिया के बदलते भू राजनीतिक माहौल में भारत जिस आत्मविश्वास के साथ अपनी रणनीतिक दिशा तय कर रहा है, उसके केंद्र में प्रधानमंत्री मोदी की सक्रिय और दूरदर्शी कूटनीति है। चाहे रक्षा आत्मनिर्भरता का लक्ष्य हो, वैश्विक नवाचार में नेतृत्व की महत्वाकांक्षा हो या यूरोप के साथ बहुआयामी साझेदारी का विस्तार, मोदी सरकार ने हर मोर्चे पर भारत की स्थिति को मजबूत किया है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

प्रखंड मुख्यालय में खुला जीविका दीदी अधिकार केंद्र

अब गांव में ही मिलेंगी डिजिटल सेवाएं

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोढा (कटिहार)। कोढ़ा प्रखंड मुख्यालय परिसर में ग्रामीणों को विभिन्न ऑनलाइन और सरकारी सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जीविका दीदी अधिकार केंद्र सीएसपी का शुभारंभ किया गया। केंद्र के उद्घाटन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्र की विधायक कविता पासवान मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। कार्यक्रम में जिला परिषद अध्यक्ष रश्मि सिंह एवं विधायक ने दीप प्रज्ज्वलन और फीता काटकर केंद्र का उद्घाटन किया ।

इस मौके पर जीविका समूह की महिलाओं ने अतिथियों का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया। बड़ी संख्या में ग्रामीणों और स्वयं सहायता समूह की सदस्याओं की उपस्थिति से कार्यक्रम में उत्साह का माहौल बना रहा। अपने संबोधन में विधायक कविता पासवान ने कहा कि यह केंद्र ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के लिए काफी लाभकारी साबित होगा। उन्होंने बताया कि अब लोगों को छोटी-छोटी ऑनलाइन सेवाओं के लिए शहरों की ओर नहीं जाना पड़ेगा। उनके अनुसार यह पहल महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ-साथ स्वरोजगार के नए अवसर भी उपलब्ध कराएगी। जिला परिषद अध्यक्ष रश्मि सिंह ने कहा कि अधिकार केंद्र के माध्यम से आम लोगों को एक ही स्थान पर कई महत्वपूर्ण सरकारी सेवाएं मिल सकेंगी। यहां भूमि म्यूटेशन, ऑनलाइन रसीद, परिमार्जन, राशन कार्ड संबंधी कार्य, बिजली कनेक्शन आवेदन, पेंशन योजनाओं सहित कई सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। उन्होंने बताया कि इन सुविधाओं के लिए लोगों को निर्धारित शुल्क से भी कम खर्च करना पड़ेगा, जिससे गरीब और जरूरतमंद परिवारों को विशेष लाभ मिलेगा। मौके पर उपस्थित प्रखण्ड विकास पदाधिकारी राजकुमार पंडित,अंचलाधिकारी संजीव कुमार प्रखण्ड परियोजना प्रबंधक उत्तमानंद भारती मुख्य पार्षद धीरज सिंह ने कहा कि जीविका दीदियों द्वारा संचालित यह केंद्र डिजिटल सेवाओं को गांव तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएगा। इससे पारदर्शिता बढ़ेगी, समय की बचत होगी और ग्रामीणों को बेहतर सुविधा मिल सकेगी। कार्यक्रम के अंत में जीविका दीदियों ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए बेहतर सेवा देने का संकल्प दोहराया।

किराना दुकान का फाटक तोड़कर चोरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कुरसेला (कटिहार)। नगर पंचायत क्षेत्र में चोरों ने एक किराना दुकान को निशाना बनाते हुए करीब 10 हजार रुपये नकद उड़ा लिए। घटना घूरना स्कूल के पास स्थित गोलू किराना स्टोर में बीती रात हुई। दुकानदार गोलू कुमार ने बताया कि सुबह दुकान खोलने पहुंचे तो देखा कि बांस की बत्ती से बना फाटक फैला हुआ था। चोर फाटक को हटाकर दुकान के अंदर घुसे और गल्ले में रखे बिक्री के करीब 9 से 10 हजार रुपये लेकर फरार हो गए। बताया गया कि किराना दुकान के साथ संचालित नाश्ता दुकान का कैश भी गायब है। दुकानदार ने घटना की सूचना कुरसेला थाना को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल की जांच की और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने में जुट गई है। पुलिस चोरों की पहचान के लिए जांच कर रही है।

सहयोग शिविर में प्राप्त 7418 आवेदनों में 6632 का निष्पादन

डीएम, एडीएम सहित अन्य वरीय पदाधिकारियों ने लिया जायजा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। सरकार की विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने तथा उससे जुड़ी समस्याओं के त्वरित समाधान को लेकर माह के तीसरे मंगलवार को जिले के सभी प्रखंडों के एक पंचायत में ह्सहयोग शिविरह्व एवं प्रखंडस्तर पर सहयोग-सह-जन कल्याण शिविरह्व का आयोजन किया गया। जिला पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी ने हसनगंज प्रखंड अंतर्गत जगरनाथपुर प्राथमिक विद्यालय परिसर, मानापुर एवं डंडखोरा प्रखंड अंतर्गत द्वाशय पंचायत भवन में "सहयोग शिविर" तथा दोनों प्रखंड मुख्यालयों में आयोजित प्रखण्ड सहयोग-सह-जन कल्याण शिविर में भाग लेकर आमजनों की समस्याओं के निष्पादन का जायजा लिया एवं लाभुकों को समस्याओं के समाधान का प्रमाण पत्र भी प्रदान किया। शिविरों को संबोधित करते हुए डीएम ने आयोजन के उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला।उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से आमजनों को अपनी शिकायतें, समस्याएं एवं सुझाव सीधे प्रशासन के समक्ष रखने तथा उनका समयबद्ध निवारण सुनिश्चित करना है। डीएम ने कहा कि 17 एवं 18 जून को भी जिले के सभी प्रखंडों में प्रखण्ड सहयोग -सह-जन कल्याण शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिसका उद्देश्य आमजनों की समस्याओं को एकत्रित कर 30 दिनों के अंदर समाधान करना है। उन्होंने लोगों से अधिक से संख्या में आवेदन देकर लाभ लेने की अपील की।

शिविरों में विभिन्न विभागों के अलग-अलग स्टॉल लगाये गये थे। जिले में सहयोग शिविरों के माध्यम से 16.06.2026 को कुल 7418 आवेदन प्राप्त हुए। जिसमें 6632 आवेदनों का निष्पादन कर दिया गया है। शेष आवेदनों को भी शीघ्र निष्पादित कर सेवा संवाद समाधान पोर्टल पर अपडेट कर दिया जाएगा। इस क्रम में अपर समाहर्ता डॉ. बिनोद कुमार, वरीय उपसमाहर्ता नैमिष कुमार सहित नोडल पदाधिकारी साथ रहे।

संक्षिप्त समाचार

प्रखंड मुख्यालय में जन-कल्याण शिविर

फलका/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। प्रखंड मुख्यालय परिसर स्थित प्रखंड सहयोग-सह-जन-कल्याण शिविर का आयोजन किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य आम लोगों तक सरकारी

योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा इन स्टॉलों पर आयुष्मान भारत योजना, आयुष्मान वय वंदना कार्ड, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, लखपति दीदी योजना, पीएम स्वनिधि, किसान क्रेडिट कार्ड, मुख्यमंत्री कन्या उत्थान छात्रवृत्ति योजना और मुख्यमंत्री उद्यमी योजना जैसी कई महत्वपूर्ण योजनाओं से संबंधित जानकारी दी जा रही है। प्रत्येक स्टॉल पर संबंधित विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहकर लोगों की समस्याओं का समाधान कर रहे हैं और आवेदन संबंधी प्रक्रिया में सहयोग दे रहे हैं। प्रखंड विकास पदाधिकारी सन्नी सौरभ ने बताया कि शिविर में सभी विभाग स्टॉल स्थापित किए गए हैं। सभी स्टॉलों पर अधिकारियों और कर्मचारियों की तैनाती की गई है ताकि आने वाले लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो बुधवार को शिविर लोगों का ताता लगा हुआ था।

अवैध पैथोलॉजी सेंटर खोल कर रोगियों के जीवन से हो रहा खिलवाड़

कदवा/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। प्रखंड क्षेत्र में विगत कई वर्षों से एक अवैध पैथोलॉजी संचालित होने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार प्रखंड मुख्यालय के पास हीं गोदावरी मेडिकल हॉल में रोगियों की जान से खेलने वाला अवैध धंधा फल फूल रहा है।जिसका शिकार कदवा सहित डंडखोरा और आजमनगर प्रखंड की

गरीब जनता हो रही है। आमजनों की आंखों में धूल झोंकने के लिए इस पैथोलॉजी में श्योर प्लस डायग्नोस्टिक, डा. एसएन कुमार, एमडीपैथ, बिहार टाकिज रोड,लाइन बाजारपूर्णियाँ का बोर्ड भी लगा देखा जाता है।बोर्ड पर रजि.नं.-75/17 अंकित है। सूत्रों के अनुसार पैथोलाजी में सत्यम कुमार नामक युवक रोगियों का सेम्पल कलेक्ट कर एक से डेढ घंटे में जांच रिपोर्ट दे देता है।हलांकि सत्यम कुमार का कहना है कि सैंपल का पूर्णियां लैब में ले जाकर जांच के बाद रिपोर्ट तैयार किया जाता है।जबकि कुम्हड़ी से लाइन बाजार की दूरी कम से कम 35 किमी है।जहाँ जाने आने में लगभग दो घंटा समय और 200 रुपये खर्च होता है।इस स्थिति में पूर्णियां में जांच कराकर एक-डेढ घंटे में रिपोर्ट देने वाला बयान हीं भ्रामक प्रतीत होता है।लोगों की माने तो स्वयं सत्यम कुमार हीं जांच कर रिपोर्ट बनाकर रोगी को देता है। ऐसे में कई सवाल स्थानीय स्तर पर चर्चा में है कि गोदावरी मेडिकल हॉल में कई चिकित्सक प्राइवेट रुप से रोगियों का इलाज करते हैं जो स्वास्थ्य विभाग में उच्चाधिकारी की जिम्मेवारी निभा चुके हैं।लेकिन इस बड़े फजीर्वाड़े की जानकारी प्रशासन को नहीं होगी,इस पर शायद हीं किसी को विश्वास हो रहा है। इस विभाग को जानने वालों की माने तो एक लाइसेंस पर एक ही जगह लैब चलाया जा सकता है,तो फिर दूसरे जिले में चलाने का सवाल हीं कहां उठता है? मतलब साफ है कि बिना जांच के ही फर्जी रिपोर्ट बना कर रोगियों का दोहन किया जाता है।क्योंकि पैथोलॉजी में न कोई टेक्नीशियन है और न हीं पैथोलॉजिस्ट। संचालक सह कंपाउंडर ही खून निकालकर मनमानी रिपोर्ट दे रहा है। गलत रिपोर्ट के आधार पर दी गई दवा खाने से जान भी जा सकती है। खासकर शुगर, थायराइड, किडनी जैसी बीमारियों की जांच में गड़बड़ी जानलेवा हीं होगी।सिविल सर्जन डा. जितेंद्र नाथ सिंह ने बताया कि पूर्णिया का लाइसेंस से कटिहार में पैथोलॉजी नहीं चलाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अगर इस प्रकार का मामला है तो निश्चित तौर पर जांच कर कारवाई की जाएगी।वहीं स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से पैथोलॉजी की जांच कराकर दोषी पाये जाने पर संचालक के विरुद्ध कठोरतम कारवाई किये जाने की मांग की है।

राजद ने किया धरना प्रदर्शन

अररिया (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। बुधवार को जिला मुख्यालय अररिया स्थित रजिस्ट्री ऑफिस के पास राष्ट्रीय जनता दल द्वारा महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, गरीबों के शोषण एवं बदहाल विधि-व्यवस्था जैसे जनहित के मुद्दों को लेकर एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन सफलतापूर्वक

आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में राजद नेताओं, कार्यकताओं एवं आम जनता ने भाग लेकर सरकार के जनविरोधी नीतियों के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की। हम सभी साथियों, कार्यकताओं एवं सम्मानित नागरिकों का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं, जिनकी उपस्थिति और सहयोग से यह धरना कार्यक्रम सफल हुआ। जनता के हक और अधिकार की लड़ाई जारी रहेगी।

नगर निगम में दिलाई गई नशा मुक्ति की शपथ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। नगर निगम सभागार में नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें उपस्थित अधिकारियों,कर्मचारियों को नशामुक्त भारत निर्माण हेतु शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज को नशे की बुराइयों से मुक्त कर स्वस्थ एवं सशक्त भारत के निर्माण के लिए लोगों को प्रेरित करना था। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने शपथ ली कि वे स्वयं किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहेंगे तथा अपने परिवार, मित्रों और समाज के अन्य लोगों को भी नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करेंगे। साथ ही उन्होंने कटिहार

जिले एवं देश को नशामुक्त बनाने के लिए अपनी क्षमता के अनुसार हर संभव प्रयास करने का संकल्प लिया। शपथ के दौरान यह संदेश दिया गया कि युवा राष्ट्र की ऊर्जा हैं और देश के विकास में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। इसलिए युवाओं को नशे से दूर रखते हुए सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ाना समय की आवश्यकता है। नशा मुक्त भारत अभियान का उद्देश्य समाज में जागरूकता फैलाकर नशे के दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को सचेत करना तथा उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है।नगर निगम के अधिकारियों ने कहा कि नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए जनभागीदारी अत्यंत आवश्यक है। जब प्रत्येक व्यक्ति स्वयं से परिवर्तन की शुरूआत करेगा,तभी नशा मुक्त भारत का सपना साकार हो सकेगा।इस अवसर पर नगर निगम के नगर आयुक्त संतोष कुमार, अधिकारी विवेक कुमार, अजय कुमार सिंह, राहुल कुमार, नुर अली खान, ज्योति कृष्ण मुर्ति सहित अभिषेक कुमार सिंह व अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे ।

हाट जाने वाली सड़क गंदे पानी का तालाब बनकर रह गई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

फलका (कटिहार) । हाट जाने वाली सड़क पर गंदे पानी को लेकर बदहाली के आंसू बहा रहा है। फलका हाट में सौंदर्याकरण के लिए सरकार के द्वारा आदेश किए गए पर फलका बाजार हाट सड़क पर नाला लीक होने से गंदा पानी का तालाब बनकर रह गया है चिकित्सा पदाधिकारी ने कहा कि गंदा और दूषित पानी के संपर्क में आने से कई गंभीर और जानलेवा बीमारियां फैलती हैं। इनमें टाइफाइड, हैजा कॉलरा, दस्त डायरिया,पीलिया हेपेटाइटिस ए,ई और पेचिश जैसी बीमारियां प्रमुख हैं। दूषित पानी नुकसान पहुंचता है

गंदे पानी की समस्या के साथ खिलवाड़ और प्रशासन की उदासीनता को दिखाता है। यह एक अत्यंत गंभीर मुद्दा है। जो सीधा आपके स्वास्थ्य और परिवार विशेषकर बच्चों की स्वस्थ से जुड़ा है। आखिर कब तक लोगों को झेलना पड़ेगा गंदे पानी की समस्या से जिम्मेवार कौन।

छोहार पहुंचे कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव तौकीर आलम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

समेली (कटिहार)। प्रखंड के छोहार पंचायत में कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं बरारी विधानसभा के पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी तौकीर आलम पहुंचे। उन्होंने हाल ही में हुई युवक मनीष कुमार मंडल की निर्मम हत्या पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए मृतक के परिजनों से मुलाकात की और उन्हें ढांढस बंधाया। कुछ दिनों पूर्व छोहार पंचायत निवासी मनीष कुमार मंडल की गला रेतकर हत्या कर दी गई थी, जिससे पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी। इस घटना के बाद तौकीर आलम मृतक के घर पहुंचे और परिजनों से मिलकर घटना की जानकारी ली। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा

कि इस दुख की घड़ी में कांग्रेस पार्टी परिवार के साथ खड़ी है। तौकीर आलम ने कहा कि इस जघन्य हत्याकांड में दोषियों की जल्द गिरफ्तारी एवं पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए वे प्रशासनिक अधिकारियों से बात करेंगे। उन्होंने कहा कि इस मामले को लेकर कटिहार के पुलिस अधीक्षक एवं संबंधित अधिकारियों से मुलाकात कर निष्पक्ष जांच तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की जाएगी। उन्होंने परिजनों को भरोसा दिलाया कि न्याय मिलने तक वे इस मामले को लगातार उठाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि कानून - व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की जिम्मेदारी है और ऐसी घटनाएं समाज के लिए चिंता का विषय हैं।अपराधियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाना चाहिए। इस अवसर पर कांग्रेस नेता सरदार संजू सिंह, पूर्व प्रमुख प्रकाश मंडल, सरपंच प्रतिनिधि मधुकर कुमार, पंचायत समिति सदस्य विलास हरी, उप मुखिया संजय चौधरी, पूर्व पैक्स अध्यक्ष विकास चौधरी, राहुल भारती, भोला साह, डूमर पंचायत के पूर्व उपसरपंच प्रतिनिधि मनोवर आलम, वार्ड सदस्य सिराजुल आलम सहित कई जनप्रतिनिधि, कांग्रेस कार्यकर्ता एवं ग्रामीण मौजूद थे। मृतक के परिजनों ने भी प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है।

शिविर में प्राप्त आवेदनों के त्वरित निष्पादन को लेकर नगर आयुक्त ने समीक्षा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। नगर निगम कटिहार की ओर से आयोजित सहयोग शिविर में प्राप्त आवेदनों के निष्पादन की समीक्षा हेतु बुधवार को नगर निगम सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता नगर आयुक्त संतोष कुमार ने की। समीक्षा बैठक में सहयोग शिविर के दौरान प्राप्त विभिन्न आवेदनों की स्थिति, उनके निष्पादन की प्रगति तथा लंबित मामलों पर विस्तार से चर्चा की गई। नगर आयुक्त श्री कुमार ने प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों एवं संबंधित कर्मियों से आवेदनों के निष्पादन की अद्यतन जानकारी प्राप्त की तथा सभी मामलों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। नगर आयुक्त ने कहा कि सहयोग

शिविर का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान करना है। इसलिए प्राप्त सभी आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर निष्पादन किया जाए तथा किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी न हो। बैठक में सहयोग शिविर हेतु प्रतिनियुक्त सभी पदाधिकारी एवं कर्मी निर्धारित समय पर उपस्थित रहे। नगर आयुक्त ने सभी अधिकारियों एवं कर्मियों को जनहित से जुड़े कार्यों में संवेदनशीलता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। बैठक के अंत में लंबित आवेदनों के शीघ्र निष्पादन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए तथा संबंधित अधिकारियों को नियमित रूप से प्रगति प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया।

समेली में नशा मुक्ति सप्ताह के तहत दिलाई गई शपथ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

समेली (कटिहार) । समेली प्रखंड मुख्यालय परिसर में बुधवार को नशा मुक्ति भारत अभियान के तहत नशा मुक्त सप्ताह के अवसर पर शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों, कर्मियों एवं जनप्रतिनिधियों ने नशा मुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया। इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी सत्येंद्र सिंह ने उपस्थित लोगों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई तथा युवाओं से नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवा किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति और ऊर्जा होते हैं। देश एवं समाज

के विकास में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसलिए नशा मुक्त भारत अभियान से अधिक से अधिक युवाओं को जोड़ना समय की आवश्यकता है।बीडीओ ने कहा कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि परिवार और समाज को भी नुकसान पहुंचाता है। उन्होंने कहा कि हम सभी को यह संकल्प लेना चाहिए कि न केवल स्वयं नशे से दूर रहेंगे, बल्कि अपने परिवार, मित्रों एवं आसपास के लोगों को भी नशा मुक्त बनाने के लिए प्रेरित करेंगे। बदलाव की शुरूआत स्वयं से होती है और यदि प्रत्येक व्यक्ति इस दिशा में प्रयास करे तो समाज को नशा मुक्त बनाया जा सकता है।

ऑफिसर्स क्लब में नवनिर्मित बास्केटबॉल ग्राउंड का उद्घाटन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। कटिहार रेलमंडल अंतर्गत खेल एवं फिटनेस गतिविधियों को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए रेलवे ऑफिसर्स क्लब स्थित नवनिर्मित बास्केटबॉल ग्राउंड का उद्घाटन प्रधान मुख्य विद्युत अभियंता पीसीईई सुधांशु कृष्ण दुबे द्वारा किया गया। वही उद्घाटन समारोह में कटिहार रेल मंडल के डीआरएम किरेंद्र नरह, एडीआरएम मनोज कुमार सिंह, खेल पदाधिकारी पंकज पाल, डीसीएम कुमार जितेंद्र सिंह सहित कटिहार मंडल के सभी वरिष्ठ वो अन्य रेल अधिकारी बड़ी संख्या में रेल अधिकारी मौजूद रहे। आयोजित कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने खेल सुविधाओं के विस्तार को कर्मचारियों एवं उनके परिवारों के स्वास्थ्य, फिटनेस और

खेल प्रतिभाओं के विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। वही डीआरएम किरेंद्र नरह ने बताया कि यह आधुनिक बास्केटबॉल ग्राउंड खिलाड़ियों को बेहतर मंच प्रदान करेगा तथा मंडल में खेल संस्कृति को नई ऊर्जा मिलेगी। वही इसके उद्घाटन के साथ ही अधिकारियों एवं खिलाड़ियों में उत्साह का माहौल देखा गया। रेल में खेलों को बढ़ावा देने की दिशा में यह एक सराहनीय कदम है।

अखंड हरिनाम संकीर्तन को लेकर निकली शोभा यात्रा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही (कटिहार)। प्रखंड क्षेत्र के मरंगी पंचायत के विजयधारी हनुमान मंदिर मरंगी में 24 प्रहर 72 घंटे के अखंड हरिनाम संकीर्तन को लेकर बुधवार की सुबह में कलश शोभायात्रा निकाली गई ।कलश शोभायात्रा की अगुवाई पंचायत के मुखिया सह संघ के अध्यक्ष शंकर कुमार यादव,पूर्व मुखिया नीरज कुमार यादव,प्रदीप कुमार पासवान, सुभाष कुमार यादव, छोटेलाल यादव,रतन कुमार यादव,योगेश कुमार पासवान कर रहे थे । इस अवसर पर 251 कुंवारी कन्याएं मनिहारी गंगा धाम से लाए जल को कलश में भरकर शर्मा टोला, मरंगी चांदनी चौक,नारायणपुर होते हुए मरंगी यादव टोला होते हुए यज्ञ स्थल विजयधारी हनुमान मंदिर पहुंचे। इस मौके पर मंदिर परिसर में विभिन्न देवी देवताओं के प्रतिमा स्थापित

किए गए हैं जो आकर्षण का केंद्र दिख रहा हैं। मौके पर आचार्य सुभाषचंद्र झा के द्वारा वैदिक मंत्रोचार के साथ पूजा पाठ कर हरिनाम संकीर्तन का शुभारंभ कराया । मौके पर जजमान के रूप में कंचन माला देवी,प्रदीप कुमार पासवान पूजा अर्चना कर रहे थे। मौके पर हरिनाम संकीर्तन कमेटी के अध्यक्ष भोला पासवान ने बताया कि हर साल की तरह इस साल भी गंगा दशहरा के शुभ अवसर पर हरिनाम संकीर्तन का आयोजन करना था लेकिन मलमास होने के कारण इस कार्यक्रम को 17 जून को रखा गया एवं आज 17 जून को विधिवत मंदिर परिसर से कलश शोभा यात्रा निकाली गई इनके उपरांत पूजा पाठ कर हरिनाम संकीर्तन का शुभारंभ किया गया। हरिनाम संकीर्तन को लेकर पूरे ग्रामवासी पूजा पाठ में तल्लीन दिखे। इस अवसर पर हरिनाम संकीर्तन कमेटी के अध्यक्ष भोला पासवान, उपाध्यक्ष पवन कुमार यादव, सचिव प्रदीप कुमार पासवान, उप सचिव देव नारायण पासवान, कोषाध्यक्ष रामावतार पासवान सहित कमिटी के सदस्य मौजूद रहे ।

अमेरिका से क्यों अकड़ रहा इजरायल देख लीजिए दुनिया के अमीरों की लिस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। जगजीत सिंह की एक चर्चित गजल है। बात निकली है तो दूर तलक जाएगी...कुछ ऐसी ही बात ईरान के साथ अमेरिका के युद्धविराम समझौते से निकलकर आ रही है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू इस समझौते पर अपना अलग रुख बनाए हुए हैं। इजरायल का कहना है कि वह अपनी सुरक्षा खुद करेगा। इससे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के बीच तनाव पैदा हो गया है। मगर, इजरायल की इस अकड़ के पीछे दुनिया के वो पांच सबसे बड़े यहूदी अमीर हैं, जो दुनिया के टॉप-10 अमीरों में शामिल हैं। ब्लूमबर्ग ने दुनिया के टॉप-100 अमीरों की सूची जारी की है। इस सूची में टॉप-10 में शामिल ये यहूदी अमीर हैं डेल टेक्नोलॉजीज के फाउंडर माइकल डेल, ओरेकल के को-फ़ाउंडर लैरी एलिसन, गूगल और अल्फाबेट के को-फ़ाउंडर लैरी पेज, फेसबुक मार्क जकरबर्ग, गूगल के को फाउंडर सर्गेई ब्रिन। ऐसे में इजरायल का अकड़ना लाजिमी है। वैसे भी अक्टूबर में इजरायल में आम चुनाव होने हैं, जिसमें बड़ी मात्रा में धन-बल की जरूरत होगी।

लैरी पेजः दुनिया के दूसरे नंबर के अमीर, नेटवर्थ 317 बिलियन डॉलर

ब्लूमबर्ग की टॉप-10 अमीरों की सूची में दूसरे नंबर पर गूगल और अल्फाबेट के को-फ़ाउंडर लैरी पेज हैं, जिनकी कुल नेटवर्थ 317 बिलियन डॉलर है। लैरी पेज से पहले सूची में पहले नंबर पर काबिज टेस्ला के मालिक एलन मस्क हैं, जो 1.32 ट्रिलियन डॉलर नेटवर्थ के साथ दुनिया के पहले ट्रिलियनेयर बन चुके हैं। लैरी पेज अपनी मां की तरफ से यहूदी मूल के हैं। उनकी मां ग्लोरिया कंप्यूटर साइंस की टीचर हैं और यहूदी हैं। उनके नाना बाद में इजरायल चले गए थे। वहीं, पिता की तरफ से लैरी पेज के पिता कार्ल कंप्यूटर साइंस के प्रोफेसर हैं और प्रोटेस्टेंट पृष्ठभूमि से थे। गूगल के को फाउंडर सर्गेई ब्रिन यहूदी हैं। ब्लूमबर्ग की लिस्ट में वह टॉप-10 अमीरों में दुनिया में तीसरे नंबर पर हैं। उनकी कुल नेटवर्थ 295 बिलियन डॉलर है। सर्गेई ब्रिन का जन्म 1973 में सोवियत संघ के मॉस्को में एक यहूदी परिवार में हुआ था। रूस में यहूदियों के खिलाफ होने वाले भेदभाव से बचने के लिए उनका परिवार 1979 में अमेरिका चला गया। हालांकि, उनके पिता ने अपनी यहूदी विरासत को पूरी तरह धार्मिक न मानकर मुख्य रूप से जातीय और आनुवंशिक बताया है, फिर भी ब्रिन अपनी जड़ों से जुड़े रहे हैं। वे अक्सर प्रभावशाली यहूदी बिजनेस लीडर्स की लिस्ट में शामिल होते हैं। जैसे कि फोर्ब्स इजरायल और यरूसलम पोस्ट द्वारा जारी की जाने वाली लिस्ट में भी वह शामिल रहते हैं। ओरेकल के को-फ़ाउंडर लैरी एलिसन यहूदी मूल के हैं। ब्लूमबर्ग की लिस्ट में टॉप-10 अमीरों में वह पांचवें नंबर पर हैं। उनकी कुन नेटवर्थ 243 बिलियन डॉलर है। लैरी एलिसन का जन्म न्यूयॉर्क शहर में एक यहूदी मां से हुआ था और शिकागो में उनके यहूदी पालक माता-पिता ने उनकी परवरिश की। हालांकि, वे अपनी विरासत से सांस्कृतिक रूप से जुड़े हुए हैं, लेकिन उन्होंने अक्सर खुद को धर्म के प्रति संशयवादी बताया है और वे यहूदी धर्म की खास मान्यताओं को नहीं मानते हैं। डेल टेक्नोलॉजीज के फाउंडर माइकल डेल यहूदी हैं। ब्लूमबर्ग की दुनिया की टॉप 100 अमीरों की सूची में माइकल डेल छठें पायदान पर हैं। माइकल डेल का जन्म ह्यूस्टन, टेक्सास में एक यहूदी परिवार में हुआ था और उनकी परवरिश यहूदी धर्म को मानते हुए हुई थी।

म्यूचुअल फंड एसआईपी का जादू, शेयर बाजार में भले ही भारी उठापटक हो, यहां तो शानदार रिटर्न है!

मुंबई, एजेंसी। पश्चिम एशिया की अशांति के बीच पिछले कुछ महीने से भारतीय शेयर बाजारों भारी उतार-चढ़ाव दिख रहा है। लेकिन म्यूचुअल फंड की कुछ अच्छी इक्विटी स्कीमें इससे अछूती दिखती हैं। जानकार भी बताते हैं कि लंबे समय तक अगर एसआईपी में निवेश किया जाए तो इससे बेहतर रिटर्न मिलता है। आज हम बता रहे हैं आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल की पांच ऐसी इक्विटी स्कीमों के बारे में, जिन्होंने बीते 15 सालों में 18.5 फीसदी तक का सालाना रिटर्न दिया है।

शेयरों में निवेश की बात करें, तो इस क्षेत्र में म्यूचुअल फंड एक जाना माना नाम है। प्रूडेंशियल मिडकैप फंड का एयूएम इस समय 7,789 करोड़ रुपये का है। यह स्कीम ऐसी मिड-साइज़ कंपनियों में निवेश करती है

जिनमें भविष्य की मार्केट लीडर बनने की क्षमता होती है। सेबी के वर्गीकरण के अनुसार, मिड-कैप कंपनियां वे होती हैं जो मार्केट कैपिटलाइज़ेशन के आधार पर 101वें से 250वें स्थान पर आती हैं। इस फंड ने 15 साल में 18.50 प्रतिशत का ष्त्तक्ररिटर्न दिया है। जिन निवेशकों ने 15 सालों में इसमें 5,000 रुपये महीने जमा किया होगा, उनका कुल निवेश 48.41 लाख रुपये हो गया है।

प्रूडेंशियल वैल्यू फंड 'वैल्यू इन्वेस्टिंग' का तरीका अपनाता है। इस समय इसका एयूएम 58,954 करोड़ रुपये का है। यह फंड उन कंपनियों में निवेश के मौके तलाशता है जिनकी कीमत उनकी असल कीमत (इंट्रिन्सिक वैल्यू) के मुकाबले कम लगती है। इस रणनीति का मकसद ऐसे मज़बूत फंडामेंटल वाले बिज़नेस की पहचान करना है जिन्हें शायद मार्केट ने कुछ समय के लिए नज़रअंदाज कर दिया हो। इस फंड ने 15 साल में 16.44 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

मल्टीकैप फंड

17,675.80 करोड़ रुपये के रूके साथ प्रूडेंशियल मल्टीकैप फंड लार्ज-कैप, मिड-कैप और स्मॉल-कैप कंपनियों में निवेश करता है। इसमें निवेशकों को इक्विटी मार्केट के कई सेगमेंट में निवेश का मौका मिलता है। इस फंड ने 15 साल में 15.65 प्रतिशत का ष्त्तक्ररिटर्न दिया है। इसमें किसी निवेशक का 15 सालों में मासिक 5,000 की रकम 36.12 लाख हो गई है। प्रूडेंशियल लार्ज एंड मिड कैप फंड का एयूएम 30,147 करोड़ रुपये का है। यह स्थापित लार्ज-कैप कंपनियों और उभरते मिड-कैप व्यवसायों के मिश्रण में निवेश करता है। इस फंड ने 15 साल में 15.36 प्रतिशत का ष्त्तक्ररिटर्न दिया है।

टेलीग्राम पर बैन से बौखलाए कंपनी के सीईओ पावेल डुरोव, रिलायंस जियो पर लगाया बड़ा आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। नीट की 21 जून को दोबारा परीक्षा से पहले सरकार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टेलीग्राम पर 22 जून तक रोक लगाई है। इस कंपनी के सीईओ पावेल डुरोव ने भारत की सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी रिलायंस जियो पर बड़ा आरोप लगाया है। उनका कहना है कि मुकेश अंबानी की कंपनी बीजीपी हाइजैकिंग के जरिए भारत के बाहर लाखों यूजर्स के लिए टेलीग्राम का एक्सेस रोक रही है। टेलीग्राम का कहना है कि इसके पीछे फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा का हाथ हो सकता है। डुरोव ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'भारतीय टेलीकॉम कंपनी रिलायंस हाइजैकिंग के जरिए भारत के बाहर लाखों यूजर्स के लिए टेलीग्राम का एक्सेस रोक रही है। यह गड़बड़ी जानबूझकर की गई लगती है, क्योंकि रिलायंस ने कई रिपोर्ट्स को नजरअंदाज किया है। यह शायद प्रतिस्पर्द्धा का हिस्सा हो सकता है क्योंकि रिलायंस में ओनर मेटा की भी कुछ हिस्सेदारी है।' टेलीग्राम की स्थापना 2014 में पावेल डुरोव ने की थी। वह कंपनी के सीईओ और मालिक हैं।

अब नहीं मचेगा पेट्रोल, डीजल और एलपीजी पर हाहाकार!

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमत में काफी तेजी आई थी और भारत को महंगी कीमत पर खरीदारी करनी पड़ी थी। इससे देश का आयात बिल बढ़ गया और चालू खाते का घाटा बढ़ गया। इसके साथ ही रुपये पर भी दबाव बढ़ा और रुपये की कीमत में काफी गिरावट आई। लेकिन चीन ने इस स्थिति को काफी बेहतर तरीके से हैंडल किया। इसकी वजह यह थी कि उसने पहले ही कच्चे तेल का बड़ा भंडार लिया था। कीमत बढ़ने पर उसने कच्चे तेल की खरीद कम कर दी और अपने रिजर्व से तेल रिलीज किया। भारत भी अब चीन की रणनीति पर काम कर सकता है ताकि भविष्य में इस तरह ही स्थिति से बचा जा सके। ईटी की एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि कच्चे तेल के मामले में भारत अब चीन जैसी नीति पर विचार कर रहा है। घरेलू रिफाइनरियों को कच्चे तेल का बड़ा भंडार बनाने और उसे बनाए रखने के लिए कहा जा सकता है।

रोजाना खपत

अभी रिफाइनरीज अपनी ऑपरेशनल जरूरतों के लिए 15 दिन का तेल रखती हैं। सूत्रों के मुताबिक यह प्रस्ताव अभी शुरुआती चरण में है। एक सूत्र ने कहा कि रिफाइनरियां इस योजना का विरोध कर सकती हैं। इसकी वजह यह है कि नई स्टोरेज सुविधाएं बनाने और उन्हें कच्चे तेल से भरने में बहुत ज्यादा खर्च आएगा। करीब 30 दिन की मांग को पूरा करने के लिए रिफाइनरीज को 150 मिलियन बैरल कच्चा तेल रखना होगा। देश में कच्चे तेल की रोजाना खपत 5 मिलियन बैरल है। तेल की मौजूदा कीमतों और एक्सचेंज रेट के हिसाब से रिफाइनरीज को अपने भंडार को दोगुना करने के लिए क्रूड की खरीद पर लगभग 60,000 करोड़ रुपये खर्च करने पड़ सकते हैं। इसके साथ ही नए स्टोरेज टैंक बनाने के लिए हजारों करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश करना होगा। इस प्रक्रिया में कई साल लग सकते हैं।

बैंकों में पड़े हैं 78,000 करोड़, दावेदार खोज रहा आरबीआई

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के बैंकों में करीब 78,000 करोड़ रुपये की अनक्लेम्ड राशि जमा है। इस राशि को वापस लौटाने के लिए आरबीआई एक खास अभियान चला रहा है। इसके लिए एक खास पोर्टल भी लॉन्च किया गया है और साथ ही अखबारों में विज्ञापन देकर लोगों को जागरूक बनाया जा रहा है। आरबीआई के (अनक्लेम्ड डिपॉजिट गेटवे टू एक्सेस इंफॉर्मेशन) पोर्टल के जरिए आप घर बैठे अपने या अपने परिवार की अनक्लेम्ड अमाउंट का पता लगा सकते हैं। एक अनुमान के मुताबिक आरबीआई के डिपॉजिटर एजुकेशन एंड अवेयरनेस फंड में 74,580.45 करोड़ जमा हैं। अगर शेड्यूल्ड कमर्शियल बैंकों को भी मिला लिया जाए तो यह राशि करीब 78,000 करोड़ रुपये बैठती है। बैंक के निष्क्रिय खातों में जमा पैसे अनक्लेम्ड राशि को आरबीआई के डीईए फंड में ट्रांसफर कर दिया जाता है। आप या आपके कानूनी वारिस उसे कभी भी वापस ले सकते हैं। आपके बैंक की किसी भी शाखा में जाएं, भले ही वो आपकी नियमित शाखा न हो। केवाईसी दस्तावेजों (आधार, पासपोर्ट, मतदाता पहचान पत्र या ड्राइविंग लाइसेंस) के साथ फॉर्म जमा करें। सत्यापन के बाद ब्याज समेत, यदि है तो, अपने पैसे वापस पाएं। आपके बैंक की वेबसाइट पर खोजें या आरबीआई के पोर्टल पर देखें, जिसमें फिलहाल 30 बैंक शामिल हैं। अधिक जानकारी के लिए देखें।

इस साल अब तक सिर्फ 23 आईपीओ

नई दिल्ली, एजेंसी। साल 2025 की तेजी के बाद 2026 में भारत के बाजार में थोड़ी सुस्ती देखी गई है। मंगलवार को जारी इक्विरस कैपिटल की एक रिपोर्ट के मुताबिक, बाजार में उतार-चढ़ाव और अनिश्चितता के बीच इस साल अब तक 23 कंपनियों के जरिए 27,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम जुटाई है। यह सुस्ती पिछले साल के मुकाबले काफी ज्यादा है। साल 2025 में 103 कंपनियों ने लॉन्च किए थे और कुल 1.76 लाख करोड़ रुपये जुटाए थे। अब बाजार में फिर से हलचल बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। वजह ये है कि दुनिया भर में चल रहे तनाव कम हुए हैं। इसी कड़ी में फिनटेक सॉल्यूशंस और इस महीने अपना लाने की तैयारी में हैं। इसके अलावा, वॉटरवेज लीजर टूरिज्म लिमिटेड के भी इसी महीने अपना पहला पब्लिक इश्यू लाने की उम्मीद है। तय शेड्यूल के मुताबिक, 19 जून को और 23 जून को खुलेगा। साथ ही, (नेशनल स्टॉक एक्सचेंज) भी इसी हफ्ते सेबी के पास अपने शुरुआती दस्तावेज जमा कर सकता है। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि अगले महीने क्विक कॉमर्स कंपनी म्यूचुअल फंड भी अपना लॉन्च करने की योजना बना रहे हैं। जून के महीने में सीएमआर ग्रीन टेक्नोलॉजीज और हेक्सागन न्यूट्रिशन पहले ही अपना ला चुके हैं। रिपोर्ट के अनुसार, मई 2026 तक मेनबोर्ड के 236 ड्राफ्ट पेपर कतार में थे। इनमें से 163 को सेबी की मंजूरी मिल चुकी है और 73 अभी मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं।

कॉर्पोरेट जॉब शायद ही 9 से 5 की होती है', 21 साल की नौकरी छोड़ करने लगे यह काम, अब पीट रहे लाखों

नई दिल्ली, एजेंसी। राजस्थान के उदयपुर में महेंद्र पंवार ने मिसाल कायम की है। अपनी जमी-जमाई कॉर्पोरेट नौकरी छोड़कर उन्होंने खेती को अपनी कमाई का जरिया बनाया है। वह 'मेवाड़ एक्जॉटिक फ्रूट फार्म' के संस्थापक हैं। 21 साल के शानदार कॉर्पोरेट करियर को अलविदा कहने के बाद उन्होंने खेती करने का फैसला किया। अपनी बंजर पुश्तैनी जमीन पर ड्रैगन फ्रूट की ऑर्गेनिक खेती शुरू कर वह आज लाखों की कमाई कर रहे हैं। आइए, यहां महेंद्र पंवार की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

महेंद्र पंवार के पिता भारतीय सेना में डॉक्टर थे। उनका शुरुआती जीवन पिता के साथ देश भर में घूमते बीता। उन्होंने मैनेजमेंट और होटल मैनेजमेंट की पढ़ाई की है। पढ़ाई पूरी करने के बाद महेंद्र ने सॉफ्टवेयर, एजुकेशन और हॉस्पिटैलिटी जैसे सेक्टरों में लगभग 21 साल तक नौकरी की।

कॉर्पोरेट नौकरियां शायद ही कभी 9 से 5 की होती हैं। वे अक्सर चौबीसों घंटे आपके समय की डिमांड करती हैं। मेरे पास अपने परिवार के लिए बहुत कम समय था।

लेकिन, भागदौड़ भरी जिंदगी और कॉर्पोरेट वर्कलोड के कारण वह अपने परिवार को समय नहीं दे पा रहे थे। एक बेहतर 'वर्क-लाइफ बैलेंस' और खुद का कुछ बड़ा शुरू करने की चाहत में उन्होंने साल 2016 में कॉर्पोरेट जगत छोड़ दिया। इसके बाद अपनी पुश्तैनी जमीन की ओर रुख किया। स्टार्टअपपीडिया के साथ बातचीत में महेंद्र ने कहा था, 'कॉर्पोरेट नौकरियां शायद ही कभी 9 से 5 की होती हैं। वे अक्सर चौबीसों घंटे आपके समय की डिमांड करती हैं। मेरे पास अपने परिवार के लिए बहुत कम समय था। इतने सालों तक दूसरों के लिए काम करने के बाद मुझे लगा कि अब अपना खुद का कुछ बनाने का समय आ गया है।'

विदेश में सीखे खेती के गुर

महेंद्र के पास खेती का कोई पुराना अनुभव नहीं था। उन्होंने इंटरनेट पर रिसर्च करने के साथ सीधे उन देशों का रुख किया जहां पहले से एक्जॉटिक फलों की मजबूती खेती होती थी। साल 2016 में उन्होंने वियतनाम जाकर वहां के खेतों में मजदूरों के साथ खुद काम किया। इसके पीछे मंशा यह थी कि खेती की बारीकियों और सालभर उत्पादन लेने की तकनीकों को व्यावहारिक रूप से सीखा जा सके। इसके बाद उन्होंने फिलीपींस का दौरा कर ड्रैगन फ्रूट के वैल्यू-एडेड प्रोडक्ट्स बनाने की समझ विकसित की और भारत लौट आए। उदयपुर के पास उनकी 1.5 एकड़ पुश्तैनी जमीन का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा पथरीला और असमतल था। इसे खेती योग्य बनाने में ही उन्हें काफी मशक्कत करनी पड़ी। देसी जुगाड़ से की लागत में कटौती ड्रैगन फ्रूट एक कैक्टस प्रजाति का पौधा है।

800 सस्ता हुआ सोना, चांदी भी 1,300 लुढ़की

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने और चांदी की कीमत में शुरुआती कारोबार में आज गिरावट आई है। एमसीएक्स पर सोने की कीमत में करीब 800 रुपये की गिरावट आई है जबकि चांदी की कीमत 1,328 रुपये फिसली है। पश्चिम एशिया में शांति की उम्मीद में कच्चे तेल की कीमत में गिरावट आई है। इससे महंगाई कम होने की उम्मीद है। इसका असर सोने और चांदी की कीमत पर दिख रहा है। सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में गिरावट आई है जबकि चांदी फ्लैट ट्रेड कर कर रही है। एमसीएक्स पर 5 अगस्त की डिलीवरी वाला सोना पिछले सत्र में 1,53,091 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। आज यह 1,52,800 रुपये पर खुला और शुरुआती कारोबार में 1,52,301 रुपये तक लुढ़का। 10.45 बजे यह 541 रुपये की गिरावट के साथ 1,52,550 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। चांदी भी शुरुआती कारोबार में 1,328 रुपये तक गिरकर 2,48,777 रुपये तक फिसली। अभी यह 202 रुपये नीचे 2,49,903 रुपये पर ट्रेड कर रही है। सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में गिरावट आई है। गुड रिटर्न्स के मुताबिक 24 कैरेट वाला सोना 270 रुपये की गिरावट के साथ 1,51,100 रुपये पर ट्रेड कर रहा है।

तीन घटनाएं, रणनीति एक, ईरान-ओमान होर्मुज डील पर चुप है अमेरिका

नई दिल्ली, एजेंसी। होर्मुज स्ट्रेट दोबारा खुलने जा रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच ऐतिहासिक समझौते ने इसके लिए रास्ता साफ कर दिया है। हालांकि, जानकार इसके पीछे अमेरिका की एक गहरी रणनीति को देख रहे हैं। उद्यमी और आर्थिक मामलों के जानकार विजय पृथ्वी ढिल्लों का कहना है कि यह डील अमेरिका की सोची-समझी स्ट्रेटजी का हिस्सा है। उन्होंने इसे तीन घटनाओं से जोड़कर बताया है। साथ ही दावा किया है कि ईरान-ओमान होर्मुज डील पर अमेरिका का चुप रहना भी इसी का हिस्सा है।

उद्यमी विजय पृथ्वी ढिल्लों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट किया है। उन्होंने सवाल उठाया कि ईरान-ओमान होर्मुज डील पर अमेरिका चुप क्यों है फिर वह इसके जवाब में कहते हैं कि अमेरिका इसलिए ऐसा कर रहा है क्योंकि चुप्पी का मतलब मंजूरी है। वह तीन घटनाओं का जिक्र करते हैं। कहते हैं कि ये घटनाएं अलग-अलग जरूर हैं। लेकिन, इनके पीछे स्ट्रेटेजी एक है। ढिल्लों लिखते हैं, 'तीन घटनाएं। एक रणनीति।' इसमें ढिल्लों सबसे पहले वेनेजुएला का जिक्र करते

हैं। इस देश में तेल का दुनिया का सबसे बड़ा रिजर्व है। अमेरिका यहां घुसकर अपना कब्जा कायम करता है। उन्होंने कहा, 'वेनेजुएला-अमेरिका चुपचाप आगे बढ़ता है। दुनिया का सबसे बड़ा तेल भंडार। भारी कच्चा तेल जिससे 60 डॉलर प्रति बैरल से ज्यादा कीमत पर मुनाफा होता है।' इसके बाद ढिल्लो ग्रीनलैंड की बात करते हैं जो अमेरिका को आर्कटिक के तेल तक पहुंच देता है। यहां पहुंचकर अमेरिका ने सप्लाई का एक और जरिया सुरक्षित किया है। फिर आर्थिक मामलों के जानकार होर्मुज स्ट्रेट का जिक्र करते हैं। इस संकरे पानी के रास्ते से दुनिया के रोजाना तेल का 20 प्रतिशत हिस्सा गुजरता है। ईरान-ओमान इस पर 'नेविगेशन फीस' (आवाजाही का शुल्क) ले रहे हैं। लेकिन, अमेरिका कुछ नहीं कहता। उन्होंने लिखा, 'होर्मुज- दुनिया के रोजाना तेल का 20 प्रतिशत हिस्सा; ईरान-ओमान इस पर 'नेविगेशन फीस' ले रहे हैं। वॉशिंगटन कुछ नहीं कहता।' ढिल्लों इसके बाद अमेरिका के चुप रहने की वजह गिनाते हैं। उनके मुताबिक, इसका कारण है - अमेरिकी शेल तेल। वेनेजुएला का भारी कच्चा तेल। दोनों को मुनाफे के लिए 65-70 डॉलर प्रति बैरल से ज्यादा कीमत चाहिए। उद्यमी ने दावा किया कि इसलिए अमेरिका एक ऐसा सिस्टम बनाता है जो कीमत को ठीक उसी स्तर पर बनाए रखे।

अडानी ग्रुप में बड़ा बदलाव! एआई करेगा हजारों काम

नईदिल्ली, एजेंसी। अडानी ग्रुप में इस बदलाव की कमान परिवार और कंपनी के टॉप अधिकारियों ने संभाली है। गौतम अडानी (चेयरमैन) कुछ भूमिकाओं को आउटसोर्सिंग को सौंपने के काम की देखरेख कर रहे हैं। वहीं, करण अडानी (मैनेजिंग डायरेक्टर, अडानी पोर्ट्स) कंपनी में युवाओं को शावमिल करने और विविधता बढ़ाने के अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं। जुगेशिंदर सिंह को एआई और इंसानों के मिलकर काम करने वाले मॉडल को लागू करने की जिम्मेदारी दी गई है। हाल ही में उन्हें जैसे विभागों का अतिरिक्त प्रभार भी मिला है।

कोबोटिक मॉडलन्न कंपनी एक ऐसा सिस्टम बना रही है, जहां एआईऔर इंसान मिलकर काम करेंगे। डाटा एंट्री, बिल बनाना और सैलरी कैलकुलेशन जैसे तय नियमों वाले काम अब एआई बॉट्स करेंगे। वहीं, सेल्स, बिजनेस स्ट्रेटेजी और क्लाइंट मैनेजमेंट जैसे कामों में मुख्य भूमिका इंसानों की ही रहेगी, लेकिन उन्हें असिस्ट करने के लिए ़एआई मौजूद होगा। इसके अलावा परफॉर्मेंस रिव्यू करने के लिए कंपनी अब मैनेजरों के फीडबैक के बजाय ़ढ्ढ और स्कोर-बेस्ड (अंकों पर आधारित) सिस्टम से कर्मचारियों के काम का मूल्यांकन करने की योजना बना रही है।

युवाओं और महिलाओं को प्राथमिकता

अडानी ग्रुप अपनी टीम की औसत उम्र को कम करना चाहता है और महिलाओं की संख्या बढ़ाना चाहता है।

साल 2025-26 के अंत तक ग्रुप में महिलाओं की हिस्सेदारी केवल 5 प्रतिशत थी। इसे सुधारने के लिए उदाहरण के तौर पर अडानी पावर ने महिला ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनीज की भर्ती बढ़ाई है, जिससे वहां महिलाओं का अनुपात बढ़ा है। फैसले तेजी से लिए जा सकें, इसके लिए कंपनी अपने मैनेजमेंट के लेवल को घटाकर केवल 3 लेयर्स स्ट्रक्चर में समेट रही है। इसके अलावा, लॉजिस्टिक्स और मैन्युफैक्चरिंग जैसे इन-हाउस कामों को बाहरी वेंडर्स को आउटसोर्स किया जा रहा है। इसके तहत कई ऑन-साइट कर्मचारियों को वेंडर्स के पेरोल पर शिफ्ट किया गया है। उदाहरण के लिए अडानी ग्रीन एनर्जी के आंतरिक कर्मचारियों की संख्या में बड़ी कमी आई है,क्योंकि काम वेंडर्स को दे दिया गया है।

बदलाव के बीच चुनौतियां और कर्मचारियों की चिंताएंइतने बड़े और तेजी से हो रहे बदलावों के कारण कर्मचारियों के बीच थोड़ी घबराहट और असंतोष भी देखा जा रहा है। इस साल अप्रैल में पुरानी व्यवस्था के तहत हुए अप्रेजल से कई कर्मचारी नाखुश दिखे, क्योंकि नया ़ढ्ढ सिस्टम अभी पूरी तरह लागू नहीं हुआ है। गुजरात के हजीरा पोर्ट पर कुछ क्रेन ऑपरेटरों ने तब हड़ताल कर दी, जब उन्हें वेंडर के पेरोल पर शिफ्ट किया गया, क्योंकि वे कंपनी के कर्मचारियों को मिलने वाले विशेष बोनस से वंचित रह गए थे। कंपनी के अधिकारियों का मानना है कि किसी भी नई शुरुआत में शुरुआती दिक्कतें आती हैं। इसे दूर करने के लिए खुद गौतम अडानी और सीनियर लीडरशिप सीधे ग्राउंड लेवल पर जाकर कर्मचारियों से बात कर रहे हैं, ताकि उनका भरोसा बना रहे। अडानी ग्रुप का यह प्रयोग भारत के कॉर्पोरेट जगत के लिए एक नया उदाहरण पेश कर सकता है।

बीड़ी पत्तों की धड़ल्ले से हो रही अवैध तुड़ाई

प्रशासन की चुप्पी पर उठ रहे सवाल

नाबालिग बच्चे भरते हैं बोरों में

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

लातेहार। पलामू टाइगर रिजर्व वन क्षेत्र से कथित रूप से अवैध रूप से तोड़े गए बीड़ी (केंदू) पत्तों को सरकारी निगम के बोरों में भरकर विभिन्न स्थानों पर किए गए भंडारण और परिवहन करना शुरू हो गया है। इस पूरे मामले में वन विभाग की चुप्पी और निष्क्रियता को लेकर ग्रामीणों के बीच कई तरह के सवाल उठ रहे हैं।

खबर के अनुसार, पीटीआर वन क्षेत्र के जंगलों से बड़े पैमाने पर बीड़ी पत्तों की तुड़ाई की गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इन पत्तों को वैध स्वरूप देने की कोशिश की जा रही है तथा इसमें विभागीय स्तर पर मिलीभगत की आशंका से भी इन्कार नहीं किया जा सकता।

ग्रामीणों का कहना है कि संरक्षित वन क्षेत्र से निकाले गए बीड़ी पत्तों का परिवहन किस मार्ग से किया जा रहा है और इसकी निगरानी कौन कर रहा है, यह अब भी स्पष्ट नहीं हो पाया है। ग्रामीणों के अनुसार लात, हरहे, चुंगरू, नवाडीह, चकलवा, मोरवाईकला, सैदूप, ततहा, मंडल, होरिलोंग, पुटवागढ़ खाड़, छेंचा, चपरी, बभंडीह सहित आसपास के कई गांवों में बड़े पैमाने पर बीड़ी पत्तों की तुड़ाई हो चुकी है।

आरोप है कि संग्रहित पत्तों के बंडलों को गांवों के नाबालिग बच्चों से उलट-पलट कराकर सरकारी बोरों में भरवाया जा रहा है। यदि यह आरोप सही है तो यह मामला केवल वन संरक्षण तक सीमित नहीं रह जाता, बल्कि बाल श्रम जैसे गंभीर सामाजिक और कानूनी प्रश्न भी खड़े करता है।

बीड़ी पत्ता तोड़ने वाले मजदूरों का कहना है कि क्षेत्र में रोजगार के अन्य साधन नहीं होने के कारण वे कम मजदूरी पर यह कार्य करने को मजबूर हैं। मजदूरों ने आरोप लगाया कि ठेकेदारों द्वारा समय पर भुगतान भी नहीं किया जाता है। कई मजदूरों ने बताया कि उनकी मजदूरी अब तक बकाया है, जिससे उनके समक्ष आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है। ग्रामीणों ने वन विभाग एवं जिला प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि संरक्षित वन क्षेत्र से अवैध रूप से बीड़ी पत्तों की तुड़ाई, भंडारण और खरीद-बिक्री और परिवहन का खेल चल रहा है तो इसमें शामिल सभी लोगों की पहचान कर उनके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। लोगों का मानना है कि मामले की निष्पक्ष जांच से ही सच्चाई सामने आ सकेगी।

रिटायर्ड सैनिक के घर लाखों की चोरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जहानाबाद। सदर थाना क्षेत्र के होरिलगंज प्रेम नगर मोहल्ले में सोमवार की रात चोरों ने जन सुराज पार्टी के जिलाध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त (रिटायर्ड) सैनिक मुकेश कुमार के घर को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये मूल्य की संपत्ति की चोरी कर ली। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है, जबकि स्थानीय लोगों ने लगातार हो रही चोरी की घटनाओं पर पुलिस की कार्यशैली को लेकर सवाल उठाए हैं। पीड़ित मुकेश कुमार ने बताया कि भीषण गर्मी के कारण परिवार के सभी सदस्य घर के एक एसी वाले कमरे में अंदर से दरवाजा बंद कर सो रहे थे। इसी दौरान देर रात घर के दूसरे फ्लैट की ओर से कुछ आहट सुनाई दी। संदेह होने पर जब वे कमरे से बाहर निकले और दूसरे हिस्से में पहुंचे तो देखा कि पीछे की खिड़की का ग्रिल टूटा हुआ है। घर के अंदर रखे गोदरेज अलमारी का सामान बिखरा पड़ा था और उसमें रखे सोने-चांदी के आभूषण गायब थे। सूचना के बाद रात पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया।

ट्रेनों के रद्द होने से यात्री हुए हलकान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। बरकाकाना से आसनसोल जानेवाली मेमू सोमवार को अचानक रद कर दी गई। बगैर किसी पूर्व सूचना के ट्रेन होने से सैंकड़ों यात्री परेशान रहे। सुबह की ट्रेन रद होने से शाम में आसनसोल से बरकाकाना जानेवाली मेमू के पहिए भी थम गये।

दूसरी ओर, धनबाद-चंडीगढ़ स्पेशल ट्रेन की लेटलतीफी ने यात्रियों को फिर परेशान किया। 10 घंटे लेट खुलने के कारण रास्ते में 21 घंटे से अधिक लेट हो गई। मुरादाबाद से मार्ग परिवर्तन के कारण लेटलतीफी और बढ़ गई।

तड़के 4:30 के बदले देर रात लगभग 12 बजे पहुंची। विलंब से पहुंचने के कारण चंडीगढ़ से सुबह 5:40 के बदले 21 घंटे लेट से चलने की सूचना जारी की गई।

सोमवार देर रात 2:40 पर चंडीगढ़ से खुलने की संभावना है। लेट खुलने से धनबाद आगमन देर रात या एक दिन बाद होने की संभावना है।

धनबाद होकर चलने वाली 12987 सियालदह-अजमेर एक्सप्रेस 25 अक्टूबर तथा वापसी में 26 अक्टूबर को चलने वाली 12988 अजमेर-सियालदह एक्सप्रेस रद रहेगी।

जयपुर मंडल के मंडावरिया-किशनगढ़ के बीच ब्रिज पर तकनीकी कार्य के कारण दोनों ओर से ट्रेन नहीं चलेगी।

बोकारो के बालीडीह से नयामोड़ को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण सड़क पर स्थित रेलवे पुल को क्षतिग्रस्त बताते हुए रेलवे ने चारपहिया वाहनों के आवागमन के लिए बंद कर दिया था।

नाव हुई दुर्घटनाग्रस्त, टला बड़ा हादसा

नाविकों ने 14 लोगों की बचायी जान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। मैथन डैम में मंगलवार सुबह मजूमदार निवास के बोट घाट से पर्यटकों को लेकर नीमपहाड़ (सबुज द्वीप) की ओर जा रही एक नाव पत्थर से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। नाव में सवार 14 पर्यटकों की जान बाल-बाल बच गई। सभी पर्यटक पश्चिम बंगाल के कल्याणेश्वरी फाड़ी क्षेत्र के बथानबाड़ी गांव के रहने वाले थे।

सभी लोग एक शादी समारोह में शामिल होने के बाद नौका विहार के लिए आए थे। नौकायन के दौरान पर्यटकों को लाइफ जैकेट नहीं दी गई थी। इससे इस घटना ने मैथन डैम में नौका विहार की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पश्चिम बंगाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

घटना के समय उसी मार्ग से झारखंड के मैथन बाबू बोट घाट के नाविक मोहम्मद ताजुद्दीन अपनी नाव पर चार पर्यटकों को लेकर गुजर रहे थे। उन्होंने क्षतिग्रस्त नाव को डूबते देख बिना समय गंवाए मौके पर पहुंचकर पूरी सक्रियता दिखाते हुए सभी पर्यटकों को सुरक्षित अपनी नाव में रेस्क्यू कर लिया। इसके कुछ ही देर बाद क्षतिग्रस्त नाव जलाशय के गहरे पानी में समा गई।

ताजुद्दीन ने बताया कि क्षतिग्रस्त नाव पर सवार सभी लोग उनके ही गांव बथानबाड़ी के रहने वाले थे। इधर, ताजुद्दीन के इस साहसिक कार्य की हर तरफ प्रशंसा हो रही है। बाबू घाट के नाविकों ने मैथन डैम में विशेष तैराक नियुक्त करने की मांग की है। साथ ही पर्यटकों की जान बचाने वाले साहसी नाविक मोहम्मद ताजुद्दीन को प्रशासन द्वारा विशेष रूप से सम्मानित करने की मांग की है, ताकि इससे अन्य लोगों का भी मनोबल बढ़ सके।

डैम में आने वाले पर्यटकों की सुरक्षा को लेकर डीवीसी गंभीर है। सभी नाविकों को निर्देश दिया जा चुका है कि वे किसी भी पर्यटक को बिना लाइफ जैकेट के नाव में नहीं चढ़ाएं, अंधेरा होने से पहले नौकायन बंद कर दें, घाटों पर सीसीटीवी कैमरे लगाएं तथा नशे की हालत में किसी भी पर्यटक को नौकायन न कराएं।

राज्यसभा चुनाव को ले कांग्रेस अलर्ट मोड में

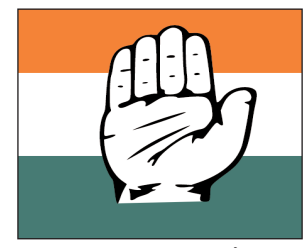

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड में राज्यसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस की ओर से सर्वाधिक सावधानी बरती जा रही है। चुनाव में कांग्रेस के 16 विधायकों को मतदान करना है और इनके वोट सही उम्मीदवार को मिले और इन मतों की गिनती के लिए कांग्रेस ने छह सीनियर नेताओं को लगा दिया है।

एक दिन पहले तक इनकी संख्या पांच थी। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के.राजू और सह प्रभारी सिरीबेला प्रसाद कांग्रेस पार्टी के पोलिंग एजेंट मनोनीत किए गए हैं तो पार्टी ने सांसद नासिर हुसैन और मंत्री राधा कृष्ण किशोर को कांग्रेस उम्मीदवार का काउंटिंग एजेंट बनाया है।

राजू एवं प्रसाद की जोड़ी क्रॉस वोटिंग करने वाले विधायकों पर नजर रखेगी तो प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश और बंधु तिर्की को पोलिंग एजेंट बनाया गया है। यही दोनों नेता मतदान केंद्र पर बैठकर देखेंगे कि किन-किन विधायकों ने वोट किया और किसे वोट दिया। किस विधायक का वोट अब तक नहीं पड़ा है।

मालूम हो कि पार्टी की ओर से बनाए गए एजेंट की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। इसके अलावा कांग्रेस ने वरिष्ठ नेता डा. सैयद नासिर और मंत्री राधाकृष्ण किशोर को काउंटिंग एजेंट बनाया है। पुराने इतिहास को देखें तो झारखंड में पार्टी एजेंट के साथ मिल कर विधायक क्रॉस वोटिंग को अंजाम दे चुके हैं।

यहां गौर करने की बात यह है कि कांग्रेस की तुलना में दोगुने से भी अधिक विधायकों वाली पार्टी झामुमो ने इसी काम के लिए चार लोगों की जिम्मेदारी सौंपी है।

थाना परिसर में घंटों चला हाई वोल्टेज ड्रामा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

देवघर। पुलिस के बढ़ते दबाव के कारण अपने जीजा के साथ भागी विवाहिता बुधवार को थाने पहुंची। दोनों के घरवालों को सूचना मिली कि उन्होंने थाने में आत्मसमर्पण (सरेंडर) कर दिया है। सूचना मिलने पर दोनों पक्षों के परिजन थाने पहुंचे। वहां एक-दूसरे को आमने-सामने देखकर दोनों पक्षों के रिश्तेदार आपस में उलझ गए।

थाना परिसर में उनके बीच हाई वोल्टेज ड्रामा चला। पुलिस ने दोनों पक्षों के रिश्तेदारों को समझा-बुझाकर शांत कराया। फिलहाल आरोपित जीजा और बरामद साली को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है।

बताया जाता है कि जीजा-साली के बीच संबंधों को लेकर विवाद चल रहा था, जिस कारण दोनों घर से भाग गए थे। लड़की की मां ने मधुपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी बेटी ससुराल से लापता है। उसके पति ने भी पुलिस को बताया था कि उसकी पत्नी घर से गायब हो गई है। इसी के आधार पर पुलिस ने खोजबीन शुरू की। आरोपित के घर पारिवारिक दबाव बनाए जाने के बाद बुधवार को दोनों ने मधुपुर थाने पहुंचकर आत्मसमर्पण कर दिया।

घटना के संबंध में बताया जाता है कि जिले के पालोजोरी थाना क्षेत्र निवासी असरफ अंसारी उर्फ जिन्ना का विवाह आठ वर्ष पूर्व जिले के पथरौल थाना क्षेत्र के सोरोगी में हुआ था। विवाह के बाद दंपति के दो पुत्र भी हुए। इधर, असरफ की साली शहजादी का विवाह दो माह पूर्व मधुपुर थाना क्षेत्र के सलैया ताराटांड़ गांव निवासी मो. सद्दाम के साथ हुआ था।

पिछले माह 30 मई को शहजादी अचानक ससुराल से गायब हो गई। उसके पति ने परेशान होकर थाने में पुलिस को इस घटना की जानकारी दी। वहीं, इसकी सूचना शहजादी के मायके वालों को भी दी गई। सूचना मिलने पर मायके वाले भी थाने पहुंचे और पुलिस से अपनी बेटी की सकुशल बरामदगी की गुहार लगाई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अनुसंधान प्रारंभ किया। इस बीच पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि जीजा असरफ अपनी साली को उसके ससुराल से लेकर फरार हो गया है। सूचना के आधार पर पुलिस ने दबिश देनी शुरू कर दी।

पुलिस ने आरोपित जीजा के पिता को हिरासत में ले लिया। इसके बाद पता चला कि दोनों यहां से भागकर बंगाल में रह रहे हैं। पुलिस कार्रवाई के भय से जीजा, साली को लेकर थाने पहुंचा। पुलिस ने दोनों पक्षों को आमने-सामने बैठाकर कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है।

वायरल फोटो ने खोली व्यवस्था की पोल

हाथ में स्लाइन, स्कूटी पर गर्भवती

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

लोहरदगा। लोहरदगा सदर अस्पताल से गंभीर स्थिति में रिम्स रेफर की गई एक गर्भवती महिला को कथित रूप से स्लाइन चढ़ाते हुए स्कूटी पर बैठाकर ले जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। पूरे मामले को गंभीर लापरवाही सामने आ रही है।

लोहरदगा जिला के कैरो प्रखंड के तोड़ांग गांव की एक गर्भवती महिला को सोमवार अपराह्न लगभग 3:30 बजे लोहरदगा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

महिला की जांच के दौरान डयूटी पर मौजूद महिला चिकित्सक ने पाया कि प्रसव की निर्धारित तिथि बीत जाने के 17 दिन बाद भी प्रसव नहीं हुआ है।

साथ ही महिला की स्वास्थ्य स्थिति को गंभीर मानते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए अपराह्न करीब 5 बजे रांची स्थित रिम्स रेफर कर दिया गया। चिकित्सक और मेडिकल स्टाफ ने महिला के साथ आई महिला को 108 एंबुलेंस सेवा से संपर्क करने की सलाह दी थी।

हालांकि स्वजनों ने डॉक्टर और चिकित्साकर्मियों को कथित रूप से बताया कि उनके पास स्वयं का चौपहिया वाहन उपलब्ध है। इसके बाद जो दृश्य सामने आया, उसने कई सवाल खड़े कर दिए। महिला को स्लाइन लगी हुई अवस्था में ही एक व्यक्ति द्वारा स्कूटी पर बैठाकर अस्पताल परिसर से बाहर ले जाया गया।

बताया जा रहा है कि स्कूटी पर तीन लोग सवार थे और महिला की स्थिति गंभीर होने के बावजूद एंबुलेंस का उपयोग नहीं किया गया। जो व्यक्ति महिला को स्कूटी में ले कर गया, वह महिला का रिश्तेदार भी नहीं था।

इस घटना ने अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था और मरीजों की निगरानी व्यवस्था पर भी प्रश्नचिह्न लगा दिया है। चर्चा यह भी है कि महिला को रिम्स ले जाने के बजाय शहर के ही एक निजी अस्पताल में ले जाया गया।

मामले में निजी अस्पतालों के कथित बिचौलियों की भूमिका को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। पूर्व में भी सदर अस्पताल से मरीजों को निजी अस्पतालों के एजेंटों द्वारा बहला-फुसलाकर ले जाने की शिकायतें सामने आ चुकी हैं।

तत्कालीन उपायुक्त डा. ताराचंद ने ऐसे मामलों पर रोक लगाने के लिए सदर अस्पताल के सीसीटीवी कैमरों की लाइव मानिटरिंग अपने कार्यालय से कराने की व्यवस्था की थी। हालांकि उनके स्थानांतरण के बाद एक बार फिर बिचौलियों की सक्रियता को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

बॉयलर ब्लास्ट से गुस्साये स्थानीय ग्रामीणों ने किया विरोध प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चांडिल। थाना क्षेत्र के भुइयांडीह स्थित गैलेक्सी एक्सपोर्ट प्राली. कंपनी के बॉयलर में मंगलवार को हुए भीषण ब्लास्ट के बाद स्थानीय ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने बुधवार को फैक्ट्री के मुख्य गेट को जाम कर जोरदार विरोध-प्रदर्शन किया।

ग्रामीणों ने गेट के आगे पत्थर और बांस की बल्लियां लगाकर पूरी तरह नाकेबंदी कर दी, जिससे कंपनी के भीतर किसी भी व्यक्ति का प्रवेश नहीं हो सका। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि मंगलवार को हुए बॉयलर ब्लास्ट की आवाज इतनी तेज थी कि पूरा गांव दहल उठा। विस्फोट के तुरंत बाद चारों तरफ धूल का गुबार छा गया और पूरे भुइयांडीह क्षेत्र में अंधेरा पसर गया।

इस हादसे में प्लांट के दो कर्मचारी गंभीर रूप से झुलस गए थे, जिनका इलाज चल रहा है। प्रदर्शन में शामिल ग्रामीण राजेश कालिंदी और विश्वनाथ कालिंदी ने बताया कि यह फैक्ट्री गांव के बिल्कुल करीब और घनी आबादी वाले क्षेत्र में स्थित है। उन्होंने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि प्लांट में तकनीकी गड़बड़ियां आम बात हैं। इससे पहले भी यहां दो-तीन बार ब्लास्ट हो चुके हैं। प्रशासन के अधिकारी आते हैं, मुआयना करते हैं और चले जाते हैं, लेकिन कंपनी पर कोई सख्त कार्रवाई नहीं होती।

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से बस्ती के बीच चल रही इस कंपनी को तुरंत बंद करने और औद्योगिक सुरक्षा मानकों की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है।

कहासुनी में तीन को चाकुओं से गोदा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दुमका। नगर थाना क्षेत्र के इंद्रानगर जरूवाडीह मोहल्ले में जरा सी कहासुनी में तीन युवकों पर चाकू से हमला कर घायल कर दिया गया। सभी को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से बेहतर इलाज के लिए बाहर रेफर कर दिया गया।

पुलिस ने घायल बाबी अंसारी के बयान पर मामला दर्ज कर तीन किशोर को हिरासत में लिया और पूछताछ करने के बाद बुधवार को तीनों को बाल सुधार गृह भेज दिया गया है।

बताया जाता है कि जरूवाडीह में तीन दिन से साइकिल का खेल चल रहा था। इसमें बड़ी संख्या में लोग खेल का मजा ले रहे थे। मंगलवार की शाम बाबी अंसारी अपने दोस्त आदिल आलम व मोहम्मद हसनैन के साथ खेल देखने के लिए गया। रात करीब नौ बजे जरूवाडीहा के रहने वाले तीन किशोर भी अपने चार साथियों के साथ आया। किसी बात को लेकर किशोरों की तीनों युवकों से कहासुनी हो गई। बहुत देर तक दोनों पक्ष में बक झक होती रही तो लोगों ने समझाकर शांत कराया। इसके बाद तीनों युवक आकर तजमूल अंसारी के दरवाजे पर आकर बैठ गए। तभी तीनों किशोरी अपने साथियों के साथ वहां आए और फिर से गाली गलौज शुरू कर दिया। किशोरों ने जान मारने की नीयत से बाबी, हसनैन व आदिल पर चाकू से हमला कर घायल कर दिया।

शोर सुनकर आसपास के लोग दौड़े तो सभी आरोपित वहां से भाग निकले। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

सूचना मिलते ही नगर थाना प्रभारी अशोक राम पुलिस टीम के साथ अस्पताल पहुंचे और घायलों का हाल पूछकर घटना की जानकारी ली। बाबी का बयान लेने के बाद रात में ही पुलिस तीन किशोर समेत छह लोगों पर मामला दर्ज किया।

पंचायत चुनाव की गतिविधियां हुई तेज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जहानाबाद। जिले में पंचायत चुनाव को लेकर सरकारी स्तर पर गतिविधि तेज हो गई है। इस चुनाव के आरक्षण रोस्टर के मापदंड के लिए 2011 की जनगणना को आधार बनाया गया है। इस आधार पर जिले के वार्ड से लेकर जिला परिषद क्षेत्र तक जनसंख्या का प्रारूप तैयार कर अंतिम प्रकाशन कर दिया गया है।

इसके तहत त्रिस्तरीय पंचायत व्यवस्था के तहत आने वाले जिले के इलाके की कुल आबादी नौ लाख 35 हजार 691 है। इनमें अनुसूचित जाति की आबादी 193723 तथा अनुसूचित जनजाति की आबादी 1054 है।

प्रखंडवार आबादी की बात करें तो घोसी प्रखंड में 76735 कुल आबादी है, जिसमें 15536 अनुसूचित जाति तथा 26 अनुसूचित जनजाति के लोग हैं। हुलासगंज प्रखंड की कुल आबादी 94485 है जिसमें अनुसूचित जाति 19652 तथा अनुसूचित जनजाति 158 है।

सदर प्रखंड की कुल आबादी 151 551 है जिसमें 34513 अनुसूचित जाति तथा 97 में अनुसूचित जनजाति के लोग हैं। मोदनगंज प्रखंड में कुल आबादी 87718 है जिसमें अनुसूचित जाति 16543 तथा अनुसूचित जनजाति 61 है। काको प्रखंड में कुल आबादी 150450 है जिसमें 33285 अनुसूचित जाति तथा 198 अनुसूचित जनजाति के लोग हैं।रतनी फरीदपुर प्रखंड में कुल आबादी 146586 है। जिसमें 21664 अनुसूचित जाति तथा 235 अनुसूचित जनजाति हैं। जिले में सबसे अधिक आबादी मखदुमपुर में है जहां कुल जनसंख्या 228160 है, जिसमें 52470 अनुसूचित जाति तथा 287 अनुसूचित जनजाति के लोग हैं।

जिले में वर्तमान में कुल 88 पंचायतें हैं। मुखिया पद के लिए इनमें 53 पंचायतें सामान्य वर्ग के लिए अनारक्षित हैं, हालांकि इनमें महिलाओं के लिए आरक्षण लागू है। शेष पंचायतें पिछड़ा वर्ग और अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हैं,जिनमें महिला सीटें भी निर्धारित की गई हैं।सदर प्रखंड में कुल 14 पंचायतों में नौ सामान्य वर्ग के लिए हैं, जिनमें चार महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। तीन पंचायतें अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हैं,जिनमें एक महिला सीट शामिल है। वहीं पिछड़ा वर्ग के लिए एक पंचायत महिला हेतु सुरक्षित है।

रतनी फरीदपुर प्रखंड 14 पंचायतों में 10 सामान्य वर्ग के लिए हैं, जिनमें पांच महिला सीटें हैं। पिछड़ा वर्ग के लिए चार पंचायतें आरक्षित हैं, जिनमें दो महिलाओं के लिए हैं। अनुसूचित जाति के लिए भी चार पंचायतें आरक्षित हैं, जिनमें दो महिला सीटें शामिल हैं।

हुलासगंज प्रखंड में कुल नौ पंचायतों में छह सामान्य वर्ग के लिए हैं, जिनमें तीन महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। एक पंचायत पिछड़ा वर्ग तथा दो पंचायतें अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हैं, जिनमें एक महिला सीट शामिल है। घोसी प्रखंड में सात पंचायतों में तीन सामान्य वर्ग के लिए हैं, जिनमें एक महिला सीट है।

अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग के लिए दो-दो पंचायतें आरक्षित हैं, जिनमें एक-एक महिला सीट निर्धारित की गई है।

हत्यारोपित को उम्रकैद की सजा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम जिले के जराईकेला थाना क्षेत्र में डायन-बिसाही के शक में एक महिला की बेरहमी से हत्या करने के चार साल पुराने मामले में अदालत ने फैसला सुनाया है। जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश (प्रथम) की अदालत ने दोषी कानु बोदरा को आजीवन कारावास (उम्रकैद) की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने दोषी पर 10 हजार रुपये का आर्थिक जुमार्ना भी लगाया है। मामले की पृष्ठभूमि के अनुसार, 3 जनवरी 2022 को जराईकेला थाना क्षेत्र के नयागांव निवासी कानु बोदरा के खिलाफ दियु बोदरा नामक महिला की हत्या करने का मामला दर्ज किया गया था।

यह प्राथमिकी डायन प्रथा प्रतिषेध अधिनियम के तहत दर्ज की गई थी। आरोपी ने अंधविश्वास के चक्कर में इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया था।

घटना के बाद चाईबासा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी कानु बोदरा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। पुलिस अनुसंधान के दौरान टीम ने मामले से जुड़े सभी साक्ष्यों को वैज्ञानिक तरीके से संकलित किया।

समय पर न्यायालय में पुख्ता आरोप पत्र (चार्जशीट) दाखिल किया, जिससे आरोपी का बच निकलना नामुमकिन हो गया। इस मामले की सुनवाई कोर्ट में चल रही थी।

सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत किए गए ठोस साक्ष्यों और गवाहों के बयानों के आधार पर, चाईबासा की अदालत ने आरोपी कानु बोदरा को दोषी करार दिया।

दुकान में चोरी

कुरसेला। कटिहार - नगर पंचायत क्षेत्र में चोरों ने एक किराना दुकान को निशाना बनाते हुए करीब 10 हजार रुपये नकद उड़ा लिए। घटना घूरना स्कूल के पास स्थित गोलू किराना स्टोर में बीती रात हुई। दुकानदार गोलू कुमार ने बताया कि सुबह दुकान खोलने पहुंचे तो देखा कि बांस की बत्ती से बना फाटक फैला हुआ था। चोर फाटक को हटाकर दुकान के अंदर घुसे और गल्ले में रखे बिक्री के करीब 9 से 10 हजार रुपये लेकर फरार हो गए। बताया गया कि किराना दुकान के साथ संचालित नाश्ता दुकान का कैश भी गायब है। दुकानदार ने घटना की सूचना कुरसेला थाना को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल की जांच की और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने में जुट गई है।

नॉर्वे ने इराक को 4-1 से हराया, हालैंड बने जीत के नायक

बोस्टन। नॉर्वे ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 का आगाज धमाकेदार जीत के साथ किया है। बोस्टन स्टेडियम में ग्रुप आई के मुकाबले में नॉर्वे ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए इराक को 4-1 से हराया। नॉर्वे की तरफ से फीफा विश्व कप में अपना डेब्यू कर रहे एर्लिंग हालैंड ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए दो गोल किए, जबकि लियो ओस्टिगार्ड ने भी एक गोल दागा। यह मुकाबला इसलिए भी खास था, क्योंकि नॉर्वे और इराक दोनों ही लंबे समय बाद विश्व फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर लौटे थे। मैच की शुरुआत से ही नॉर्वे ने आक्रामक खेल दिखाया। 14वें मिनट में गोलकीपर ओरजान नाइलैंड की शुरुआत किए गए मूव पर डेविड मोलर वोल्फ ने बाएं छोर से शानदार क्रॉस दिया, जिसे हालैंड ने गोल में बदलकर नॉर्वे को 1-0 की बढ़त दिला दी। इस मैच में 35 साल और 279 दिन की उम्र में नाइलैंड नॉर्वे के लिए विश्व कप खेलने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी भी बन गए। इराक ने भी मैच में जल्द ही वापसी की और दस मिनट बाद ही इस टूर्नामेंट का अपना पहला गोल दागा। टीम के अनुभवी फॉरवर्ड खिलाड़ी आयमन हुसैन विश्व कप में गोल करने वाले महज दूसरे इराकी खिलाड़ी बने। आमिर अल-अम्मारी के बेहतरीन क्रॉस पर शानदार हेडर मारते हुए आयमन ने गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचाया। हालांकि, हाफ टाइम से पहले हालैंड ने फिर कमाल दिखाया। इराकी डिफेंडर जैद तहसीन और गोलकीपर जलाल हसन के बीच हुई गड़बड़ी का फायदा उठाकर हालैंड ने मैच में अपना दूसरा गोल किया और नॉर्वे को 2-1 की बढ़त दिला दी।

अगर घरेलू क्रिकेट नहीं, तो सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट भी नहीं

पीसीबी ने पेश किया नया फॉर्मूला

लाहौर। अगर पाकिस्तानी क्रिकेटर्स घरेलू टूर्नामेंट्स में हिस्सा नहीं लेते, तो उन्हें सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट नहीं दिया जाएगा। खुद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के प्रमुख मोहसिन नकवी ने यह चेतावनी दी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, पीसीबी ने सालाना पेमेंट के लिए एक नया और बड़े बदलाव वाला फॉर्मूला पेश किया है। 'टेलीकॉम एशिया स्पोर्ट' की रिपोर्ट के अनुसार, साल 2026 के लिए नए सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट मॉडल में पारंपरिक ए, बी, सी, डी कैटेगरी की जगह पांच फॉर्मेट-आधारित ट्रैक लाए गए हैं। बोर्ड का दावा है कि क्रिकेट में यह अपनी तरह का पहली संरचना है। टॉप फॉर्मेट, जिसका नाम 'ट्रैक एबी'

रखा गया है, उन खिलाड़ियों के लिए होगा जो टेस्ट और वनडे खेलते हैं। 'ट्रैक ए' खास तौर पर टेस्ट खेलने वाले क्रिकेटर्स के लिए होगा। इसी तरह, 'ट्रैक बीसी' व्हाइट-बॉल स्पेशलिस्ट (वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय) के लिए होगा, जबकि 'ट्रैक सी' टी20 अंतरराष्ट्रीय और फ्रेंचाइजी स्पेशलिस्ट के लिए होगा। हाई परफॉर्मेंस एकेडमी में ट्रेनिंग लेने वाले खिलाड़ियों को 'ट्रैक डी' कॉन्ट्रैक्ट मिलेगा।
हाल ही में पाकिस्तान का टेस्ट क्रिकेट में प्रदर्शन खराब रहा है, जिसके बाद पूर्व खिलाड़ियों ने पीसीबी को सुझाव दिया कि खिलाड़ियों के लिए घरेलू क्रिकेट, खासकर फर्स्ट-क्लास चार-दिवसीय मुकाबलों में खेलना अनिवार्य किया जाए, क्योंकि इससे उन्हें अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों के लिए तैयार होने में मदद मिलेगी।

एमबाप्पे का कमाल

मेसी का तोड़ा रिकॉर्ड

कैनसस सिटी (एजेंसी)। फ्रांस के स्टार खिलाड़ी काइलियन एमबाप्पे ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के पहले ही मुकाबले में शानदार प्रदर्शन किया। एमबाप्पे ने दो गोल करते हुए फ्रांस को सेनेगल के खिलाफ खेले गए मुकाबले में 3-1 से जीत दिलाई। एमबाप्पे ने लियोनेल मेसी को भी खास मामले में पीछे छोड़ दिया है। काइलियन एमबाप्पे फीफा वर्ल्ड कप के इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में संयुक्त रूप से तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। एमबाप्पे इस मेगा इवेंट में अब तक 15 मुकाबलों में 14 गोल कर चुके हैं। एमबाप्पे ने मेसी को पीछे छोड़ दिया है। अर्जेंटीना के स्टार खिलाड़ी ने विश्व कप में खेले 26 मुकाबलों में 13 गोल किए हैं। इसके साथ ही एमबाप्पे फीफा वर्ल्ड कप में फ्रांस की तरफ से सबसे ज्यादा गोल दागने वाले खिलाड़ी भी बन गए हैं। फीफा वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा गोल करने का रिकॉर्ड जर्मनी के पूर्व खिलाड़ी मिरोस्लाव क्लोज के नाम दर्ज है, जिन्होंने कुल 24 मुकाबलों में 16 गोल किए हैं। वहीं, इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर ब्राजील के स्टार फुटबॉलर रहे रोनाल्डो का नाम है। रोनाल्डो ने 19 मुकाबलों में 15 गोल किए हैं। सेनेगल के खिलाफ किए गए दमदार प्रदर्शन को अगर एमबाप्पे पूरे विश्व कप में कायम रखने में सफल रहे, तो वह इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी

अभियान की शुरुआत से पहले इंग्लिश टीम में बदलाव, लिवरामेंटो की जगह चालोबाह शामिल

लंदन। इंग्लैंड की टीम 17 जून की देर रात (भारतीय समय के अनुसार) क्रोएशिया के खिलाफ मुकाबले के साथ फीफा वर्ल्ड कप 2026 में अपने अभियान की शुरुआत करेगी। इस मैच से ठीक पहले इंग्लिश खेमे में बदलाव हुआ है। इंग्लैंड के फुल-बैक टीनो लिवरामेंटो चोट के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। हैरी केन की कप्तानी वाली टीम ने उनकी जगह ट्रेवोह चालोबाह को शामिल करने की घोषणा की है। रविवार को 23 वर्षीय लिवरामेंटो ट्रेनिंग सेशन के दौरान चोटिल हो गए थे। इंग्लैंड फुटबॉल ने एक आधिकारिक बयान में कहा, 'टीनो लिवरामेंटो के चोट के कारण हटने के बाद ट्रेवोह चालोबाह को फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए इंग्लैंड की 26-सदस्यीय टीम में बुलाया गया है। अब चेल्सी के इस डिफेंडर के लिए कैनसस सिटी में टीम के बेस कैंप तक यात्रा करने की व्यवस्था की जा रही है, जबकि बाकी टीम बुधवार को क्रोएशिया के खिलाफ 'थ्री लायंस' (इंग्लैंड टीम) के शुरुआती ग्रुप मैच के लिए डलास, टेक्सास जाएगी।' बयान में आगे कहा गया, 'फीफा के नियम हिस्सा लेने वाली टीमों को अपने शुरुआती मैच से 24 घंटे पहले तक किसी आउटफील्ड खिलाड़ी को बदलने की अनुमति देते हैं। न्यूकैसल यूनाइटेड के डिफेंडर लिवरामेंटो को रविवार दोपहर ट्रेनिंग के दौरान पिंडली में चोट लग गई थी। इसके बाद सोमवार को हुए स्कैन और मेडिकल जांच से दुर्भाग्य से पुष्टि हुई कि वह इंग्लैंड के टूर्नामेंट में आगे कोई भूमिका नहीं निभा पाएंगे।'

मेसी का ऐतिहासिक धमाका

39 की उम्र में दागी विश्व कप हैट्रिक, अर्जेंटीना ने अल्जीरिया को 3-0 से हराया

कैनसस सिटी। क्या लियोनेल मेस्सी पर उम्र का कोई असर नहीं होता? यह सवाल आज पूरी दुनिया के फुटबॉल प्रेमी पूछ रहे हैं। विश्व कप के एक मुकाबले में गत चैंपियन अर्जेंटीना ने अल्जीरिया को 3-0 से मात देकर एक आसान और एकतरफा जीत दर्ज की है। लेकिन इस मैच की पूरी लाइमलाइट अर्जेंटीना के कप्तान और फुटबॉल के जादूगर लियोनेल मेस्सी ने लूट ली, जिन्होंने खेल के मैदान पर एक नया इतिहास रचते हुए रिकॉर्ड तोड़ हैट्रिक जमाई है। 39 की उम्र में मेस्सी का 'अविश्वसनीय' कारनामा फुटबॉल विश्लेषक डैनियल गुर्फ़िकेल ने मेस्सी के इस प्रदर्शन पर हैरत जताते हुए कहा, 'क्या मेस्सी बढ़ती उम्र के सिद्धांत को नहीं समझते? विश्व कप में हैट्रिक लगाना अपने आप में बेहद प्रभावशाली है, लेकिन जब आप लगभग 39 वर्ष के हों और तब ऐसा कारनामा करें, तो यह पूरी तरह से अविश्वसनीय और पागलपन जैसा है।' आलोचकों द्वारा अक्सर यह सवाल उठाया जाता रहा है कि क्या मेस्सी अब बूढ़े हो चुके हैं? क्या 2022 में विश्व कप की 'प्रॉमिस्ड लैंड' (ख्वाबों की दुनिया) तक पहुँचने और खिताब जीतने के बाद वे सुस्त या आत्मसंतुष्ट हो गए हैं? लेकिन अल्जीरिया के खिलाफ मैदान पर मेस्सी ने अपनी जादुई हैट्रिक से यह साफ कर दिया कि उनके खेल में अभी भी वही पुराना धार और भूख बाकी है।

हमारे पास इस बार फीफा वर्ल्ड कप जीतने का सबसे अच्छा मौका: हैरी केन

आर्लिंगटन (एजेंसी)। इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन का मानना है कि फीफा वर्ल्ड कप 2026 में टीम के पास ट्रॉफी को अपने नाम करने का सुनहरा मौका होगा। बायर्न म्यूनिख के लिए 51 मुकाबलों में 61 गोल करने वाले शानदार सीजन के बाद स्ट्राइकर को भरोसा है कि वह अपने करियर की सबसे अच्छी फॉर्म को जारी रखने और इंग्लैंड को टूर्नामेंट में आगे तक ले जाने के लिए पहले से कहीं ज्यादा तैयार हैं। इंग्लैंड फीफा विश्व कप में अपने अभियान का आगाज क्रोएशिया के खिलाफ गुरुवार को करेगा। मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात करते हुए 32 साल के खिलाड़ी ने कहा, 'मैं निजी तौर पर कहूंगा कि यह मानसिक और शारीरिक तौर पर मेरा अब तक का सबसे अच्छा सीजन है। मेरे लिए सीजन का अंत बहुत अच्छा रहा। शारीरिक तौर पर मैं खुद को बहुत अच्छी शेप में महसूस कर रहा हूं।' 'अपने करियर के लिए आपको बहुत सी चीजों की जरूरत होती है जो आपके हिसाब से हों और सही समय पर सही जगह पर हों और मुझे लगता है कि इस टूर्नामेंट के लिए ऐसा ही हुआ है। मेरे हिसाब से एक टीम के तौर पर हमारे पास फीफा वर्ल्ड कप जीतने का सबसे अच्छा मौका होगा। मुझे लगता है कि हर कोई अच्छी शुरुआत करने और यह साबित करने के लिए बेताब है कि हमारे पास इस टूर्नामेंट में आगे तक जाने की काबिलियत है।' हैरी केन इंग्लैंड के अब तक के सबसे सफल स्ट्राइकरों में से एक हैं।

निलाक्षिका-कौशानी की तूफानी पारी

● महिला टी20 विश्व कप में न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रीलंका की 5 विकेट से जीत

उथेम्प्टन (एजेंसी)। श्रीलंका ने द रोज बाउल में खेले गए विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 के 7वें मैच में न्यूजीलैंड के विरुद्ध 5 विकेट से जीत दर्ज की। इसी के साथ 'ग्रुप-बी' में मौजूद श्रीलंका ने जीत का खाता खोल लिया है, जबकि न्यूजीलैंड को लगातार दूसरे मैच में हार का सामना करना पड़ा। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम ने निर्धारित ओवरों में 6 विकेट खोकर 150 रन बनाए। इस टीम को महज 4 रन पर इसाबेल गेज (4) के रूप में पहला झटका लगा गया था। यहां से कप्तान अमेलिया केर ने जॉर्जिया प्लिम्मर के साथ दूसरे विकेट के लिए 46 गेंदों में 49 रन जोड़कर पारी को संभाला। प्लिम्मर 22 गेंदों में 18 रन बनाकर आउट हुईं, जिसके बाद केर ने सोफी डिवाइन के साथ तीसरे विकेट के लिए 26 गेंदों में 43 रन जुटाए। केर ने 36 गेंदों में 45 रन बनाए। उनकी इस पारी में 5 चौके शामिल रहे।

इसके बाद सोफी डिवाइन ने मोर्चा संभाला। उन्होंने 30 गेंदों में 5 बाउंड्री के साथ 45 रन जुटाए, जबकि मैडी ग्रीन 18 रन बनाकर नाबाद रहीं। विपक्षी खेमे से काशवी दिलहारी ने 2 हासिल किए, जबकि मिताली अयोध्या, सुगंधिका कुमारी, चामरी अट्टापट्टू और निमाशा मीपेज को 1-1 विकेट हाथ लगा।

इसके जवाब में श्रीलंकाई टीम ने 19.4 ओवर में मुकाबला अपने नाम कर लिया। कप्तान चामरी अट्टापट्टू ने विश्मी गुणारत्ने (17) के साथ 5.5 ओवरों में 45 रन की साझेदारी की। अट्टापट्टू 19 गेंदों में 1 छक्के और 4 चौकों के साथ 27 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद टीम नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती रही। आलम ये रहा कि 8.3 ओवरों में 55 के स्कोर तक श्रीलंका ने अपने 4 विकेट खो दिए थे। यहां से काशवी दिलहारी ने निलाक्षिका सिल्वा के साथ 39 गेंदों में 49 रन जुटाए।

काशवी टीम के खाते में 17 रन का योगदान देकर पवेलियन लौटीं,

जिसके बाद निलाक्षिका ने कौशानी नुथ्यंगना के साथ 28 गेंदों में 48 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम को रोमांचक जीत दिलाई। न्यूजीलैंड की तरफ से नेंसी पटेल ने 23 रन देकर 2 विकेट निकाले, जबकि ब्री इलिंग को 1 विकेट हाथ लगा।

भारत का अफगानिस्तान के खिलाफ 403 रन विशाल स्कोर, कप्तान गिल ने 154, ईशान ने 125 रन बनाए; खरोटे को 4 विकेट मिला

गिल वनडे में सबसे तेज शतक लगाने वाले पांचवें भारतीय कप्तान

लखनऊ (एजेंसी)। भारत ने दूसरे वनडे में अफगानिस्तान को 403 रन का टारगेट दिया था। बुधवार को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में भारत ने 49.5 ओवर में 402 पर ऑलआउट हो गई। टीम के लिए कप्तान शुभमन गिल ने 110 बॉल पर 154 और ईशान किशन ने 79 बॉल पर 125 रन बनाए। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 224 रन जोड़कर भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।शुभमन गिल और ईशान किशन ने अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे वनडे मैच में शानदार बल्लेबाजी की। गिल और ईशान ने तीसरे विकेट के लिए दमदार साझेदारी की और दोनों बल्लेबाजों ने इस मैच में शतक लगाए। गिल जहां संयमित होकर बल्लेबाजी करते दिखे तो ईशान ने वनडे में टी20 वाला रुख अपनाया। गिल इसके साथ ही वनडे में सबसे तेज शतक लगाने वाले पांचवें भारतीय कप्तान बन गए हैं।अफगानिस्तान ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। अफगानिस्तान ने यशस्वी जायसवाल को आउट कर भारत को शुरुआती झटका दिया। इसके बाद गिल तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे और उन्होंने रोहित के साथ साझेदारी निभाई। रोहित हालांकि, अर्धशतक लगाने से चूक गए और 48 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद चौथे नंबर पर ईशान किशन को उतारा गया। ईशान और गिल ने मिलकर अफगानिस्तान के गेंदबाजों को जमकर परेशान किया ।

● दांबुला में भारत-ए और श्रीलंका-ए के खिलाड़ियों के बीच धक्का-मुक्की

एसएलसी ने कार्रवाई की: रिपोर्ट

दांबुला। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने दांबुला में इंडिया 'ए' और श्रीलंका 'ए' के बीच ट्राई-सीरीज के तनावपूर्ण मैच में शामिल खिलाड़ियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की है। रिपोर्ट के मुताबिक, मैच रेफरी प्रदीप जयप्रकाश ने इस विवादित मुकाबले के बाद कार्रवाई की है। उल्लेखनीय है कि रंगिरी दांबुला इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए इस मैच में दोनों टीमों का स्कोर 265-265 से बराबर रहने के बाद खेल सुपर ओवर में पहुंचा, जहां श्रीलंका 'ए' ने जीत हासिल की, लेकिन मुकाबला खत्म होने के बाद भारत के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और श्रीलंका 'ए' के विशन हलमबेज के बीच तीखी बहस हुई और मामला धक्का-मुक्की तक पहुंच गया। 'क्रिकबज' के अनुसार, श्रीलंका के पूर्व तेज गेंदबाज और मैच रेफरी जयप्रकाश की तरफ से लगाए गए प्रतिबंधों में विशेन हलंबागे मुख्य रूप से शामिल हैं।

हालांकि, श्रीलंका 'ए' के विकेटकीपर निरोशन डिकवेला पर भी जुर्माना लगाया गया है, जो हलमबेज और सूर्यवंशी के बीच झगड़े को शांत करवाने की कोशिश कर रहे थे। हालांकि, डिकवेला पर एक अलग नियम तोड़ने के लिए जुर्माना लगाया गया। विकेटकीपर की ओर से तोड़े गए नियम के बारे में साफतौर पर नहीं बताया गया है, लेकिन क्रिकबज के अनुसार, संभवतः यह जुर्माना बहुत ज्यादा अपील करने की वजह से हो सकता है। फिलहाल यह पुष्टि नहीं हुई है कि वैभव सूर्यवंशी पर कोई कार्रवाई हुई है या नहीं?इस मामले में कोई आधिकारिक सुनवाई नहीं हुई। श्रीलंका 'ए' के सूत्रों ने क्रिकबज को बताया कि उन्हें लगता है कि मैच रेफरी जयप्रकाश ने सिर्फ मैदान पर मौजूद अंपायर्स की रिपोर्ट के आधार पर ये जुर्माना लगाया है।

भारत, श्रीलंका और अफगानिस्तान के बीच जारी ट्राई-सीरीज में मेजबान टीम शीर्ष पर है, जिसने 3 में से 2 मैच जीते हैं। वहीं, भारतीय टीम 3 में से 1 मुकाबला जीतकर दूसरे स्थान पर है। अफगानिस्तान ने 2 में से 1 मैच जीता है। यह टीम तीसरे पायदान पर है।

एसआईआर में किसी भी मतदाता का नाम न छूटे

झामुमो का बूथ स्तरीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर संपन्न

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

खूंटी। खूंटी नगरभवन सभागार में आज झामुमो का बूथ स्तरीय कार्यक प्रशिक्षण संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में खूंटी तोरपा और तमाड़ के विधायक भी शामिल हुए। झामुमो के केंद्रीय महासचिव विनोद पाण्डेय ने झामुमो कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए एसआईआर की प्रक्रिया में कार्यकर्ताओं को बूथ स्तरीय एजेंट की भूमिका बेहतर तरीके से निभाने की बात कही। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मतदान केंद्रों में किसी भी मतदाता का नाम नहीं छूटना चाहिए। झामुमो के केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पाण्डेय ने केंद्र सरकार और आयोग की नीयत पर सवाल उठाते हुए कहा कि जिन राज्यों में एसआईआर के बाद चुनाव हुए वहां लाखों मतदाताओं का नाम काट दिया गया। बिहार बंगाल समेत अन्य राज्यों में इसके परिणाम देखने को मिले हैं साथ ही लाखों मतदाताओं के नाम कटने के बाद कोर्ट का यह कहना कि आप अगली बार मतदान करें यह मतदाताओं के संवैधानिक अधिकारों का हनन है। झारखंड में इस तरह पुनरावृत्ति न हो इसे लेकर बूथ स्तरीय झामुमो कार्यकर्ताओं और बीएलए 2 को प्रशिक्षित कर सजग और सचेत किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया ने कहा कि एसआईआर के माध्यम से हमारा नाम हटाया जाएगा तो हम भारत के नागरिक होने से भी वंचित होंगे इसलिए सबका दायित्व है कि एसआईआर को लेकर बारीकी से नाम जोड़ने के काम में सहयोग करें। खूंटी विधायक रामसूर्या मुंडा ने कहा कि वर्तमान झारखंड सरकार आमजनों को कई मुफ्त योजनाएं दी है उसे जारी रखने के लिए एसआईआर के माध्यम से मतदाताओं का नाम नहीं छूटना चाहिए। अन्य राज्यों की तरह जैसे तैसे एसआईआर की एंट्री कर मतदाताओं का नाम खारिज न किया जाए इसका ध्यान रखना होगा। तमाड़ विधायक विकास कुमार मुंडा ने कहा कि आप सभी यदि सजग नहीं रहेंगे तो आपका नाम भी कट जाएगा। वोट देने का अधिकार उसी को मिलता है जो इस देश के नागरिक हैं। ऐसे में एसआईआर के माध्यम से हमारे लोगों का नाम जोड़ने में सभी कार्यकर्ता और विधायक भी सहयोग करेंगे। झामुमो के बूथ स्तरीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर में हजारों की संख्या में बूथ स्तरीय कार्यकर्ता, प्रखंड और जिला स्तरीय कार्यकर्ता और कमिटी के सदस्य उपस्थित थे।

नशे के तीन कारोबारी चढ़े पुलिस के हत्थे

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

देवघर। देवघर पुलिस को नशा कारोबार के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है। पुलिस अधीक्षक को मिली गुप्त सूचना के आधार पर कुंडा थाना क्षेत्र के कोरियासा मैदान में विशेष छापेमारी अभियान चलाया गया। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर कुलदीप कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने अवैध गांजा की खरीद-बिक्री में संलिप्त तीन युवकों को गिरफ्तार किया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने आरोपियों के पास से करीब 1.9 किलोग्राम गांजा, एक होंडा शाइन मोटरसाइकिल, 5 हजार 150 रुपये नकद और दो मोबाइल फोन बरामद किए। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान लाल गोविंद मंडल, बिंदु कुमार मंडल और कुनाल मंडल के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार तीनों आरोपी लंबे समय से गांजा के अवैध कारोबार से जुड़े हुए थे। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। एसडीपीओ कुलदीप कुमार ने बताया कि जिले में नशे के अवैध कारोबार पर रोक लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाने के लिए ऐसे कारोबारियों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

अनिल चौरसिया की पुण्यतिथि में जुटे कई लोग

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पलामू। जिले के चैनपुर में जननेता स्व. अनिल चौरसिया की 16वीं पुण्यतिथि श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास, पलामू सांसद विष्णु दयाल राम, विधायक आलोक चौरसिया, विधायक कुशवाहा शशिभूषण मेहता, मेयर अरुणा शंकर, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता तथा हजारों की संख्या में आम लोग शामिल हुए। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने स्व. चौरसिया के प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। सभा को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने स्व. अनिल चौरसिया के संघर्षपूर्ण जीवन, समाज सेवा और जनहित के प्रति उनके समर्पण को याद किया। नेताओं ने कहा कि उनका जीवन युवाओं और समाज के लिए प्रेरणास्रोत है तथा उनके आदर्शों पर चलकर समाज और क्षेत्र के विकास को नई दिशा दी जा सकती है। वक्ताओं ने लोगों से उनके संघर्ष, सादगी और जनसेवा की भावना से सीख लेने का आह्वान किया। स्व. अनिल चौरसिया वर्तमान विधायक आलोक चौरसिया के पिता थे।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन को पद्म भूषण सम्मान

आदिवासी समाज और झारखंड आंदोलन में योगदान को लेकर किया गया याद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। भारत के प्रमुख आदिवासी जननेता, समाज सुधारक और झारखंड आंदोलन के प्रमुख शिल्पकार शिबू सोरेन को उनके योगदान के लिए श्रद्धापूर्वक याद किया गया और उन्हें पद्म भूषण सम्मान से मरणोपरांत भारत सरकार से नवाज़ा है. आदिवासी समाज के बीच 'दिशोम गुरु' के नाम से विख्यात शिबू सोरेन ने झारखंड की पहचान, अधिकारों और विकास के लिए लंबे समय तक संघर्ष किया। शिबू सोरेन ने झारखंड आंदोलन को जनआंदोलन का स्वरूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके नेतृत्व और संघर्ष के परिणामस्वरूप अलग झारखंड राज्य की मांग को व्यापक जनसमर्थन मिला। सामाजिक न्याय, आदिवासी अधिकारों और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए उनका योगदान उल्लेखनीय माना जाता है। सार्वजनिक जीवन में उनके योगदान को देखते हुए भारत सरकार ने उन्हें देश के प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान पद्म भूषण से सम्मानित किया। उन्होंने तीन बार झारखंड के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया और कई बार लोकसभा सदस्य के रूप में जनता का प्रतिनिधित्व किया। इसके अलावा उन्होंने केंद्र सरकार में कोयला मंत्री के रूप में भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाई। राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में शिबू सोरेन का योगदान केवल झारखंड तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर आदिवासी समुदाय की आवाज को मजबूती प्रदान की। सादगी, संघर्षशीलता और जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता ने उन्हें लाखों लोगों के बीच सम्मान दिलाया। वक्ताओं ने कहा कि शिबू सोरेन का जीवन सामाजिक परिवर्तन, जनअधिकारों की रक्षा और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति समर्पण का प्रतीक है। झारखंड के विकास और आदिवासी समाज के सशक्तिकरण में उनके योगदान को सदैव स्मरण किया जाएगा।

परीक्षार्थी की हालत बिगड़ी

आरा (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। मीरगंज स्थित आदर्श मध्य विद्यालय में बुधवार की दोपहर बिहार मधनिषेध विभाग की परीक्षा देने आए बांका निवासी परीक्षार्थी की हालत बिगड गई। स्थानीय लोगों के द्वारा उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। जानकारी के अनुसार उक्त परीक्षार्थी बांका जिले के सिंघनान थाना क्षेत्र के सिंघनान गांव निवासी नरेश साह का 26 वर्षीय पुत्र सुनील कुमार साह है। इधर, सुनील कुमार साह ने बताया कि वह बुधवार को बांका से शहर के मीरगंज स्थित आदर्श मध्य विद्यालय में बिहार मधनिषेध विभाग के पुलिस जवान की भर्ती परीक्षा देने के लिए आया था। बुधवार की दोपहर जब वह केंद्र में परीक्षा दे रहा था। तभी उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई।

पदमा दौरे पर सांसद ने कार्यकर्ताओं संग किया संवाद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पदमा (हजारीबाग)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे संगठनात्मक कार्यक्रम के तहत हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने पदमा प्रखंड का व्यापक दौरा किया। इस दौरान उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं, प्रबुद्धजनों और स्थानीय लोगों से मुलाकात कर संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा की तथा क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं और विकास कार्यों पर चर्चा की। दौरे की शुरुआत ग्राम परतन से हुई, जहां सांसद ने सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों से संवाद किया। इसके बाद सूरजपुरा और रोमी पंचायत पहुंचकर स्थानीय भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों के साथ बैठक की। बैठक में संगठन को और अधिक सशक्त बनाने, केंद्र सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विचार-विमर्श किया गया। दौरे के दौरान सांसद मनीष जायसवाल ने हाल के दिनों में विभिन्न दुर्घटनाओं और आकस्मिक घटनाओं में अपने परिजनों को खो चुके परिवारों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। बिहारी पंचायत में उमाशंकर मेहता एवं शशिकांत मेहता के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्होंने परिजनों को हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया।
इसके बाद ग्राम बुंडू में सत्यनारायण राम के निधन से प्रभावित परिवार से मिलकर सांसद ने उनके बच्चों एवं परिजनों का हौसला बढ़ाया। वहीं महकोल गांव में सड़क दुर्घटना में दिवंगत हुए सन्नी रविदास के परिजनों से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की। इस अवसर पर सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि दुख की इस घड़ी में वे केवल जनप्रतिनिधि नहीं, बल्कि परिवार के सदस्य और बेटे की तरह पीड़ित परिवारों के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि जनता का सुख-दुख ही उनकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है और हर परिस्थिति में वे क्षेत्रवासियों के साथ रहेंगे। दौरे में भाजपा के कई पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

राज्यपाल से मिल विकास कार्यों पर हुई चर्चा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। कोनार परियोजना के प्रधान राणा रणजीत सिंह ने बुधवार को झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार से राजभवन में शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने राज्यपाल को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया तथा कोनार परियोजना क्षेत्र में संचालित विकास कार्यों एवं सामाजिक गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। मुलाकात के दौरान कोनार परियोजना के विकास, जनकल्याणकारी योजनाओं, रोजगार सृजन तथा क्षेत्र की प्रगति से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई। राज्यपाल ने कोनार परियोजना में अल्प समय में हुए विकास कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि परियोजना के विकास एवं प्रगति के लिए किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं और इसके सकारात्मक परिणाम स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। राज्यपाल ने दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) द्वारा राज्य के विकास, ऊर्ज़ा उत्पादन तथा रोजगारोन्मुख गतिविधियों में दिए जा रहे योगदान की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास राज्य के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
वहीं, दूरभाष पर प्रतिक्रिया देते हुए कोनार परियोजना के प्रधान राणा रणजीत सिंह ने कहा कि राज्यपाल का अभिभावक तुल्य स्नेह, मार्गदर्शन और उत्साहवर्धन डीवीसी परिवार के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल द्वारा व्यक्त किए गए विश्वास और शुभकामनाओं के लिए डीवीसी परिवार सदैव उनका आभारी रहेगा।
यह मुलाकात कोनार परियोजना के विकास कार्यों को नई गति देने तथा क्षेत्र के समग्र विकास के प्रति प्रतिबद्धता को और मजबूत करने वाली महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है।

भगवान शिव का अनोखा मंदिर, यहां सांप का काटा इंसान भी हो जाता है स्वस्थ्य

औरंगाबाद (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। जिले के ऐसे अनोखे मंदिर के बारे में आपको बता रहे हैं जहां के बारे में यह मान्यता है कि यहां सांप का काटा व्यक्ति भी तुरंत सही हो जाता है। बता दें कि यहां नागपंचमी के अवसर पर दर्शन के लिए भारी भीड़ उमड़ती है। कहते हैं विषैले सांप से डंसे व्यक्ति को यहां लाकर पूजा करने से वह सही सलामत घर लौट जाता है। सर्वत्र आस्था और विश्वास का बोलबाला औरंगाबाद जिले के वार गांव स्थित बक्स बाबा मंदिर में देखने को मिलता है। इस दौरान आस्थावान भक्तों का सैलाब बक्स बाबा मंदिर में उमड़ा नजर आता है। श्रद्धालु इस मौके पर जमकर नागदेवता की विधिवत पूजा-अर्चना करते हैं और उन्हें प्रसाद के रूप में दूध-लावा चढ़ाते हैं। इस मंदिर की ऐसी मान्यता है कि किसी भी विषैले सांप के डंसने पर मंदिर प्रांगण में पीड़ित व्यक्ति को लाकर जल छींटने और जयकारा लगाने से रोगी पूरी तरह से स्वस्थ्य हो जाता है। यह मंदिर औरंगाबाद जिले के मदनपुर प्रखंड में वार गांव में स्थित है। बक्स बाबा मंदिर में नागपंचमी के दिन काफी भीड़ जुटती है। यहां भव्य मेला भी लगता है। नागपंचमी के दिन पूरे गांव के लोग नमक का सेवन नहीं करते। श्रद्धालु नाग देवता को दूध और लावा चढ़ाते हैं। इस पौराणिक मंदिर के प्रांगन में पिछले कई वर्षो से विशाल मेले के आयोजन की परम्परा चली आ रही है। इसी कारण नागपंचमी के शुभ अवसर पर सिर्फ औरंगाबाद ही नहीं बल्कि आसपास के कई जिलों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु लोग यहां जुटते हैं और बख्स बाबा स्थित नाग देवता की पूजा अर्चना करते हैं।

मंत्री ने धनवार में केंद्रीय विद्यालय का किया शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गिरिडीह। शिक्षा के क्षेत्र में गिरिडीह के धनवार प्रखंड को केंद्रीय विद्यालय की बड़ी सौगात मिली है। केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी और गिरिडीह के उपायुक्त रामनिवास यादव ने संयुक्त रूप से फीता काटकर और दीप प्रज्वलित कर विद्यालय का उद्घाटन किया है। इस अवसर पर नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत किया गया और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। बता दें धनवार में केंद्रीय विद्यालय की शुरुआत को क्षेत्र की शिक्षा व्यवस्था के लिए ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है। उद्घाटन समारोह में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, अभिभावक, जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक

छात्रों को होगी सुविधा

प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिसकी सभी ने सराहना की। केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि केंद्र सरकार का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को भी उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय विद्यालय के संचालन से धनवार और आसपास के क्षेत्रों के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की शिक्षा, आधुनिक संसाधन और बेहतर अवसर मिलेंगे। साथ ही छात्रों को बेहतर शिक्षा के लिए बड़े शहरों की ओर पलायन करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।
वहीं उपायुक्त रामनिवास यादव ने इसे जिले के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि फिलहाल विद्यालय का संचालन वैकल्पिक व्यवस्था के तहत शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि अगले दो वर्षों के भीतर केंद्रीय विद्यालय का अपना आधुनिक और भव्य भवन बनकर तैयार हो जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि नामांकन प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता बरती जाएगी और विद्यार्थियों को सभी आवश्यक सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराई जाएंगी।
प्रशासन का मानना है कि केंद्रीय विद्यालय की स्थापना से ग्रामीण क्षेत्र के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने का अवसर मिलेगा। शिक्षा के क्षेत्र में यह पहल धनवार समेत पूरे गिरिडीह जिले के लिए एक नई दिशा और नए अवसरों का द्वार खोलने वाली साबित होगी।

डीवीसी कोनार में रक्तदान महाशिविर का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

कोनार/हजारीबाग। आज डीवीसी कोनार डिस्पेंसरी परिसर में कोनार परियोजना प्रधान राणा रणजीत सिंह के दिशा-निर्देश में रक्तदान महाशिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कोनार के सीनियर मैनेजर (विद्युत) विशाल यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर कोनार डिस्पेंसरी के वरीय चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. बी. एन. मंडल ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवा है तथा एक यूनिट रक्त कई लोगों का जीवन बचा सकता है। उन्होंने लोगों से नियमित रूप से रक्तदान करने की अपील की। कार्यक्रम में कार्यपालक सुनील कुमार, मैनेजर (विद्युत) चंदन कुमार, डॉ. एस. के. अज़ाज़ अहमद, सब स्टेशन के दीनानाथ प्रसाद, उच्च विद्यालय के प्राचार्य बी. के. महतो, मिडिल स्कूल के प्रधानाध्यापक राजेश्वर कुमार रजक, विवेक करकेटा, नंदलाल साहू, अमन टोप्पो, दिनेश किस्कू एवं चेतलाल सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। रक्तदान शिविर में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और रक्तदान कर समाज सेवा का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने रक्तदान महादान के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया।

डीडीएस अकेडमी के आठ छात्रों के बिहार पुलिस में चयन से हर्ष

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

शिवाजीनगर। शिवाजीनगर प्रखंड स्थित डीडीएस अकैडमी ने एक बार फिर शानदार सफलता हासिल करते हुए क्षेत्र का नाम रोशन किया है। अकैडमी के आठ छात्रों का चयन बिहार पुलिस में तथा एक छात्र का चयन सीमा सुरक्षा बल बीएसएफ में हुआ है। इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी और उत्साह का माहौल है। चयनित अभ्यर्थियों के सम्मान में अकैडमी परिसर में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों और समाजसेवियों ने भाग लिया सफलता प्राप्त करने वाले छात्रों ने अपनी उपलब्धि का श्रेय अकैडमी के शिक्षक धर्मेंद्र कुमार झा को दिया। छात्रों ने कहा कि उनके कुशल मार्गदर्शन, अनुशासित प्रशिक्षण और निरंतर प्रेरणा के कारण ही वे इस मुकाम तक पहुंच सके हैं। उन्होंने बताया कि शिक्षक द्वारा नियमित अभ्यास, शारीरिक प्रशिक्षण और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर विशेष ध्यान दिया जाता है, जिससे उन्हें सफलता प्राप्त करने में मदद मिली चयनित अभ्यर्थियों में सतीश कुमार ग्राम फतेहपुर का चयन बिहार पुलिस में हुआ है और उनकी पोस्टिंग मुजफ्फरपुर जिला पुलिस में की गई है। अमित कुमार ग्राम फतेहपुर का चयन नालंदा जिला पुलिस के लिए हुआ है। राकेश कुमार राम ग्राम मननपुर की पोस्टिंग औरंगाबाद में हुई है, जबकि मिथिलेश कुमार ग्राम बलहा को कटिहार जिले में पदस्थापित किया गया है। प्रिया कुमारी ग्राम गुदारघाट की नियुक्ति जमुई में हुई है तथा अंकिता कुमारी ग्राम फतेहपुर को नालंदा जिले में तैनाती मिली है। वहीं नरेश कुमार राम (ग्राम बंधार) का चयन सीमा सुरक्षा बल बीएसएफ में हुआ है। अन्य चयनित अभ्यर्थियों ने भी अपनी मेहनत और लगन के बल पर सरकारी सेवा में स्थान प्राप्त किया है सम्मान समारोह में बल्लीपुर पंचायत की मुखिया अनीता देवी, सरपंच कन्हैया मंडल, उपमुखिया संतोष कुमार, समाजसेवी शंकर मंडल, नवोदय अकैडमी के शिक्षक राजकुमार झा, उनके पिता एवं सेवानिवृत्त बड़ा बाबू राम उदगार झा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने चयनित छात्रों को उपहार देकर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

दक्षिणी उमगा पंचायत के वार्ड नं. 5 में ठप पड़ी नल-जल योजना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। मदनपुर प्रखंड के दक्षिणी उमगा पंचायत के वार्ड नं-पांच में बीते तीन वर्षों से अधिक समय से नल-जल योजना ठप्प पड़ा है। बता दें कि चार वर्ष पहले वार्ड में 10 लाख रुपये के तहत नल-जल योजना का कार्य किया गया था। नल-जल योजना के तहत पानी टंकी लगाया गया। पाइप बिछाई गई थी परंतु घरों में नल का टोटी नहीं लगाया गया। बता दें कि राज्य सरकार ने वर्षो पहले गांवों में ग्रामीणों को स्वच्छ जल पहुंचाने को ले विभिन्न वार्डो में नल-जल योजना की शुरुआत की थी। सरकार का निर्णय था कि ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल मिले। गांवों में नल-जल योजना की शुरुआत तो हुई परंतु देखरेख के अभाव में स्थिति काफी बदहाल हो गई है। यहां सरकार के सभी दावे फ़ेल नजर आ रहा है। ग्रामीणों को नल-जल योजना से पानी नहीं मिल रहा है। गांव में कई जगहों पर पाइप क्षतिग्रस्त हो गए हैं। गांव में पानी की आपूर्ति बंद है। बता दें कि वार्ड में 140 से अधिक घरों की बस्ती है। लगभग सभी घरों में कनेक्शन है। ग्रामीण प्रदीप सिंह सहित के अनुसार जब गांव में नल-जल योजना रहते हमलोग शुद्ध जल से वंचित हैं। पीएचइडी विभाग के अधिकारी का ध्यान इस ओर नहीं जाता है। नल-जल योजना की मरम्मत कराकर चालू नहीं कराया गया तो हमलोग आंदोलन करने को बाध्य होंगे। बताया कि जब गांव में नल-जल योजना की शुरूआत हुई थी तो खुशी हुई थी परंतु अब नल-जल योजना फ़ेल हो गया है। कुछ ग्रामीणों द्बारा योजना के तहत लगे मोटर से खेत का पटवन किया जाता है। विभाग को चाहिए कि इसे दुरुस्त करवाकर चालू करवाए ताकि शुद्ध पानी के लिए ग्रामीणों को भटकना न पड़े। कई बार जलमीनार को चालू करवाने की मांग की है।

तीन दिवसीय प्रखंड सहयोग सह जनकल्याण शिविर में उमड़ी लोगों की भीड़

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

शिवाजीनगर। प्रखंड मुख्यालय में आयोजित तीन दिवसीय प्रखंड सहयोग सह जनकल्याण शिविर में प्रखंड क्षेत्र के सभी 17 पंचायतों से बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याओं और शिकायतों को लेकर पहुंच रहे हैं। शिविर का मुख्य उद्देश्य आम जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान करना तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाना है। शिविर में आने वाले फरियादियों की सुविधा के लिए विभिन्न विभागों के अलग-अलग काउंटर बनाए गए हैं। इनमें राजस्व, आपूर्ति, सामाजिक सुरक्षा, मनरेगा, बाल विकास परियोजना, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, पंचायत राज, आवास योजना, जीविका सहित अन्य विभागों के काउंटर शामिल हैं। प्रत्येक काउंटर पर संबंधित विभाग के कर्मी एवं पदाधिकारी उपस्थित रहकर लोगों की समस्याएं सुन रहे हैं तथा आवेदन प्राप्त कर उनका निष्पादन करने की प्रक्रिया शुरू कर रहे हैं। प्रखंड प्रशासन द्वारा शिविर में प्राप्त होने वाले सभी आवेदनों को गंभीरता से लिया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि शिविर में आने वाले प्रत्येक लाभुक की शिकायत एवं समस्या का निष्पक्ष तरीके से निस्तारण करने का प्रयास किया जा रहा है। जिन मामलों का समाधान तत्काल संभव है, उनका मौके पर ही निष्पादन किया जा रहा है, जबकि जांच से संबंधित मामलों को संबंधित विभागों को भेजकर शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। शिविर में राशन कार्ड, वृद्धावस्था पेंशन, आवास योजना, भूमि विवाद, जाति, आय एवं निवास प्रमाण पत्र, मनरेगा भुगतान, स्वास्थ्य सुविधाओं सहित विभिन्न योजनाओं से जुड़ी समस्याओं के आवेदन बड़ी संख्या में प्राप्त हो रहे हैं। लाभुकों ने बताया कि एक ही स्थान पर सभी विभागों के अधिकारी उपलब्ध रहने से उन्हें अपनी समस्याएं रखने और समाधान प्राप्त करने में काफी सुविधा हो रही है। प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी लगातार शिविर की निगरानी कर रहे हैं तथा यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि किसी भी व्यक्ति को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। अधिकारियों ने कहा कि सरकार की मंशा के अनुरूप आम लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने और उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए यह शिविर आयोजित किया गया है। शिविर में पहुंचे लोगों ने प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन से जनता और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित होता है तथा वर्षों से लंबित कई समस्याओं के समाधान का रास्ता भी खुलता है। तीन दिनों तक चलने वाले इस शिविर में बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना

बीएसएल से जुड़े विभिन्न मुद्दों को ले निदेशक प्रभारी से मिले पूर्व सांसद पी एन सिंह

विस्तारीकरण, आधुनिकीकरण एवं विस्थापित सहित कई मामलों पर हुई चर्चा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात संयंत्र के विस्तारीकरण, आधुनिकीकरण, विस्थापित, अप्रेंटिस विस्थापित युवाओं के रोजगार, मृत कर्मचारियों के आश्रितों के नियोजन, आवासों में अतिक्रमण एवं नागरिक सुविधाओं जैसे मुद्दे पर पूर्व सांसद पशुपति नाथ सिंह ने मंगलवार की देर शाम निदेशक प्रभारी प्रिय रंजन से उनके कार्यालय कक्ष में विस्तार से बातचीत की। श्री सिंह ने कहा कि विस्तारीकरण एवं आधुनिकीकरण के कार्य ने गति लाने की जरूरत है, क्योंकि इस पर बोकारो का भविष्य निर्भर है। गौरतलब है कि विस्तारीकरण और आधुनिकीकरण को लेकर श्री सिंह पिछले कई वर्षों से प्रयासरत रहे हैं। इस विषय पर उन्होंने कई बार सेल, चेयरमैन से गंभीर चर्चा की थी। पूर्व सांसद के प्रतिनिधि ए के वर्मा ने बताया है कि निदेशक प्रभारी ने संयंत्र से जुड़े समस्त योजनाओं और कार्यों अद्यतन स्थिति की जानकारी दी। श्री रंजन ने बताया कि विस्तार योजना के तहत 4500 घनमीटर क्षमता का नया ब्लास्ट फर्नेस, थिन स्लैब कास्टिंग एवं डायरेक्ट रोलिंग सुविधा, स्टैम्प-चार्ज्ड कोक ओवन बैटरी, कैल्साइनिंग प्लांट तथा सिंटर प्लांट विस्तार जैसी आधुनिक इकाइयाँ स्थापित की जानी हैं। परियोजना का उद्देश्य केवल उत्पादन बढ़ाना नहीं, बल्कि संयंत्र को आधुनिक एवं ऊर्जा दक्ष बनाना भी है। इसके तहत सौर ऊर्जा, कार्बन उत्सर्जन में कमी तथा उन्नत उत्पादन तकनीकों को शामिल किया जा रहा है। इससे उत्पादन लागत घटाने और उच्च गुणवत्ता वाले इस्पात के निर्माण में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया, वर्तमान में परियोजना को लेकर शुरूआती चरण में कुछ अवसंरचनात्मक चुनौतियां सामने आई थीं। विशेष रूप से वैकल्पिक जलापूर्ति व्यवस्था के अभाव के कारण 2025 में कार्यान्वयन की गति प्रभावित हुई थी। हालांकि, 2026 की शुरूआत में परियोजना को नया बल मिला है। बोकारो स्टील प्लांट प्रबंधन ने विस्तार कार्य के लिए आवश्यक 'एनैबलिंग पैकेजों' के टेंडर जारी कर दिए गए हैं, जिससे परियोजना के क्रियान्वयन चरण में प्रवेश करने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। बताया गया है कि विस्तार परियोजना से लगभग 2,500 प्रत्यक्ष और 10,000 अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की संभावना है। साथ ही बोकारो और आसपास के क्षेत्रों में औद्योगिक एवं आर्थिक गतिविधियों को भी बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा। बोकारो स्टील प्लांट में विस्थापितों, अप्रेंटिस विस्थापितों और मृत कर्मचारियों के आश्रितों के नियोजन की वर्तमान स्थिति के संबंध में बताया गया है कि वर्तमान में दूसरी और तीसरी पीढ़ी के विस्थापित परिवारों के अनेक युवाओं ने बीएसएल और उससे जुड़े प्रशिक्षण संस्थानों में अप्रेंटिसशिप एवं तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त की है, उन युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की कोशिश जारी है। बीएसएल में मृत कर्मचारियों के आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति का प्रावधान कंपनी की सेवा-नियमावली के अनुसार लागू रहता है। लेकिन यह नियुक्ति रिक्तियों, पात्रता और निर्धारित नियमों के अधीन होती है। हाल के वर्षों में नियमित भर्ती कम होने और संविदा व्यवस्था बढ़ने के कारण आश्रित नियुक्तियों की संख्या भी सीमित रही है। आवश्यकतानुसार उन्हें मौका दिया जाएगा। पूर्व सांसद ने कहा कि विस्तारीकरण एवं आधुनिकीकरण की 20,000 करोड़ रुपये की परियोजना के कार्यों में विस्थापित और अप्रेंटिस युवाओं को रोजगार देने की आवश्यकता है, ताकि वे अपना और अपने परिवार का भरण पोषण कर सकें। निदेशक प्रभारी ने श्री सिंह को जानकारी दी कि प्रबंधन रोजगार के बजाय स्वरोजगार एवं पुनर्वास योजनाओं पर भी जोर दे रहा है। इसी क्रम में इस साल विस्थापित परिवारों के लिए 96 दुकानों का आवंटन किया गया, ताकि उन्हें आजीविका के वैकल्पिक अवसर मिल सकें। इसके अलावा श्री सिंह ने जर्जर आवास और अतिक्रमण को लेकर अपनी चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि आवासों के अनुरक्षण और लाइसेंस पर आवास आवंटन में गति लाने से अतिक्रमण की समस्या का समाधान हो सकता है। खाली आवास रहने के कारण अतिक्रमण हो रहा है। उन्होंने नगर के सीवर लाइन के अनुरक्षण को आवश्यक बताया। श्री सिंह ने कहा कि बरसात में प्रत्येक सेक्टर में सड़क पर सीवर का पानी बहता है। निदेशक प्रभारी श्री रंजन ने पूर्व सांसद को आश्वस्त किया कि उनके उठाए प्रत्येक बिंदु पर गंभीरता से विचार विमर्श कर कार्यों को गति दी जाएगी।

डीसी ने जिला खेल कार्यालय का किया औचक निरीक्षण

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बुधवार को उपायुक्त अजय नाथ झा ने जिला खेल पदाधिकारी कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालय में संधारित विभिन्न अभिलेखों एवं पंजियों की जांच की। डीसी ने आगत एवं निर्गत पंजी, इंडेक्स पंजी, पर्यटन स्थलों से संबंधित अभिलेख, क्लोजर रिपोर्ट वित्तीय वर्ष 2025-26 से संबंधित दस्तावेज, वेतन नियमावली सहित अन्य अभिलेखों का अवलोकन किया। साथ ही, कार्यालय परिसर की साफ-सफाई, अभिलेखों के सुव्यवस्थित संधारण एवं कार्यालय व्यवस्था को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में डीसी ने जिला खेल पदाधिकारी श्रीमती हेमलता बून को निर्देशित किया कि सभी पंजियों एवं अभिलेखों को अद्यतन कर एक सप्ताह के भीतर व्यवस्थित रूप से संधारित करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि कार्यालयीन कार्यों के निष्पादन में पारदर्शिता एवं जवाबदेही बनाए रखना आवश्यक है। डीसी ने वित्तीय मामलों के निष्पादन में झारखंड वित्तीय नियमावली का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी कार्यों का गंभीरतापूर्वक एवं समयबद्ध तरीके से निष्पादन किया जाए। किसी भी प्रकार की अनियमितता अथवा त्रुटि की गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। मौके पर प्रशिक्षु आईएएस श्री अरविंद, जिला खेल पदाधिकारी हेमलता बून, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी श्री अविनाश कुमार सिंह सहित अन्य कर्मी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

गुरुद्वारा में गुरु अर्जन देव के शहादत दिवस पर छबील सेवा

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जोड़ाफाटक गुरुद्वारा, धनबाद में श्री गुरु अर्जन देव के 420वें शहादत दिवस पर छबील का आयोजन किया गया। संगत ने गुरुजी के बलिदान को नमन करते हुए राहगीरों और श्रद्धालुओं को ठंडा शरबत वितरित किया। सेवा कार्य में गुरुद्वारा कमेटी के सदस्य रोमिंदर सिंह, नवतेज सिंह,अमरजीत सिंह, सरदूल सिंह, लड्डू सिंह, दिल्लू, भजन, सोनू सरदार, सोनी, कृपाल सिंह, टिंकू सिंह, हरिंदर सिंह, रामा, मन्नू, बबलू, नरेश, दिलीप जी सहित अन्य श्रद्धालुओं ने सहयोग किया। कार्यक्रम में अरदास और कीर्तन के बाद सेवा भाव से लोगों को शरबत पिलाया गया। आयोजकों ने कहा कि गुरु अर्जन देव जी का जीवन हमें सत्य, धैर्य और निःस्वार्थ सेवा की प्रेरणा देता है।

धनबाद में बनेगा आधुनिक पुलिस कॉम्प्लेक्स, एक ही भवन में संचालित होंगे पांच थाने

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। शहर की पुलिस व्यवस्था को अधिक व्यवस्थित और आधुनिक बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। धनबाद थाना, महिला थाना, हरिजन थाना, यातायात थाना और साइबर थाना को एक ही भवन में संचालित करने की योजना पर काम शुरू हो गया है। इसी क्रम में बुधवार को एसएसपी प्रभात कुमार ने सदर थाना परिसर का निरीक्षण कर अधिकारियों और इंजीनियरों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वर्तमान में सदर थाना परिसर में महिला थाना और यातायात थाना संचालित हो रहे हैं। अब यहां लगभग 17 करोड़ रुपये की लागत से जी+6 (ग्राउंड प्लस छह मंजिला) अत्याधुनिक भवन का निर्माण कराया जाएगा, जिसमें सभी पांच थानों को एकीकृत किया जाएगा। इस परियोजना को पूरा करने में करीब डेढ़ वर्ष का समय लगेगा। एसएसपी प्रभात कुमार ने बताया कि यह योजना पहले से प्रस्तावित थी, जिस पर अब तेजी से काम शुरू किया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा भेजी गई इंजीनियरों की टीम ने निर्माण स्थल का निरीक्षण किया और परियोजना की रूपरेखा पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि नए भवन के निर्माण से पुलिसिंग व्यवस्था अधिक प्रभावी होगी और आम नागरिकों को विभिन्न थानों के लिए अलग-अलग स्थानों पर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसके अलावा जिले के सभी थाना परिसरों का सौंदर्यीकरण भी कराया जा रहा है, ताकि फरियादियों और आम लोगों को बेहतर एवं सुविधाजनक माहौल उपलब्ध कराया जा सके।

भाजपा ओबीसी राष्ट्रीय सदस्य देवनारायण प्रजापति का तेनुघाट में स्वागत

तेनुघाट/बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। तेनुघाट क्षेत्र अंतर्गत कर्माटांड़ में भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय सदस्य एवं समाजसेवी देवनारायण प्रजापति के आगमन पर स्थानीय ग्रामीणों, भाजपा कार्यकर्ताओं स्वागत किया गया। इस अवसर पर श्री प्रजापति ने श्री हनुमान मंदिर पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना की तथा क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति एवं विकास की कामना की। मंदिर परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्होंने उपस्थित लोगों से संवाद करते हुए समाज में एकता, भाईचारा एवं राष्ट्रहित में कार्य करने का आह्वान किया। स्थानीय लोगों ने फूल-मालाओं भेंट कर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, युवा साथी एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने श्री प्रजापति के नेतृत्व एवं समाज के प्रति उनके समर्पण की सराहना की। कमार्टांड़ में मिले अपार स्नेह और सम्मान के लिए श्री प्रजापति जी ने सभी क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे सदैव जनता की सेवा, समाज के उत्थान एवं क्षेत्र के विकास के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे। इस कार्यक्रम में उपस्थित हुए भाजपा किसान मोर्चा के अध्यक्ष योगेंद्र प्रसाद, पप्पू प्रजापति, महावीर यादव, गोवर्धन रजवार, अनिल यादव, जलेश्वर रजवार, सहदेव रजवार जी जमुना यादव जी कृष्ण यादव, बबली यादव, मिथलेश यादव, रूपलाल यादव सहित सैकड़ो की संख्या में ग्रामीण उपस्थित हुए। वहीं जनता का विश्वास ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है, और समाज की सेवा ही हमारा सर्वोच्च धर्म है।

भीषण गर्मी में भी आम लोगों को सरकारी कार्यालयों में नहीं मिल रहा पीने का पानी

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भीषण गर्मी में लोगों को राहत पहुंचाने के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सभी सरकारी कार्यालयों में प्याऊ लगाने का निर्देश दिया था। मकसद था कि सरकारी काम से आने वाले लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा सके। लेकिन धनबाद जिले में कई जगहों पर यह व्यवस्था सिर्फ कागजों और तस्वीरों तक सीमित नजर आ रही है। धनबाद मिश्रित कार्यालय समेत कई सरकारी दफ्तरों में प्याऊ तो लगाए गए हैं, लेकिन घड़े खाली पड़े हैं। ऐसे में लोग पानी की उम्मीद लेकर पहुंचते हैं और निराश होकर लौट जाते हैं। झारखंड के अधिकांश सरकारी कार्यालयों में मुख्यमंत्री के निर्देश पर लगाए गए प्याऊ लोगों की प्यास बुझा रहे हैं। लेकिन धनबाद जिले में कई सरकारी कार्यालयों की तस्वीर अलग है। यहां प्याऊ के नाम पर घड़े तो रखे गए हैं, मुख्यमंत्री की तस्वीर भी लगाई गई है, लेकिन उनमें पानी नहीं है। खाली घड़े देखकर साफ प्रतीत होता है कि व्यवस्था केवल औपचारिकता बनकर रह गई है। एगारकुंड प्रखंड कार्यालय हो या धनबाद का मिश्रित भवन, कई स्थानों पर लोगों को पीने का पानी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। भीषण गर्मी में दूर-दराज से आने वाले नागरिकों को राहत मिलने के बजाय परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि सरकार की मंशा अच्छी है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही के कारण उसका लाभ आम जनता तक नहीं पहुंच पा रहा है। जब इस मामले में अधिकारियों से सवाल किया गया तो उनका कहना था कि सुबह घड़ों में पानी भर दिया जाता है, लेकिन दिनभर लोगों के उपयोग के कारण पानी खत्म हो जाता है। हालांकि सवाल यह उठता है कि यदि पानी खत्म हो जाता है तो उसे दोबारा भरने की जिम्मेदारी किसकी है। क्या केवल घड़े रख देना ही व्यवस्था पूरी करना माना जाएगा।

वृद्धाश्रम निर्माण में भू माफियाओं ने मांगी 5 लाख की रंगदारी

जमीन माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर कसमार थाना में धरने पर बैठे पीड़ित

कसमार (बोकारो)/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। कसमार थाना क्षेत्र के सोनपुरा गांव स्थित पिरवाटांड़ में निजी जमीन पर बन रहे वृद्धा आश्रम का काम दबंगों ने रोक दिया। आरोप है कि करीब 50 लोगों ने हथियार दिखाकर काम रुकवाया और एक सप्ताह में 5 लाख रुपये रंगदारी नहीं देने पर जान से मारने व जमीन छीनने की धमकी दी। उन्हीं दबंगों ने कृष्ण कुमार नायक की जमीन कब्जा कर दिया। दोनों पीड़ित जमीन माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग को लेकर कसमार थाना में धरना पर बैठ गए हैं। पीड़ित ने 14 जून को कसमार थाना में लिखित शिकायत दी, लेकिन आज तक प्राथमिकी दर्ज नहीं हुई। पीड़ितों का कहना है कि दबंगों ने उनकी जमीन पर जबरन दो कमरे भी बना लिए हैं। जमीन माफियाओं पर केस दर्ज करने की मांग को लेकर पीड़ित कसमार थाना में धरने पर बैठ गए हैं। धरने पर बैठे जय मंगल प्रसाद सिंह और कृष्ण कुमार नायक ने बताया कि उन दोनों की जमीन पर दबंगों ने जबरन कब्जा कर लिया, और जमीन पर कमरा बना दिया। उनका सहयोग करने के बजाय जमीन माफियाओं का साथ दे रही है। टांडबालीडीह निवासी जयमंगल प्रसाद सिंह ने मंगलवार को एसपी बोकारो से मिलकर पूरे मामले की जानकारी दी। एसपी ने तत्काल कसमार थाना प्रभारी से दूरभाष पर बात कर जांचोपरांत कार्रवाई का निर्देश दिया। साथ ही कहा कि जब तक मामला सुलझ नहीं जाता, कंस्ट्रक्शन कार्य पर तत्काल रोक लगाई जाए। जमीन संबंधी विवाद होने पर संबंधित अधिकारी से समन्वय कर समाधान कराने को कहा। जयमंगल प्रसाद का आरोप है कि 14 जून को दी गई शिकायत में कैलाश नायक, किशोरी नायक, परमेश्वर सिंह समेत 50 लोगों को नामजद किया था। आरोपियों ने पुलिस को सूचना देने पर भी जान से मारने की धमकी दी। प्राथमिकी न होने से आरोपियों का मनोबल बढ़ रहा है और परिवार को जान-माल का खतरा है।

सांसद-विधायक ने किया समर्थन, एसपी से की बात

वहीं, इस मामले को लेकर स्थानीय सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी, धनबाद सांसद ढुल्लू महतो और डुमरी विधायक जयराम महतो ने क्षेत्र में निशुल्क वृद्धा आश्रम बनाने के प्रस्ताव का समर्थन किया है। तीनों नेताओं ने एसपी से बात कर निर्माण में सहयोग करने और बाधा डालने वालों पर कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित ने एसपी से तत्काल प्राथमिकी दर्ज कर दोषियों पर कठोर कार्रवाई और सुरक्षा की मांग की है ताकि कोई अप्रिय घटना न हो।

डीसी ने जिला कोषागार कार्यालय का किया निरीक्षण

तत्परता से करें कार्यों का निष्पादन, किसी प्रकार की गड़बड़ी नहीं हो: उपायुक्त

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बुधवार को उपायुक्त अजय नाथ झा ने जिला कोषागार कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालय में संचालित विभिन्न कार्यों एवं अभिलेखों की समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण क्रम में डीसी ने एसएनएस -स्पर्श के तहत भुगतान प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने योजना से संबंधित अभिलेखों एवं भुगतान व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कार्यों को पूरी पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ निष्पादित करने का निर्देश दिया। डीसी ने विभिन्न विभागों द्वारा संधारित अलॉटमेंट पंजी, रेड, ग्रीन एवं ब्लू पेन चेक तथा अन्य वित्तीय अभिलेखों का भी अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि वित्तीय कार्यों में किसी प्रकार की त्रुटि या गड़बड़ी की गुंजाइश नहीं होनी चाहिए तथा सभी प्रक्रियाओं का नियमानुसार पालन सुनिश्चित किया जाए।

अभिलेखों के सुव्यवस्थित संधारण का दिया निर्देश

निरीक्षण के दौरान डीसी ने अलॉटमेंट पंजी एवं अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेजों को सुरक्षित एवं व्यवस्थित ढंग से रैक में रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि कार्यालय में सभी अभिलेख इस प्रकार संधारित किए जाएं कि आवश्यकता पड़ने पर उन्हें आसानी से उपलब्ध कराया जा सके।

फाइलों पर विभाग का नाम स्पष्ट अंकित करने को कहा

डीसी ने कार्यालय में संधारित सभी फाइलों के ऊपर संबंधित विभाग का नाम स्पष्ट रूप से अंकित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि फाइलों एवं अभिलेखों के उचित वर्गीकरण से कार्य निष्पादन में सुविधा होगी तथा कार्यालय व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ बनेगी। उन्होंने कोषागार कार्यालय के पदाधिकारियों एवं कर्मियों को सभी कार्यों का निष्पादन तत्परता, पारदर्शिता एवं जवाबदेही के साथ करने तथा कार्यालय अभिलेखों के सुव्यवस्थित रख-रखाव पर विशेष ध्यान देने को कहा। मौके पर प्रशिक्षु आइएएस अरविंद, जिला कोषागार पदाधिकारी गुलाब चंद उरांव, एपीआरओ अविनाश कुमार सिंह समेत अन्य उपस्थित थे।

बाल मजदूरी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

दो नाबालिगों का रेस्क्यू, नियोक्ताओं पर कसेगा कानूनी शिकंजा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त बोकारो के निदेर्शानुसार जिले में बाल मजदूरी के खिलाफ गठित जिला धावा दल ने आज एक विशेष रेस्क्यू अभियान चलाया। इस अभियान के तहत सेक्टर 5डी स्थित एक मोटरसाइकिल गैराज' से दो नाबालिग बाल मजदूरों को मुक्त कराया गया। रेस्क्यू के दौरान मुक्त कराए गए बच्चों की उम्र 14 वर्ष और 17 वर्ष है।दोनों बच्चे क्रमशः चीरा चास और बिजूलिया गांव के रहने वाले हैं। रेस्क्यू अभियान के तुरंत बाद दोनों बच्चों को बाल कल्याण समिति, बोकारो के समक्ष प्रस्तुत किया गया। समिति के आदेशानुसार, बच्चों के पुनर्वास के लिए उन्हें तत्काल बाल गृह, चास (बोकारो) भेज दिया गया है। इस विशेष अभियान को सफल बनाने में जिला धावा दल के मुख्य रूप से अजीत राणा ,बाल संरक्षण इकाई, राकेश कुमार श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, चास, पिंटू कुमार श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, चंदनकियारी, प्रदीप कुमार ,चाइल्ड लाइन तथा रवि कुमार राय सहयोगिनी, बोकारो शामिल थे। दवा दल ने कहा कि बोकारो जिले में बाल मजदूरी के खिलाफ सघन अभियान चलाया जा रहा है। किसी भी व्यावसायिक प्रतिष्ठान, होटल या गैराज में यदि बाल मजदूर काम करते पाए गए, तो उन्हें तुरंत रेस्क्यू किया जाएगा। इसके साथ ही संबंधित नियोक्ता (मालिक) के खिलाफ श्रम अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अमेरिकी सशस्त्र बल द्वारा भारतीय नाविकों की हत्या की स्वदेशी जागरण मंच ने की कड़ी निंदा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। स्वदेशी जागरण मंच ने 8, 10 और 11 जून 2026 को अमेरिकी सशस्त्र बलों द्वारा बिना किसी उकसावे के तीन निहत्थे भारतीय नाविकों की हत्या पर गहरा दुख और आक्रोश व्यक्त किया है। इन घटनाओं ने भारत के लोगों के बीच अविश्वास और गुस्से की लहर पैदा कर दी है। अमेरिकी प्रशासन ने असंवेदनशील और गैर-जिम्मेदाराना प्रतिक्रिया देकर जले पर नमक छिड़कने का काम किया है, जिससे उन भारतीयों की भावनाएं और आहत हुई हैं जो हमेशा अमेरिका को एक अच्छा दोस्त मानते रहे हैं। स्वदेशी जागरण मंच के क्षेत्रीय संयोजक अमरेंद्र सिंह द्वार जारी विज्ञप्ति ने कहा गया है कि समुद्री शासन के केंद्र में 'समुद्र के कानून पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन' (यूएनसीएलओएस) है, जो अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में नौवहन की स्वतंत्रता और सुरक्षा की गारंटी देता है। अंतरराष्ट्रीय कानून नागरिक नाविकों द्वारा संचालित व्यापारिक जहाजों को गैर-कानूनी हस्तक्षेप से सुरक्षा प्रदान करता है। बिना किसी कानूनी औचित्य के ऐसे जहाजों पर हमला करना, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत इन नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। सशस्त्र संघर्ष की स्थितियों में भी, जिनेवा कन्वेंशन के तहत नागरिकों की जान सुरक्षित मानी जाती है। वाणिज्यिक जहाजों पर सवार नाविक, जो लड़ाके नहीं होते, उन्हें वैध लक्ष्य नहीं माना जा सकता। भेदभाव (अंतर करने), आनुपातिकता और आवश्यकता के सिद्धांत अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का मूल आधार हैं। अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) वैश्विक समुद्री सुरक्षा नियम प्रदान करता है, जो सभी देशों को समुद्र में जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित करता है। अमेरिकी सशस्त्र बलों का यह कृत्य, जो समुद्र में निर्दोष लोगों की जान को खतरे में डालता है और उनकी जान ले लेता है। यह अंतरराष्ट्रीय समुद्री सहयोग की नींव पर ही प्रहार करता है। भारत के लोग अमेरिकी प्रशासन से जवाब चाहते हैं—जो हमेशा खुद को मानवाधिकारों का रक्षक बताता रहा है कि वे इतने गैर-जिम्मेदार कैसे हो सकते हैं कि उन्होंने एक ऐसे जहाज पर हमला किया जो कई दिनों से एक ही जगह पर स्थिर खड़ा था।

उपायुक्त ने कंपोजिट कंट्रोल रूम का किया औचक निरीक्षण

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बुधवार को उपायुक्त अजय नाथ झा ने कैंप टू स्थित जिला समेकित नियंत्रण कक्ष (कंपोजिट कंट्रोल रूम) का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सीसीटीवी मॉनिटर के माध्यम से जिले की विभिन्न गतिविधियों की निगरानी की तथा कंट्रोल रूम के कार्यों की समीक्षा की। डीसी ने आपातकालीन सेवा 112 के माध्यम से प्राप्त शिकायतों की जानकारी ली। उपस्थित पुलिस जवान ने बताया कि आज कुल 14 मामले दर्ज किए गए हैं, जिन्हें आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधितों को अग्रसारित कर दिया गया है।

पीजी पोर्टल मामलों के त्वरित निष्पादन का निर्देश

निरीक्षण के क्रम में डीसी ने पीजी पोर्टल के माध्यम से प्राप्त शिकायतों की भी समीक्षा की। उन्होंने जिला प्रशासन से संबंधित मामलों का निष्पादन 48 से 72 घंटे के भीतर सुनिश्चित करने को लेकर संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जन शिकायतों के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा समयबद्ध निष्पादन सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

नियंत्रण कक्ष में प्राप्त शिकायतों की ली जानकारी

डीसी ने प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी से भी नियंत्रण कक्ष को प्राप्त शिकायतों की जानकारी ली। बताया गया कि नियंत्रण कक्ष में कुल पांच मामले दर्ज किए गए हैं। उन्होंने सभी मामलों पर की गई कार्रवाई की स्थिति की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए।

यातायात नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई का निर्देश

सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से जिले की निगरानी के दौरान उपायुक्त ने यातायात व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने पर बल दिया। उन्होंने वाहनों के परिचालन की प्रभावी निगरानी करने तथा यातायात एवं परिवहन अधिनियम का उल्लंघन करने वाले वाहनों को चिह्नित कर नियमानुसार कार्रवाई एवं जुमार्ना लगाने का निर्देश दिया। इस संबंध में उन्होंने कंपोजिट कंट्रोल रूम के डीएसपी श्री आर. कुमार को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि तकनीक का अधिकतम उपयोग कर कानून व्यवस्था एवं यातायात प्रबंधन को और बेहतर बनाया जाए।

बीएसएल के असुरक्षित आवासों के लीजधारकों हेतु 'विशेष लीज पुनर्स्थापन योजना'

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। लोक सुरक्षा और जनहित को ध्यान में रखते हुए बोकारो इस्पात संयंत्र द्वारा जर्जर एवं असुरक्षित आवासीय ब्लॉकों में रह रहे लीजधारकों / निवासियों के लिए 'विशेष लीज पुनर्स्थापन योजना' की घोषणा जल्द ही की जाएगी. इस योजना के तहत, वर्तमान में असुरक्षित एवं जर्जर लीज आवासों के बदले संबंधित लीजधारकों को प्राथमिकता के आधार पर वैकल्पिक रिक्त आवास आवंटित किए जाएंगे. नए आवंटन मौजूदा लीज के नियमों एवं शर्तों के अनुसार ही प्रभावी होंगे. संबंधित प्रभावित निवासियों को पूर्व में ही कानूनी नोटिस के माध्यम से वर्तमान आवास खाली करने और पुनर्स्थापन की आवश्यकता से अवगत कराया जा चुका है. प्रस्तावित विशेष लीज पुनर्स्थापन परिपत्र के जारी होने के बाद सभी प्रभावित लीजधारकों से समय पर अपने आवेदन जमा करने का अनुरोध किया जाता है ताकि आवंटन की संपूर्ण प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता के साथ जल्द संपन्न की जा सके. इस योजना से जुड़े विस्तृत विवरण, प्रभावित ब्लॉकों की सूची और आवेदन की प्रक्रिया शीघ्र ही जारी होने वाले विस्तृत परिपत्र में उपलब्ध कराई जाएगी. ज्ञातव्य है कि अधिकतर असुरक्षित एवं जर्जर ब्लॉक सेक्टर 12 में चिन्हित किए गए हैं जबकि कुछ ब्लॉक सेक्टर 2, सेक्टर 6 एवं सेक्टर 9 में चिन्हित किए गए हैं. विशेष लीज पुनर्स्थापन योजना का उद्देश्य लीजधारकों और उनके परिवारों को जर्जर ब्लॉक के संभावित जोखिम से आगाह कराना और उन्हें वैकल्पिक सुरक्षित आवास उपलब्ध कराना है. अतः सभी प्रभावित लीजधारकों से इसमें सहयोग की अपील की जाती है.

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल फोन नंबर- 9431145865 8210783623 आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655 E-mail- nbtimesbihar@gmail.com